RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 97
नई दिल्ली, सोमवार, 12 फरवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र के मंत्री जल्द ही अयोध्या की यात्रा करेंगे

राष्ट्रीय-10

किसानों के आक्रोश से निपटने को दिल्ली तैयार

संजय राय/राजेश कुमार। नई दिल्ली

किसान संगठनों के 13 फरवरी को 'दिल्ली चलो' मार्च के आह्वान को देखते हुए पंजाब से दिल्ली तक अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। पुलिस व प्रशासन पिछली बार (वर्ष 2020) की तरह अबकी बार गलती नहीं दोहराना चाहते हैं। इसलिए, किसानों के विरोध से किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है।

दिल्ली से लगी सभी सीमाओं को सील कर सीमेंट के अवरोधक, कंटीले तार और रेत की बोरियां समेत अन्य सामान जमा कर लिया गया है। सके अलावा इंटरनेट और बड़ी संख्या में एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है और किसानों को रोकने के लिए बार्डर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। केंद्र ने संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों को उनकी मांगों पर चर्चा के लिए 12 फरवरी को एक और बैठक के लिए आमंत्रित किया है। किसानों का प्रतिनिधि मंडल तीन केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय, के साथ बातचीत करेंगे। चंडीगढ़ में किसानों की बैठक सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में होगी। किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली चलो मार्च के मद्देनजर रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के उत्तर पूर्वी जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू किया गया, जिसके तहत बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी है। 26 जनवरी 2021 को दुर्भाग्यपूर्ण घटना से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, जिसमें प्रदर्शनकारी किसान ट्रैक्टर रैली के एक विशेष मार्ग पर दिल्ली पुलिस के साथ हिंसक झड़प किए थे। साथ ही दीप सिद्धू के नेतृत्व में, लोग लाल किले पर चढ़ाई कर राष्ट्रीय राजधानी में अराजकता फैल गई थी।

शांति भंग होने की आशंका के चलते, हरियाणा ने जीटी रोड सीमा (राष्ट्रीय राजमार्ग -44) पर अंबाला के पास शंभू में पंजाब के साथ लगती सीमा को सील कर दिया है। साथ ही जींद और फतेहाबाद जिलों की सीमाओं पर भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शांति भंग की आशंका के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने सात जिलों अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में 11 से 13 फरवरी तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं और एक साथ कई एसएमएस करने की सेवा को भी निलंबित कर दिया है। एक अधिसूचना में, हरियाणा सरकार ने कहा कि मोबाइल फोन पर दी जाने वाली डोंगल सेवाएं निलंबित रहेंगी और केवल वॉयस कॉल ही होंगी। सोनीपत में, जिला प्रशासन ने पेट्रोल पंप मालिकों से बोतलों या अन्य कंटेनर में ट्रैक्टरों के लिए 10-लीटर डीजल देने की अनुमति दी है। प्रशासन ने पेट्रोल पंप मालिकों को चेतावनी दी है कि किसानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़े लोगों को ईंधन मुहैया कराने पर कार्रवाई की जाएगी। मार्च को रोकने के लिए जींद और फतेहाबाद जिलों की सीमाओं पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस बड़े पैमाने पर कंटेनर लगाकर हरियाणा के साथ शहर की सीमाओं को अवरुद्ध कर रही है। यदि किसान दिल्ली में घुसने की कोशिश करते हैं तो इन बाधाओं को हटाने के लिए क्रेन तैनात की गई हैं। हरियाणा ने भी यह सुनिश्चित करने के लिए सीमेंट अवरोधक लाए हैं कि प्रदर्शनकारी किसान दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकें। दिल्ली में अगर किसान डेरा डालने की कोशिश करते हैं तो पुलिस इसके लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने का अभ्यास कर रही है। एक वीडियो में दिल्ली पुलिस को उत्तरी दिल्ली के एक खुले इलाके में लाइन में खड़े होकर आंसू गैस के गोले छोड़ते हुए दिखाया गया है। इस बीच, इस अभ्यास से स्थानीय निवासियों को असुविधा में डाल दिया है। उनमें से कई ने अभ्यास के बाद अपनी आंखों में जलन की शिकायत की। विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रख रही है।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने 13 फरवरी को 200 से अधिक किसान संघों द्वारा दिल्ली चलो की घोषणा की थी, ताकि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के वास्ते कानून बनाने सहित कई मांगों को स्वीकार करने (शेष पेज 9)

किसानों के दिल्ली चलो मार्च को देखते हुए गाजीपुर सीमा पर बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है, उम्मीद है कि राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से बड़ी संख्या में किसानों के आने की संभावना है

बिहार विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले पटना स्थित जदयू कार्यालय के बाहर खड़ी गाड़ियां

बिहार में फ्लोर टेस्ट पर लगीं सबकी निगाहें

दीपक कुमार झा। पटना/नई दिल्ली

नवगठित नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के शक्ति परीक्षण से पहले सोमवार को जहां राजनीतिक दल शानदार भोजन, अंताक्षरी और इनडोर खेलों के माध्यम से अपने विधायक दल को एक साथ रखने की कोशिश में व्यस्त थे, वहीं सभी की निगाहें निवर्तमान राजद सदस्य व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी की भूमिका और वर्तमान नीतीश शासन के घटक दल जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली एचएएम टिकी है। सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद अपनी पार्टी के कुछ विधायकों के क्रास वोटिंग का डर है, जो कथित तौर पर पिछले सप्ताह से गायब हो गए हैं और संपर्क में नहीं है। जदयू प्रमुख को स्पष्ट रूप से पार्टी को अपनी जागीर के रूप में चलाने और अपने करीबी विश्वासपात्र और पूर्ववर्ती ललन सिंह को जदयू के प्रमुख पद से हटाने के लिए कई बार अपने अनौपचारिक विद्रोह के कारण पार्टी के भीतर विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। जेडीयू के एक और पूर्व अध्यक्ष और एक समय नीतीश के खास माने जाने वाले आरसीपी सिंह भी नीतीश कुमार को बिहार की राजनीति के परिदृश्य से पूरी तरह से बाहर करना चाह रहे हैं। आरसीपी जेडीयू के साथी के तौर पर नरेंद्र मोदी कैबिनेट में थे और अब भाजपा में शामिल हो गए हैं।

बिहार विधानसभा की कुल सीट 243 है और बहुमत का आंकड़ा 122 है। एनडीए के पास 128 विधायकों के साथ बहुमत का आंकड़ा है, जिसमें भाजपा के पास 78 सीटें, जेडीयू के पास 45 सीटें, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के पास 4 सीटें और निर्दलीय विधायक सुमित सिंह हैं। राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला दूसरा पक्ष 14 विधायकों को तोड़ने की कोशिश में जुटा है क्योंकि वह 79 विधायकों के साथ बिहार विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है, उसके बाद कांग्रेस के 19, (शेष पेज 9)

अयोध्या में रविवार को श्रीरामलला मंदिर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा अन्य विधायकों ने दर्शन-पूजन किया

राजनेताओं को आध्यात्मिक यात्रा पर ले गए योगी

कमलेश श्रीवास्तव। अयोध्या

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आह्वान पर भगवान श्री राम लला के दर्शन पूजा के लिए समाजवादी पार्टी को छोड़कर, विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक आध्यात्मिक यात्रा पर अयोध्या पहुंचे। इस अवसर पर विधायकों ने अयोध्या यात्रा के लिए आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की सराहना की सराहना करने के साथ धन्यवाद दिया। मंदिर के दर्शन के बाद विधानसभा अध्यक्ष महाना ने संवाददाताओं से कहा, मैं भगवान राम के दरबार में उपस्थित होकर अभिभूत हूं। असज मेरा सपना सच हो गया। उन्होंने इस स्थल के विकास से लेकर इसकी आज की भव्यता तक पर विचार किया। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाले मंदिर की इतनी भव्य संरचना होगी।

राजनीतिक असमानताओं को दरकिनार करते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और विधायकों के साथ, बसपा, रालोद और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने भगवान राम के भव्य दरबार में सामूहिक श्रद्धा के साथ दर्शन व पूजन किया। इस यात्रा को परिवहन निगम द्वारा प्रदान की गई फूलों से सजी शानदार बसों ने और आरामदायक सीटों के साथ सुविधाजनक बनाया, जिसमें रामधुन के मंत्रोच्चार के साथ शांत माहौल आध्यात्मिक बन गया। इस अवसर पर प्रत्येक विधायक को डायरी, पेन और कैलेंडर जैसे स्मृति चिह्नों के साथ जलपान भी उपलब्ध कराया गया। अयोध्या पहुंचने पर लक्जरी बसों पर फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा हुई, (शेष पेज 9)

कांग्रेस आदिवासी विरोधी, केवल चुनाव के दौरान करती है उनका इस्तेमालः मोदी

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश में 7,550 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। एक समय तक गरीबों, किसानों और आदिवासियों की अनदेखी करने को लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं।

मोदी ने कहा कि जब उन्होंने दक्षिण भारत में भगवान राम से जुड़े मंदिरों का दौरा किया तो उन्हें लोगों से जबरदस्त प्यार मिला। अपनी आसन्न हार से सचेत होकर, कांग्रेस और उसके सहयोगी आखिरी रणनीति का सहारा ले रहे हैं, पीएम ने कहा, लूटो और बांटो कांग्रेस का आदर्श वाक्य है। उन्होंने कहा कांग्रेस जब सत्ता में होती है तो लूट में शामिल हो जाती है, जबकि सत्ता से बाहर होने पर वह भाषा, क्षेत्र और जाति के आधार पर (समाज में) विभाजन करती है। कांग्रेस अपने ही पापों में डूब गई है और वह जितना ऊपर आने का प्रयास करेगी, उतना ही नीचे गिरेगी। उन्होंने कहा, 2023 (विधानसभा चुनाव) में इसका सफाया हो गया और आगामी लोकसभा चुनाव में भी इसका सफाया हो जाएगा। मोदी ने कहा, विधानसभा चुनावों में लोगों ने कांग्रेस को आईना दिखाया। लोकसभा चुनावों में भी देश का मूड ऐसा ही है।

प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी को 543 लोकसभा सीटों में से 370 सीटें जीतने के लिए पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा, संसद में विपक्षी नेता भी अब (भाजपा के नेतृत्व वाले) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए अबकी बार 400 पार कह रहे हैं। मोदी ने कहा, उन्हें भरोसा है कि भाजपा का कमल निशान अपने दम पर 370 का आंकड़ा पार कर जाएगा। पीएम ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए झाबुआ नहीं आए हैं, बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में मिले जबरदस्त समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देने के लिए एक सेवक के रूप में आए हैं। भाजपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश, (शेष पेज 9)

झाबुआ में मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

रास चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों की सूची में सुधांशु, आरपीएन भी

नई दिल्ली(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए रविवार को 14 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आर पी एन सिंह और उत्तर प्रदेश से निवर्तमान सांसद सुधांशु त्रिवेदी का नाम शामिल है। राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रमुख तथा उत्तराखंड से निवर्तमान सांसद अनिल बलूनी के स्थान पर नए चेहरों को टिकट दिया गया है। चंद्रशेखर और बलूनी को आगामी लोकसभा चुनाव लड़ाने के संकेत हैं। राज्यसभा प्रत्याशी के नए नामों में कर्नाटक से नारायणस के. भंडगे और छत्तीसगढ़ से देवेंद्र प्रताप सिंह शामिल हैं। ए ऐसे नाम हैं जो उतने परिचित नहीं हैं लेकिन पार्टी के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए उन्हें एक तरह से पुरस्कृत किया गया है। सिंह तत्कालीन गोंड शाही परिवार से हैं और उन्होंने सरोज पांडे की जगह ली है।

बिहार से भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी का नाम पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची में नहीं है। बिहार में राज्यसभा की छह सीट पर चुनाव होने हैं और राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) तथा विपक्ष (महागठबंधन), दोनों के अपनी मौजूदा संख्या बल के आधार पर तीन-तीन सीट जीतने की संभावना है। भाजपा नीत राजग की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) एक सीट पर अपना उम्मीदवार उतार सकता है। राज्य से भाजपा के उम्मीदवार धर्मशिला गुप्ता और भीम सिंह हैं। भाजपा की ओर से जारी इस सूची में किसी भी ऐसे केन्द्रीय मंत्री का नाम नहीं है जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है, जिससे ऐसी संभावना है कि उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। हालांकि, पार्टी ने अभी कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए हैं जिनमें गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीटें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया (गुजरात) और परषोत्तम रूपाला (गुजरात), केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एल मुरुगन(दोनों मध्य प्रदेश) व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे (महाराष्ट्र) का राज्यसभा सदस्य का कार्यकाल पूरा हो रहा है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुर्मी जाति से आने वाले आर पी एन सिंह भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस में थे। वह कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में मंत्री रहे। भाजपा की हरियाणा इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुभाष बराला राज्य (हरियाणा) से पार्टी के उम्मीदवार होंगे जबकि समिक भट्टाचार्य पश्चिम बंगाल से उम्मीदवार होंगे। लंबे समय से पार्टी संगठन में काम कर रहे नए चेहरों पर भरोसा करने के साथ-साथ भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को चुनने में जाति समीकरण का संतुलन बनाए रखा है। पंद्रह राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 27 फरवरी को होने हैं (शेष पेज 9)

पाकिस्तान में खंडित जनादेश के बाद जोड़-तोड़ की सरकार बनाने के प्रयास तेज हुए

भाषा। इस्लामाबाद, लाहौर

पाकिस्तान के आम चुनाव में खंडित जनादेश सामने आने के बाद राजनीतिक दलों ने रविवार को गठबंधन सरकार के गठन के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए। पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 266 सीट पर प्रत्यक्ष मतदान से प्रतिनिधियों का चुनाव कराया गया था। इनमें से 265 सीट पर चुनाव कराया गया था। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने इनमें से 264 सीट के नतीजे घोषित कर दिए हैं। (पेज 11 भी देखें)

वन और वन्यजीवों के रिहायशी क्षेत्र में मनुष्यों का अतिक्रमण लगातार जारी

पायनियर समाचार सेवा। कोच्चि

हाल ही में प्रकाशित एक प्रमुख रिपोर्ट के अनुसार केरल तेजी से जंगली जानवरों के लिए कब्रिस्तान में तब्दील होता जा रहा है। यह बात राज्य के वन विभाग, जंगलों और जंगली जानवरों की रक्षा के लिए स्थापित एक संस्था द्वारा प्रमाणित किया गया। वायनाड जिले के लोग उस जंगली हाथी को मारने की मांग को लेकर खुलकर सामने आ गए हैं जिसने शनिवार को वन उपनगर मननथवाड़ी में एक 47 वर्षीय युवक को मार डाला। स्थानीय लोगों की मांग है कि वन विभाग हाथी को गोली मारकर या ट्रैंकुलाइज कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर हाथी से छुटकारा दिलाए, लेकिन हाल की घटनाओं से साबित होता है कि वन विभाग के पास हाथी को शांत करने के लिए योग्य पशु चिकित्सा विशेषज्ञ नहीं हैं। कुछ हफ्ते पहले, हमने देखा कि वन विभाग के पशुचिकित्सक द्वारा 'थन्नीर कोम्बन' नाम के एक हाथी को शांत करने वाली गोली के कारण मरते हुए देखा। जंगली जानवरों के कल्याण के लिए काम करने वाले त्रिशूर स्थित संगठन, हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स के अध्यक्ष वीके वेंकिटाचलम ने कहा, पचीडर्म के कारण हुई मौत के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए कोई जांच नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर सरकारी पशुचिकित्सक द्वारा बेहोश किए गए थन्नीर कोम्बन की मौत पुराने व चलन से बाहर ट्रैंकुलाइजर के कारण हो सकती है। वेंकिटाचलम ने कहा, ट्रैंकुलाइजिंग पिस्तौल और दवा ने अपना समय पूरा कर लिया है। ऐसा कोई आधिकारिक रजिस्टर नहीं है जो नया ट्रैंक्विलाइज़र मिलने को दर्शाता हो। इसके अलावा हाथियों या अन्य जंगली जानवरों को शांत करने के लिए कोई योग्य पशु चिकित्सक नहीं है।

वेंकिटाचलम के अनुसार, यह एक अजीब संयोग है कि पिछले दो महीनों में ट्रैंक्विलाइज़र शॉट लेने के कुछ ही मिनटों के भीतर एक तेंदुए और जंगली सुअर की मौत हो गई। केरल के वन और वन्य जीव मंत्री एके ससीन्द्रन, जिन्होंने 29 जनवरी को अपना 78 वां जन्मदिन मनाया, घंटों तक संपर्क में रहे और हाथी को जल्द से जल्द शांत करने और मुथंगा हाथी शिविर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। लेकिन मंत्री मिशन के समय के बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं थे। अधिकांश क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के कहने पर दी गई वन भूमि पर रहने वाले अधिकांश मननथवाड़ी के स्थानीय निवासियों ने हाथियों के आवासीय बस्ती में अतिक्रमण के लिए वन विभाग को दोषी ठहराया। लेकिन वेंकिटाचलम ने कहा कि सरकार द्वारा वन माफियाओं के सामने झुककर वन भूमि को अपनी पसंद के व्यक्तियों को देने के कारण जानवरों की बस्ती कम हो गई है। उन्होंने कहा, हाथियों और अन्य जंगली जानवरों के लिए कोई पानी या सब्जियां नहीं हैं जो उन्हें भोजन और पानी की तलाश में मानव बस्तियों में घुसने के लिए मजबूर करती हैं। आप जीवित रहने के लिए जंगली जानवरों को अकेले नहीं छोड़ सकते। सरकार ने सांत्वना के तौर पर मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये और हाथी द्वारा मारे गए व्यक्ति की विधवा को नौकरी देने की घोषणा की है।

गौतमबुद्ध नगर में भाजपा टिकट को लेकर घमासान

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वर्तमान सांसद, आईएएस और कई नेता ठोक रहे ताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लोकसभा के चुनाव नजदीक आते ही जनपद गौतमबुद्ध नगर में बीजेपी की सीट को लेकर घमासान मचनी शुरू हो गई है। गौतमबुद्ध नगर सीट से मौजूद सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के अलावा कई नेताओं ने यहां सीट के लिए दावेदारी की है।

दूसरे दल को छोड़कर आए नेताओं ने यहां राजनीतिक गर्मी ज्यादा बढ़ा दी है। हालांकि कई नेताओं ने जनपद के बाहर लेकिन पश्चिम यूपी की सीटों के दावेदारी की है। जिसकी बानगी पीएम मोदी की रैली में देखने को मिली थी। नोएडा में सीट की दावेदारी भरने वाले भाजपा नेता लोगों के बीच पहुंच रहे है।

अपने कामों और मतदाताओं के पहुंच की लॉग बुक भी शीर्ष नेताओं तक पहुंचाई जा रही है। बताते है कि जितनी पकड़ उनकी है और किसी नेता की नहीं है। बता दे गौतमबुद्ध नगर सीट भाजपा के सुरक्षित और वीआईपी सीट मानी जाती है।

दरअसल, गौतमबुद्ध नगर की लोकसभा सीट पहले खुर्जा के नाम से थी। तब यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। नए परिसीमन के बाद गौतमबुद्ध नगर नाम से ये सीट सामान्य हुई। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा से सुरेंद्र नागर ने भाजपा के मौजूदा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा को हराकर यहां के पहले सांसद बने, 2014 के चुनावों में सुरेंद्र नागर चुनाव नहीं लड़े।

भाजपा के डॉक्टर महेश शर्मा यहां के सांसद चुने गए। 2019 में भी वो रिकार्ड मतों से जीतकर लगातार दूसरी बार सांसद बने। वह अब चौथी बार भी दावेदारी कर रहे है। इसका प्रमाण गृह मंत्री अमित शाह ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके कामों की सराहना करना भी है। त्रिपुरा प्रभारी रहते हुए भाजपा की जीत ने उनके दावेदारी को और प्रबल कर दिया है।

लेकिन इस बार उनकी दावेदारी के बीच कई और नेता भी सामने आ चुके है। ये सभी जनता के बीच पहुंचकर अपनी पकड़ बनाते दिख रहे है। इसमें आईएएस बीएन सिंह भी है। वो नोएडा के डीएम रह चुके है।

यहां से ट्रांसफ र के बाद से लगातार गौतमबुद्ध नगर की जनता के बीच आ रहे है। यहां सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे है और अपने कार्यों को वीडियो और फोटो के जरिए सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से सार्वजनिक कर रहे है। इसी के चलते डॉक्टर महेश शर्मा के पक्ष के कई संगठन भी अब बीएन सिंह के पक्ष में जाते दिख रहे है। बताया गया कि बीएन सिंह का भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ अच्छी पकड़ है। यही वजह है नोएडा महानगर अध्यक्ष इस मामले दो बार आला कमान से शिकायत भी कर चुके है। इसी तरह पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल भी लोगों के बीच पहुंच रहे है।

वहीं जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी इस लाइन में है। धीरेंद्र सिंह जेवर से सिटिंग विधायक है। जेवर एयरपोर्ट से लेकर एक दिन पहले लिफ्ट एक्ट और अन्य कार्य में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उनके अपने क्षेत्र में बेहतर पकड़ के साथ गौतमबुद्ध नगर में उनकी अच्छी पकड़ भी है। उनकी दावेदारी काफी प्रबल मानी जा रही है।

वहीं, नोएडा विधायक पंकज सिंह का नाम भी सामने आ रहा है। इसके अलावा 2009 में सांसद बने सुरेंद्र सिंह नागर वर्तमान में राज्य सभा सांसद है। यदि वे राज्य सभा की सीट छोड़ते है तो भाजपा का शीर्ष खेमा उन पर अपना दाव चल सकता है।

व्यापारी पुत्र वैभव सिंघल का शव बरामद, 30 जनवरी से था लापता

● यमुना नदी में चल रही थी तलाश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शव का नदी से निकालती गोताखोर में शामिल टीम

ग्रेटर नोएडा के किराना व्यापारी अरुज सिंघल के बेटे वैभव का शव पुलिस ने बरामद कर लिया है। कोतवाली प्रभारी समेत कई पुलिस कर्मी पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे है।

बिलासपुर में धरनास्थल के आसपास के थानों से पुलिस बल की तैनाती की गई है। आपको बता दें कि 30 जनवरी से लापता बिलासपुर के व्यापारी अरूण सिंघल के पुत्र वैभव सिंघल का शव सुबह नहर में मिल गया है। आरंभिक जानकारी के अनुसार शव चचूरा गाँव की नहर मे मिला है। स्मरण रहे की पुलिस लगातार पिछले दो दिनों से शव की तलाश कर रही थी। यूपी गंग नहर के बाद ड्रोन और एनडीआरएफ की मदद से मथुरा और आगरा में यमुना नदी में सब की तलाश की जा रही थी। इसके अलावा तीन दिन से पुलिस की पांच टीम बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा की गंग नहर में वैभव के शव की तलाश कर रही थी इसके बाद चचुरा गांव की नहर में वैभव सिंगल का शव पुलिस को मिल गया है शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बिलासपुर में रहने वाला वैभव सिंघल 30 तारीख को लापता हो गया था। परिवार के अनुसार वह शाम को अपने दोस्तों के साथ मिलने गया था।

जिसके बाद को लापता हो गया परिवार जिन्होंने उसके दो मुस्लिम दोस्तों पर शक जताया था। जिन्हें पुलिस ने भारी दबाव के बाद गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद कोई कार्रवाई न होने से नाराज परिवार ने 5 दिन से आंदोलन शुरू किया हुआ था। इस हत्याकांड के विरोध में आसपास के सभी बाजार पूर्णतया बंद थे जिसके बाद पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ रहा था।

गाजियाबाद में डीएसपी का पूर्व पति गिरफ्तार

● पुलिस अधिकारी के नाम पर लोगों से अवैध वसूली करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश पुलिस में डीएसपी श्रेष्ठा ठाकुर के पूर्व पति को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि लोगों से अवैध काम कराने के बदले वसूली शुरू कर दी थी। डीएसपी ने गाजियाबाद पुलिस में एफ आईआर कराई। गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी पूर्व पति रोहित राज को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। श्रेष्ठा ठाकुर फि लहाल जिला शामली में बतौर डीएसपी तैनात हैं। डीएसपी ने एफ आईआर कॉपी में बताया, रोहित राज ने उनके पद का दुरुपयोग करते हुए कुछ लोगों से पैसे वसूलने शुरू कर दिए। इसके बावजूद रोहित राज ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा।

वो गाजियाबाद के कौशांबी एरिया में आकर रहने लगा और फिर से ठगी शुरू कर दी। उसने अपनी पोस्टिंग इनकम टैक्स दिल्ली में बतौर कमिश्नर बताई। इस दौरान उस व्यक्ति ने 2 साल पहले दूसरी शादी भी कर ली। अब वो पूरे समाज में दुष्प्रचारित कर रहा है। इसलिए मुझे मुकदमा दर्ज कराना पड़ा।

9 फ रवरी को उन्होंने पूर्व पति रोहित राज सिंह सहित वकील शरण सिंह और संजीत सिंह के खिलाफ सेक्शन-323, 498ए, 420, 467, 468, 471, 506 और आईटी एक्ट 67सी में गाजियाबाद के थाना कौशांबी में एफ आईआर कराई थी। श्रेष्ठा ठाकुर के अनुसार, उनकी शादी 2018 में रोहित राज सिंह से पटना में हुई थी। रोहित राज से फैमिली का परिचय मेट्रिमोनियल साइट पर हुआ था। इसमें रोहित राज ने खुद को 2008 बैच का आईआरएस अधिकारी डिप्टी कमिश्नर और रांची में पोस्टेड बताया था। शादी के बाद पता चला कि रोहित राज कोई आईआरएस अधिकारी नहीं है।

डीएसपी ने एफआईआर कॉपी में बताया, रोहित राज ने पदनाम का दुरुपयोग करते हुए कुछ लोगों से पैसे वसूलने शुरू कर दिए, जब उन लोगों ने कॉन्टेक्ट किया तो रोहित की सच्चाई सामने आने लगी। डीएसपी के मुताबिक, रोहित राज ने दो बैंकों के कार्ड चोरी कर लिए और बैंक में मोबाइल नंबर व ईमेल आईडी चेंज करा दी। इसके बाद वो तमाम लोगों से इन खातों में पैसे डलवाता रहा।

अलग-अलग स्थानों पर गैस सिलेंडर से लगी आग, 8 झुलसे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

रबूपुरा कस्बे के मोहल्ला शहीद नगर में एक घर में गैस सिलेंडर में रिसाव की वजह से आग लग गई। पूरा घर आग की लपटों से घिर गया। आग में घिरे पूरे परिवार को ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला।

हादसे में दो बच्चे एक महिला व एक पुरुष आग से बुरी तरह झुलस गए। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला शनिवार देर रात का है। रविवार को तहसील प्रशासन की टीम नुकसान का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंची। शनिवार की शाम करीब 9 बजे मूलचंद शर्मा के घर में जैसे ही खाना बनाने के लिए जैसे ही रसोई गैस चूल्हा चालू किया गया, इसी दौरान रेगुलेटर में गैस रिसाव होने के चलते सिलेंडर में आग लग गई। और पास खड़ी बाइक ने आग पकड़ ली। बाइक की टंकी फटने से सारा पेट्रोल घर में फैल गया और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घर में लगी आग को देखकर सैकड़ो की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। पानी डालने से आग और विकराल होती जा रही थी। इसी दौरान चौहान पब्लिक स्कूल से आग बुझाने के सिलेंडर लाकर आग पर काबू पाया। परिवार के सदस्य अंदर ही फंस गए।

ऊपरी मंजिल में फंसे धीरज शर्मा उनकी पत्नी आशा पुत्री रिया व पुत्र विराट आग की लपटों में घिरकर झुलस गए। कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर से घर में आग लगने की सूचना मिली थी आग पर काबू पाकर घर के सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सेक्टर 121 स्थित गढ़ी चौखंडी के एक घर में खाना बनाते समय सिलेंडर फटने से चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फेज 3 कोतवाली पुलिस केस मुताबिक गोरंग सरकार गढ़ी चौखंडी में परिवार सहित किराए के मकान में रहते है। रविवार सुबह खाना बनाते समय सिलेंडर आग लगने के बाद फट गया। घटना की सूचना मिलने पर तत्काल फायर ब्रिगेड और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन फायर ब्रिगेड के आने से पूर्व ही स्थानीय लोगों द्वारा आग को बुझाया जा चुका था। घटना में बंगाल के गौरंग सरकार 39, उनकी पत्नी, एक बेटी और पड़ोसी प्रदीप विश्वास झुलस गए।

संक्षिप्त समाचार

पीडीए जन सम्मलेन में पहुंचे समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी।

पीडीए सम्मलेन में सपा ने भाजपा पर साधा निशाना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में समाजवादी पार्टी ने रविवार को दादरी क्षेत्र के चिटैहरा गांव में पीडीए जन सम्मलेन का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के कोने.कोने से भारी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। सपा के इस जन सम्मलेन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीति और तानाशाही के चलते आज देश एवं प्रदेश बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। भाजपा अपनी राजनैतिक लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधान परिषद सदस्य महेश आर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, पूर्व चेयरमैन गजराज नागर, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव वचन भाटी, मेहंदी हसन, विजेंद्र चौहान, सुदेश भाटी, जुगती सिंह, राहुल आर्यन, संजय भाटी, हुकम सिंह भारती, हरेंद्र लाला, महेश जाटव, बादशाह प्रधान, रिजवान हैदर आत्म प्रकाश जाटव, शोएब खान, मुरारी लाल गौतम आदि मौजूद रहे।

अब राजेश पायलट के लिए मांगा भारत रत्न

गाजियाबाद। चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन के बाद अब राजेश पायलट को भी भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने 10 फरवरी को एक लेटर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा है। इस लेटर में विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा, श्राजेश पायलट विपरीत परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर बने। अदम्य शौर्य.वीरता का परिचय देकर पाकिस्तान को दो टुकड़ों में बांटने में उनका योगदान स्मरणीय है। 1971 की लड़ाई में सेना ने उन्हें सैन्य सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, पूर्वी स्टार, संग्राम पदक से नवाजा। इसके बाद राजेश पायलट राजनीति में आए। भारत सरकार में गृहमंत्री रहते हुए पूर्वोत्तर भारत, जम्मू कश्मीर समेत पंजाब में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान उन पर प्राणघातक हमले भी हुए। एक संदिग्ध दुर्घटना में राजेश पायलट का निधन हो गया। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस केस की गहनता से कभी जांच.पड़ताल तक नहीं की। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि राजेश पायलट से करोड़ों अनुयायियों व किसानों की जनभावना जुड़ी हुई हैं। इसलिए राजेश पायलट को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

मोदीनगर में विवाहिता की मौत

गाजियाबाद। मुरादनगर की नगर की मलिक नगर कॉलोनी में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है। नगर की आदर्श नगर कॉलोनी निवासी यूनूस मलिक की पुत्री शबाना की शादी 20 अगस्त 2018 में मलिक नगर कॉलोनी निवासी कासिम के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही महिला से दहेज लाने की मांग की जाने लगे। परिजनों ने बताया कि शबाना अक्सर मारपीट के वीडियो भेजती रहती थी। डर के कारण महिला ने कोई कार्रवाई नहीं की। सूचना मिली कि महिला शबाना की हालात खराब है। जब परिजन मलिक नगर कॉलोनी पहुंचे तो शबाना मर चुकी थी। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता युनूस मलिक ने इस संबंध में पति सहित कई लोगों के खिलाफ मुरादनगर थाने में तहरीर दी। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में चेन लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़, घायल

● एक बदमाश के लगी गोली, दूसरा अंधेरा का लाभ उठाकर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेंट्रल नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में पुलिस और चेन लुटेरों के बीच में मुठभेड़ हो गई। इस पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया तो वहीं दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

यह लोग बड़े ही शातिर किस्म के लुटेरे हैं एजो आए दिन चेन लूट की वारदातों को अंजाम दिया करते थे। दरसअल शनिवार रात्रि में थाना बिसरख पुलिस द्वारा भगत मार्केट के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान स्कूटी पर सवार दो युवकों को चेकिंग के लिए रोका गया। जिस पर उन्होंने स्कूटी को वापस दौड़ा दिया। पुलिस द्वारा उनका पीछा किया गया तो स्कूटी सवारों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के द्वारा भी जवाबी फायरिंग की गई, जिससे बदमाशों की स्कूटी फिसल कर गिर गई। गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुई बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया।

बदमाश की पहचान सन्नी उर्फसिद्धार्थ निवासी ग्राम नारा नारी थाना सेक्टर 5 सोनीपत हरियाणा हालपता रोहिणी सेक्टर 5 दिल्ली के रूप में हुई। घायल बदमाश को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा, खोखा कारतूस व चोरी की स्कूटी व नकदी बरामद की।

वहीं घायल बदनाश का दूसरा साथी ब्रहमदत्त उर्फकमल निवासी नन्द नगरी थाना नन्द नगरी दिल्ली अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए बिसरख पुलिस द्वारा कॉम्बिंग की जा रही है। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी हिरदेश कठेरिया ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बदमाश मौके से फरार हो गया। यह बदमाश बड़े ही शातिर किस्म के चैन लुटेरे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही इन लोगों के द्वारा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से चैन लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। इन लोगों से बरामद हुई नगदी इस चैन को बेचकर इन्होंने ली थी। वहीं बदमाश के कब्जे से बरामद हुई स्कूटी भी थाना क्षेत्र से ही चोरी की गई थी।

अवैध निर्माण पर चला ग्रेनो प्राधिकरण का बुलडोजर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बादलपुर थाना क्षेत्र के छपरौला स्थित सहारा सिटी में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बुलडोजर चला। सवा लाख वर्ग मीटर से अधिक एरिया पर हुए अवैध निर्माण को तोड़ दिया गया।

प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन में अवैध रूप से कालोनिया काटी जा रही थी। दरअसल, छपरौला का सहारा सिटी एरिया ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। कुछ कॉलोनाइजर इस जमीन पर कॉलोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। वह छोटे.छोटे प्लॉट काटकर लोगों को बेच रहे थे। प्राधिकरण की तरफ से पूर्व में धारा.10 की नोटिस जारी करते हुए इन कॉलोनाइजरों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उनकी तरफसे नोटिस पर कोई अमल नहीं किया गया।

सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण और पुलिस-प्रशासन की डेढ़ सौ सदस्यों की टीम ने मिलकर अतिक्रमण के खिलाफबड़ी कार्रवाई की। ग्रेनो के परियोजना विभाग के महाप्रबंधक व ओएसडी हिमांशु वर्मा और एसीपी हेमंत उपाध्याय के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

हत्या के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

● पचास हजार रुपये के लेने-देने को लेकर था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना निवाड़ी के जंगलों में 8 फरवरी को मिली अधजली लाश का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक हिस्ट्रीशीटर था।

मृतक की हत्या दूसरे हिस्ट्रीशीटर ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर की थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि हिस्ट्रीशीटर बदमाश से 50 हजार रुपए छीन लिए थे और मांगने पर मार पिटाई करता था। इसी को लेकर हिस्ट्रीशीटर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। गाजियाबाद में डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया की थाना निवाड़ी क्षेत्र में 8 फ रवरी को एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ शव मिला था। बाद में मृतक की पहचान विपिन उर्फटोनु के नाम हुई थी। जिसकी पहचान उसके पिता ने की थी। पिता वीरपाल ने तहरीर दी थी कि उनका पुत्र विपिन 6 फ रवरी को अपने दोस्तों के साथ शादी में गया था और उसके बाद वापस नहीं लौटा।

इस मामले के लिए पुलिस ने चार टीम बनाई थी। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके नाम अमित, विनय और अर्जुन है। विनय भी हिस्ट्रीशीटर है और मृतक विपिन भी हिस्ट्रीशीटर था। पूछताछ में सामने आया की कुछ दिन पहले विपिन ने विनय से 50 हजार रुपए छीन लिए थे।

विनय जब भी पैसे मांगता तो विपिन उसके साथ मारपीट करता। 6 फ रवरी को यह लोग एक शादी में गए। उसके बाद एक ट्यूबवेल पर जाकर शराब पीने लगे। वहां तीनों ने मिलकर विपिन की गला घोट कर हत्या कर दी। पहचान ना हो इसके लिए मोटरसाइकिल पर शव रखकर जंगलों में ले गए और मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकाल कर आग लगा दी।

ग्रेनो वेस्ट के लिए मेट्रो की मांग पर प्रदर्शन

नोएडा। मेट्रो की मांग को लेकर रविवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अलग.अलग सोसाइटियों के निवासियों ने जमकर प्रदर्शन किया। निवासियों का जोश काफी बढ़ा हुआ था और भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा एक मूर्ति चौक पर हुआ और जमकर हल्ला बोला।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि प्रदर्शन में शामिल सदस्यों ने पहले तो आपस में विचार किया एवं प्रदर्शन आगे भी जारी रखने के निर्णय को दोहराया क्योंकि पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं घट चुकी है कि डीपीआर को अप्रूव करके भेज तो दिया जाता है, परंतु उसके बाद केंद्र सरकार के द्वारा इसे लटका दिया जाता है।

मेट्रो की मांग को लेकर ग्रेनो वेस्ट की कई सोसाइटियों ने प्रदर्शन किया।

चाकू बरामद करने गई पुलिस की पिस्टल छीनकर भागा बदमाश

गाजियाबाद। मुरादनगर पुलिस और गौकशी की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों के बीच रविवार सुबह तीन बजे के आसपास मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने से एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस ने बदमाश के पास तमंचा व गो तस्करी का सामान बरामद किया है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि गांव सरना के जंगल में गत 22 जनवरी को पशुओं के अवशेष मिले थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सुबह तीन बजे के आसपास बदमाश को छूरा बरामद करने के लिए खेत में ले लेकर गए थे। जब पुलिस खेत में पहुंची तो बदमाश एक दरोगा से पिस्टल छीन ली।

गौतमबुद्धनगर में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण

● मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत बनाई जाएगी सड़कें

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सांसद गौतमबुद्धनगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने सांसद निधि द्वारा किये गये कार्यो का शिलान्यास एवं मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत निर्मित सड़क का लोकार्पण किया।

इस मौके पर नोएडा के विधायक पंकज सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को चोटपुर कालोनी के परशुराम वाली गली में मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत इण्टरलॉकिन्ग मार्ग का लोकार्पण किया जिसकी अनुमानित लागत 85.35 लाख एवं अनुमानित लंबाई 620 मीटर का निर्माण कार्य जनता को समर्पित किया।

नए विकास कार्यों का शिलान्यास करते नोएडा के सांसद महेश शर्मा व साथ में विधायक पंकज सिंह।

उसके उपरान्त लगभग 18 नए इंटरलॉकिन्ग व नाली के निर्माण कार्यो को सांसद निधि योजना के माध्यम से शुभ आरंभ कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। जिसमें तिगडी कालोनी, छिजारसी कालोनी, चोटपुर कालोनी, युसूफपुर चकशाहबेरी, खाटू श्याम वाली गली, 25 फुटा रोड, सलारपुर शिवनगर कालोनी इत्यादि गलियों का शिलान्यास कर, जिनकी अनुमानित लागत 01 करोड़ 3 लाख व अनुमानित लंबाई 1,5 किलोमीटर तक रही, जो जनता के बीच समर्पित किया। उसके उपरान्त सुपरटेक ईको विलेज-2, ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, सांसद प्रतिनिधि संदीप शर्मा, दीपक यादव विधायक प्रतिनिधि, रोहित ठाकुर, प्रमोद बहल, मण्डल अध्यक्ष निर्मल सिंह, डिम्पल आनंद, चंदगीराम यादव, मनोज उपाध्याय, बब्लू यादव, राकेश शर्मा, धीरेन्द्र शर्मा, रंजन, राजेष मास्टर, रवि यादव, ओमवीर अवाना, मुकेश चैहान मण्डल अध्यक्ष, लोकेष त्यागी, जैनेन्द्र चैरसिया, जितेन्द्र शर्मा, संगीता तिवारी, सुमित बैसोया, कमल जैन, दुष्यंत, गौरव पटेल संदीप गुर्जर, पंकज गुप्ता, निषांत शेखर, संदीप गुप्ता, निषु चैहान, संतोष झा, ममता तिवारी, आदि काफी संख्या में वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 12 फरवरी, 2024

दिल्ली में सभी सीटों पर आप लड़ेगी अकेले चुनाव

केजरीवाल का दावाः इस बार सातों लोकसभा सीटें आम आदमी पार्टी की झोली में आएंगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों कुछ महीने बाद होने हैं। जिसको देखते हुए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरु कर दिया है। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को चुनौती देने के मकसद से बनी इंडिया गठबंधन लगातार कमजोर होती दिख रही है। विपक्षी गठबंधन में एक महत्वपूर्ण सदस्य दल के रूप में शामिल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बड़ा संकेत दिया है।

पंजाब के तरन तारन में रविवार को एक कार्यक्रम उन्होंने दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ऐलान कर चुके हैं कि आम आदमी पार्टी पंजाब की सभी 13 और चंडीगढ़ एक लोकसभा सीटों पर बिना किसी गठबंधन के अकेले पर चुनाव लड़ेगी। केजरीवाल का बयान उस समय आया है जब कांग्रेस और आप के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत का सिलसिला जारी है। सूत्रों के मुताबिक, आप सीट शेयरिंग को लेकर देरी होने से कांग्रेस से नाराज चल रही है. सीट शेयरिंग पर चर्चा के लिए पहले आप और कांग्रेस में दो बार बैठक हो चुकी है।

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा नाम लिए बगैर कहा कि ये लोग पंजाब में हमारे काम इसलिए रोक रहे हैं, क्योंकि इनको डर है कि आम आदमी पार्टी इतने काम कर दिए तो इनको कोई नहीं हिला पाएगा। पंजाब की तरह दिल्ली में भी ये हमारे काम रोक रहे हैं। वह जो भी काम करने की कोशिश करते हैं उसे नहीं करने देते हैं। दिल्ली में 7 लोकसभा सीटें हैं।

दिल्ली वालों ने ठान लिया है कि इस बार सातों लोकसभा सीटें आम आदमी पार्टी को देंगे। अगर पंजाब की जनता ने यहां की सभी 13 लोकसभा सीटें आम आदमी पार्टी को दे दी, तो आम आदमी पार्टी के हाथ मजबूत होंगे। इसके बाद केंद्र सरकार और राज्यपाल की हिम्मत नहीं होगी कि वो पंजाब के हक का पैसे रोक सके। साथ ही हम पंजाब के अंदर बचे काम पांच गुना रफ्तार से बचे काम होंगे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने गोइंदवाल थर्मल पावर प्लांट का उद्घाटन किया। अब यह गुरु अमरदास जी महाराज के नाम से जाना जाएगा।

करीब 5.50 हजार करोड़ कीमत का यह प्राइवेट थर्मल प्लांट था, जिसे पंजाब सरकार ने मात्र 1100 करोड़ में खरीद कर जनता के करीब 4400 हजार करोड़ बचा लिया और अब लोगों को सस्ती बिजली मिल सकेगी।

अरविंद और भगवंत आज जाएंगे अयोध्या

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान सोमवार को अयोध्या जाएंगे और राम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। केजरीवाल को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन उन्होंने कहा था कि वह बाद में अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ दर्शन करने जाएंगे। सूत्रों ने बताया, केजरीवाल और मान कल अयोध्या जा रहे हैं। उनके साथ उनका परिवार भी होगा।

केजरीवाल ने कांग्रेस को तैयारी लायक भी नही छोड़ा : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र ने कहा है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के बाद दिल्ली में भी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कर कांग्रेस को धोखा देने के साथ ही उसे दिल्ली में अकेले लड़ने लायक भी नहीं छोड़ा। ऐसा करते हुए केजरीवाल का राजधानी दिल्ली में सातों सीटे जीतने का दावा तो शायद मुंगेरीलाल को भी विस्मित कर दे, कल तक केजरीवाल कांग्रेस से गठबंधन कर भी एक या दो सीट जीतने की बात करते थे वह अब अकेले जीतने का दावा कर खुद का मजाक उड़वा रहे हैं। सचदेवा ने कहा है कि भाजपा ने वर्ष 2013 से आज तक लगातार कहा है कि केजरीवाल विश्वसनीय व्यक्ति नहीं। जिस तरह उन्होंने राजनीतिक साथियों को इस्तेमाल कर उनसे किनारा किया है उसके चलते यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि एक पुरानी कहावत ऐसा कोई सगा नहीं जिसे इसने ठगा नहीं उन पर चरितार्थ होती है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि अब तक केजरीवाल ने साथ चले किरण बेदी, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास, कपिल मिश्रा शाजिया इल्मी जैसे लोगों को राजनीतिक रूप से ठगते थे पर अब वह इंडिया गठबंधन के नाम पर कांग्रेस जैसे दूसरे दलों को भी ठग रहे हैं।

सचदेवा ने कहा है कि केजरीवाल देश भर में घूम-घूम कर लोगों से अपने शिक्षा एवं स्वास्थ्य मॉडल के साथ ही मुफ्त बिजली की कहानियाँ सुना कर भ्रमित करने की कोशिश करते हैं पर अब देश की जनता उनकी योजनाओं की विफलता को भली भांति जान चुकी है और अब गुमराह नहीं होने वाली है।

घर-घर राशन चाहते हैं तो आप को वोट देंः आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की तरह दिल्ली में भी घर-घर राशन योजना लागू करने के लिए दिल्ली वालों से लोकसभा चुनाव में उनका समर्थन मांगा है। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि अगर दिल्लीवासी भी चाहते हैं कि पंजाब की तरह यहां भी घर-घर राशन योजना लाई जाए तो लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट दें। ताकि वह दिल्ली की आवाज संसद तक पहुंचा सकें और यह लड़ाई लड़ सकें। आप की सरकार पहले राजधानी में यह योजना लाना चाहती थी, लेकिन केंद्र ने एलजी के जरिए इसे लागू नहीं करने दिया। अब यही योजना शनिवार को केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने पंजाब के अंदर शुरू कर दिया है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली समेत पूरे देश में हर तबके के लोगों को राशन देने के लिए सरकार पूरी व्यवस्था बनाती है। हर गरीब के पास राशन कार्ड होता है। उस राशन कार्ड के जरिए गेहूं, चावल और चीनी मिलती है। दिल्ली सरकार गरीबों को राशन इसलिए देती है, क्योंकि सरकारों का मानना है कि खाने पर सबका अधिकार है, लेकिन हर राशन कार्ड धारक यह भी जानता है कि 4 किलो चावल, 1 किलो आटा और 1 किलो चीनी लेने में उनको कितनी दिक्कतें आती हैं।

बच्चों में किताबों और युवाओं में विंटेज कारों का क्रेज

सभी फोटो: रंजन डिमरी

प्रगति मैदान सुरंग यात्रियों के लिए खतरनाक : लवली

- बोले- परियोजना में कोई डिजाइन दोष था, तो निर्माण कार्य शुरू होने से पहले पता क्यों नहीं लगाया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रगति मैदान सुरंग का 18 महीने पहले उद्घाटन हुआ था. लेकिन अब इसके डिजाइन समेत कई तकनीकी खामियां सामने आई हैं। सुरंग में पानी के रिसाव हो रहा है और टनल के फाउंडेशन में दरारें देखी गई हैं। इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि 777 करोड़ रुपये की लागत से बनी प्रगति मैदान सुरंग जिसका उदघाटन प्रधान मंत्री ने बहुत धूमधाम से किया था।

उदघाटन के एक साल बाद ही अब शर्म का स्मारक बन गई है । प्रगति मैदान सुरंग को अब यात्रियों के लिए संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा है। अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि प्रगति मैदान टनल और अंडरपास भाजपा शासन के तहत भ्रष्टाचार के अमृतकल का सबसे बड़ा उदाहरण है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण डिजाइन और निर्माण से छह लेन की सुरंग में पानी के रिसाव, सीमेंट और कंक्रीट में बड़ी दरारें और खराब जल निकासी की समस्याए सामने आ रही है जिस कारण इसे यात्रियों के लिए अनुपयोगी और खतरनाक बना दिया है।

उन्होंने कहा कि अगर एक प्रतिष्ठित और केंद्रीय-वित्त पोषित परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र सरकार की नाक के नीचे इतनी लापरवाही से अंजाम दिया जा सकता है, तो देश में कहीं और ऐसी परियोजनाओं का क्या होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती ।

लवली ने कहा कि प्रगति मैदान सुरंग के निर्माण के लिए करदाताओं के सैकड़ों करोड़ रुपये बर्बाद करने के बाद, लोक निर्माण विभाग, जिसे इस परियोजना को निष्पादित करने का काम दिया गया था, ने बदले में एलएंडटी को इस काम के लिए नियुक्त किया और अब आरोप-प्रत्यारोप में लगे हुए है जबकि यात्रियों को परेशानी हो रही थी।

नाबालिग को चाकू मारने के मामले में पांच किशोर पकड़े

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पटेल नगर में 17-वर्षीय एक लड़के को चाकू मारने के आरोप में पांच किशोरों को पकड़ा गया है।

पुलिस ने कहा कि घटना शुक्रवार रात उस वक्त हुई, जब लड़का ट्यूशन सेंटर से घर लौट रहा था और रात करीब नौ बजकर 45 मिनट पर पुलिस नियंत्रण कक्ष को इसके बारे में जानकारी दी गई। अधिकारी ने कहा कि एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई और लड़के को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा, लड़के ने पुलिस को बताया कि जब वह घर लौट रहा था तो सात-आठ लड़कों ने उसकी पिटाई करते हुए चाकू मार दिया। हमारी टीम ने पांच किशोरों को पकड़ लिया है।

अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उनलोगों का उस लड़के से झगड़ा हुआ था।

अधिकारी ने कहा, हमने वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है। मामला पटेल नगर थाने में दर्ज किया गया है।

डिवाइडर से टकराया स्कूटर, दो किशोरों की मौत

- एक की हालत में गंभीर, अस्पताल में चल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में कबूतर मार्केट के पास एक स्कूटर सड़क के डिवाइडर से टकरा गया, जिसके कारण उस पर सवार दो किशोरों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उन्हें शनिवार की दरमियानी रात को 1.55 बजे दुर्घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस की एक टीम को मौके पर भेजा गया और वहां पहुंचने पर निचले सुभाष मार्ग पर कबूतर मार्केट के पास एक स्कूटर मिला। टीम को पता चला कि इस दुर्घटना में तीन किशोर घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि उन्हें अस्पताल से जानकारी मिली कि दो किशोरों को वहां पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक अन्य को गंभीर चोटें आईं हैं। पुलिस ने कहा कि घायल किशोर की हालत गंभीर बनी हुई है और पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, स्थानीय स्तर पर पूछताछ में पता चला कि जो स्कूटर डिवाइडर से टकराया, वह तेज रफ्तार में लापरवाही से चलाया जा रहा था। जब हमने स्कूटर की पंजीकरण संख्या की जांच की तो पता चला कि स्कूटर पिछले साल अगस्त में लक्ष्मी नगर इलाके से चोरी हो गया था।

दुर्घटना में युवक घायल

नई दिल्ली। छावला इलाके में रविवार की सुबह गुरुग्राम निवासी 22 वर्षीय एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जब उसकी कार एक एसयूवी से टकरा गई। युवक की पहचान गंगा राम सिंह के रूप में हुई । पुलिस को सुबह करीब साढ़े नौ बजे घटना के बारे में सूचित किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि एक सैंट्रो और स्कॉर्पियो तेज गति के कारण आपस में टकरा गई। सैंट्रो कार चला रहे गंगा राम सिंह घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

रेव पार्टी में ड्रग्स सप्लाई करने वाले तीन विदेशी गिरफ्तार

- आरोपियों के पास से 64 ग्राम उच्च क्वालिटी की कोकीन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ड्रग्स तस्करी के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली और एनसीआर में फार्म हाउसों, होटलों और अन्य जगहों पर होने वाली रेव पार्टियों में ड्रग्स की आपूर्ति करते थे।

इनकी निशानदेही पर 64 ग्राम बढ़िया क्वालिटी की कोकीन और एक्स्टसी की 20 गोलियां बरामद की गई है। पुलिस ने इनके पास से ड्रग्स तस्करी में इस्तेमाल एक स्कूटी भी बरामद कर ली है। डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान डेविड नारह (घाना), इमैनुअल ओवसु नसियाह और चिमोबी डेविड ओकपारा के रूप में हुई है। स्पेशल सेल की ट्रांस-यमुना रेंज को ट्रांस-यमुना क्षेत्र में पार्टी ड्रग्स आपूर्ति करने वाले तस्करों की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। टीम को पार्टी ड्रग्स की आपूर्ति में शामिल घाना निवासी दो तस्कर डेविड नारह व इमैनुअल ओवसु नसियाह की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने एसएफएस फ्लैट्स रोड, मयूर विहार फेज-तीन से दोनों को पकड़ लिया। दोनों एक स्कूटी पर सवार थे। डेविड नारह ि2023 में पैसा कमाने के लिए भारत आया था। जिस एजेंट ने उसे दिल्ली स्थित एजेंट के पास भेजा था वह उसे दिल्ली में नहीं मिला।

कुछ समय बाद उसकी मुलाकात नाइजीरियाई नागरिक चिमोबी डेविड ओकपारा से हुई। चिमोबी डेविड ओकपारा ने उसे दिल्ली और आसपास के इलाकों में नशीले पदार्थों की डिलीवरी में शामिल कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

यूनानी चिकित्सा की सेवा के लिए सैयल अहमद खान को मिला अवॉर्ड

यूनानी चिकित्सा की सेवा के लिए डॉ. सैयद सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली के ग़ालिब इंस्टीट्यूट में डॉ. सैयद अहमद खान को हकीम अब्दुल हमीद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शकील अहमद ने डॉ. सैयद अहमद खान को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई और कहा कि तिब्बी बिरादरी विशेष रूप से डॉ. सैयद अहमद खान की सेवाओं की सराहना करती है।

दीनदयाल उपाध्याय को याद कर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दीनदयाल उपाध्याय पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की उपलब्धियों एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया। तरुण चुग ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने अल्प जीवन काल में देश की उन्नति में जो अपना योगदान दिया वह हमेशा याद रखा जाएगा। पंडित उपाध्याय ने उस वक्त जो सपने देखे थे उन सपनों को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। पंडित दीनदयाल ने साम्यवाद और पूंजीवाद के बीच मानववाद के लिए काम किया।

एमसीडी बजट में गांवों उपेक्षाः थान सिंह

नई दिल्ली। एमसीडी के बजट में गांवों की अपेक्षा होने पर दिल्ली पंचायत संघ ने सभी राजनीतिक दलों का ध्यान आकर्षित किया है। पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने खुलासा किया कि घोषणा करने के बावजूद गांवों को हाऊस टैक्स मुक्त नहीं किया। उल्टा ग्रामीणों को हाउस टैक्स में मिलने वाली छूट कम कर दी है। इसके अलावा गांवों में किए जाने वाले विकास कार्यों से संबंधित मदों में राशि की कटौती कर दी। जबकि इन मदों के तहत गांवों में वर्षों से विकास कार्य किए जा रहे हैं। लिहाजा गांवों के साथ कुठाराघात किया गया है। वह ग्रामीणों को उनका हक दिलवाने के लिए आंदोलन शुरू करेंगे।

विंटर फेस्टिवल : दादा के साथ पोती भी करेगी रैंप वॉक

दिल्ली देहात की संस्कृति और आधुनिक फैशन का अद्भुत संगम है उत्सव : भारद्वाज

- मशहूर गायिका शिल्पा राव, रागनी गायक रमेश कलावड़िया, हास्य कलाकार प्रताप फौजदार ने अपनी कला का किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहपुर जट में आयोजत कार्यक्रम में उपस्थित कलाकार।

शाहपुर जाट गांव में तीन दिवसीय विंटर फेस्टिवल में दादाजी के साथ सोमवार को पोती रैंप वॉक करेंगी। इस फैशन शो में एक तरफ युवा पीढ़ी आधुनिक वस्त्रों के साथ रैंप पर वॉक करेंगे, तो वहीं दूसरी तरफ गांव के बड़े बुजुर्ग अपनी परंपरागत पोशाक धोती कुर्ता और सर पर पगड़ी पहने हुए उन युवाओं के साथ रैंप पर वॉक करते हुए नजर आएंगे।

यह महोत्सव दिल्ली देहात की संस्कृति और आधुनिक दुनिया के फैशन का अद्भुत संगम है, जहां एक और आज भी गांव के लोग अपनी छोटी-मोटी समस्याओं का निवारण पंचायत के माध्यम से फैसले लेकर करते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने घरों में आयोजित शादी समारोह तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए शाहपुर जाट गांव में स्थित बड़े-बड़े शोरूम से आधुनिक वस्त्रों की शॉपिंग करते हैं तथा घरों के साज सज्जा के आधुनिक समान शाहपुर जाट गांव के बाजारों से खरीदते हैं। यह अद्भुत समन्वय शाहपुर जाट गांव में देखा जा सकता है। पर्यटन मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कराकर दिल्ली में ट्रेड, रोजगार और आधुनिकता को बढ़ाया जाए और इसी के साथ-साथ देहात की पुरानी संस्कृति को भी संजोए रखना उनकी सरकार की कोशिश है।

यही कारण है कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में आधुनिक फैशन कार्यक्रम के साथ-साथ पारंपरिक रागिनी के कार्यक्रम का भी आयोजन रखा गया है।

सोमवार को एक फैशन शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक तरफ 70 साल के दादाजी अपनी परंपरागत पोशाक पहने हुए नजर आएंगे, वहीं उनकी 20 वर्षीय पोती सुंदर लहंगे पहनकर अपने दादा के साथ रैंप पर वॉक करती नजर आएंगी। मंत्री ने कहा कि सीएम केजरीवाल का मानना है कि आधुनिकता और संस्कृति दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और दोनों साथ-साथ चल सकते हैं। जब तक हम पुराने गांव को बढ़ावा नहीं देंगे, तब तक दिल्ली विकास नहीं कर सकती। भारद्वाज ने कहा कि शाहपुर जाट गांव नाम सुनकर ही प्रतीत होता है, कि यह गांव जाट भाइयों का गांव है तो जाट समाज की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम के पहले दिन हरियाणा के मशहूर रागनी गायक रमेश कलवाड़िया द्वारा रागिनी संगीत का आयोजन किया गया।

रागिनी संगीत का आनंद लेने के लिए गांव के सभी बड़े बुजुर्ग, महिलाएं और युवा पीढ़ी कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल हुए। सभी लोगों ने रागिनी का खूब आनंद लिया। इसके अलावा मशहूर शोज बैंड के संगीत पर युवा, बच्चे थिरकने लगे। वहीं रविवार को हास्य कवि प्रताप फौजदार के लोटपोट कर देने वाले चुटकुलों का लोगों ने आनंद लिया। इसके अलावा बंगाली गायक सुबीर, बॉलीवुड की गायिका शिल्पा राव के संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया।

जैन समाज में बच्चों, बड़ों, महिलाओं को दिया सीपीआर प्रक्रिया का ज्ञान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक आपातकालीन प्रक्रिया है, जिसमें छाती को अक्सर कृत्रिम वेंटिलेशन देकर, मुंह से मुंह तक मैन्युअल रूप से मस्तिष्क को संरक्षित किया जाता है।

सीपीआर प्रक्रिया व्यक्ति को उस समय दी जा सकती है, जब उसका ब्रेन और सांसें थम गई हों। ऐसी अवस्था में व्यक्ति को सीपीआर के माध्यम से जीवनदान मिल सकता है। यह अहम जानकारी दी गई यहां जैन बारादरी जैकमपुरा में जैन परिवारों के सदस्यों को। जैन समाज ने रेड क्रास सचिव विकास कुमार का आभार जताया, जिन्होंने कम समय में यह कार्यशाला आयोजित कराई। जैन बारादरी जैकमपुरा में चक्रवर्ती सेना द्वारा जिला रेड क्रास सोसायटी गुरुग्राम के सहयोग से यह फर्स्ट एड एवं सीपीआर जागरुकता वर्कशाप आयोजित की गई। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के पूर्व निदेशक डा. एनके जैन ने कहा कि हमारा लाइफ स्टाइल बदल गया है। खान-पान बदल गया है। कार्डिक अरेस्ट तुरंत आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीपीआर तकनीक ऐसी आपातकाल प्रक्रिया है, जिससे व्यक्ति का जीवन 67 प्रतिशत तक बचाया जा सकता है।

दोबारा से जीवन दे सकती है सीपीआर तकनीक : डॉ. एनके जैन

गुरुग्राम स्थित जैन बारादरी में सीपीआर प्रणाली की जानकारी देते रेडक्रॉस सोसायटी के सीपीआर विशेषज्ञ विक्रम भटनागर।

जैन समाज के प्रवक्ता अभय जैन एडवोकेट ने बताया कि जैन समाज धर्म के साथ समाज को ऐसा ज्ञान भी देना चाहता है, जो उनके जीवन में लाभकारी हो। इस अवसर पर चक्रवर्ती सेना के प्रधान पवन जैन, महामंत्री राजीव जैन, देव जैन, राकेश जैन, राजू जैन, संजय जैन, मनु जैन ने हर किसी को इस प्रक्रिया के बारे में सीखने का आग्रह किया।

रेडक्रॉस की ओर से पहुंचे सीपीआर विशेषज्ञ रमेश ने आपातकालीन समय में बिना संसाधनों के व्यक्ति की सहायता के लिए कई अहम जानकारियां दीं। सीपीआर विशेषज्ञ विक्रम भटनागर ने बारीकी से सीपीआर का ज्ञान भी दिया और प्रेक्टिकल करके भी दिखाया। एक डमी पर उन्होंने सीपीआर की प्रक्रिया करके दिखाई। उन्होंने कहा कि हमें सीपीआर देने के लिए बहुत ही सावधानी भी बरतनी चाहिए। हार्ट और फेफड़े अगर काम नहीं कर रहे हैं तो सीपीआर दी जा सकती है। अगर दोनों सही हैं तो सीपीआर ना दें। उन्होंने बताया कि एक दिन से एक साल के बच्चे, एक साल से 12 साल के किशोर और 12 साल से अधिक की उम्र के लिए सीपीआर की प्रक्रिया थोड़ी भिन्न होती है। इसलिए इसकी जानकारी होना जरूरी है। सीपीआर हमेशा व्यक्ति को जमीन पर ही लिटाकर देनी चाहिए। रमेश भटनागर ने बताया कि सीपीआर में बच्चे की छाती को दो उंगलियों से दबाना चाहिए। किशोर की छाती को एक हाथ से और बड़ी उम्र के लोगों की छाती को दोनों हाथों से दबाना चाहिए। साथ ही मुंह से उन्हें कृत्रिम सांस देनी चाहिए। सीपीआर करने वाले व्यक्ति हमेशा घुटनों के बल ही बैठें, तभी वह सही काम कर पाएंगे।

गुरुग्राम में एचसीएस एवं एलाइड सर्विसेज की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

गुरुग्राम में एचसीएस व एलाइड सर्विसेज की परीक्षा के दौरान जांच करते एडीसी हितेश कुमार मीणा।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दो सत्रों में आयोजित की गई परीक्षा

रविवार को एचसीएस एवं एलाइड सर्विसेज की परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। इस दौरान नकल का कोई मामला सामने नहीं आया। जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी एडीसी हितेश कुमार मीणा ने स्वयं परीक्षा केंद्रों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। सभी केंद्रों के आसपास पुलिस सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त रहा।

हरियाणा लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में जिला में एचसीएस एवं एलाइड सर्विसेज की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान बाहरी तत्वों के प्रवेश सहित नकल व अनुचित संसाधनों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की ओर से कड़े प्रबंध किए हुए थे। परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड देखकर व उनकी तलाशी लेने के बाद ही उन्हें सैंटर में अंदर प्रवेश करने दिया गया। सभी उपस्थित उम्मीदवारों की बायोमीट्रिक हाजिरी लगवाई गई। महिला व पुरुष उम्मीदवारों के मोबाइल फोन, पर्स, गजेट्स, गहने, बेल्ट, पेन आदि सामान को बाहर रखवाया गया। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने गुरुग्राम के अनेक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बायोमीट्रिक हाजिरी, सैंटर के अंदर का सीटिंग प्लान, प्रश्नपत्र वितरण, जैमर, सीसीटीवी कैमरों आदि की जांच की। एचसीएस की परीक्षा के लिए 56 शैक्षणिक भवनों में 69 सेंटर बनाए गए थे। इनमें 18 हजार 456 उम्मीदवारों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। सुबह दस से बारह बजे तक हुई जनरल स्टडीज के पेपर में 7789 तथा शाम को तीन से पांच बजे तक सीसैट के पेपर में 7069 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र व उत्तरपुस्तिकाओं को सैंटर तक पहुंचाने एवं आंसर शीट वापस ट्रेजरी में जमा करवाने के लिए 35 पेपर डिस्ट्रीब्यूटर अधिकारियों की पुलिस सुरक्षा के साथ ड्यूटी लगाई गई थी। जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्रों के अंदर और बाहर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 13 ड्यूटी मैजिस्ट्रेट लगाए गए थे। सैंटरों के आसपास दो सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लागू रही व फोटोस्टेट की दुकानों को बंद रखा गया। इस दौरान पुलिस अधिकारी व कर्मचारी परीक्षा केंद्रों के समीप तैनात रहे।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा लोक सेवा आयोग के नियमानुसार पेपर बांटने से लेकर उम्मीदवारों के सेंटर में प्रवेश व उत्तरपुस्तिकाएं सीलबंद बक्सों में जमा करवाए जाने आदि सभी कार्यों को समय पर पूरा किया गया। इस दौरान किसी परीक्षार्थी को नकल करते हुए नहीं पाया गया। नकल रोकने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त इंतजाम किए हुए थे।

गुरुग्राम के 35 सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मिलेगी स्मार्ट शिक्षा

संपर्क फाउंडेशन ने की निपुण हरियाणा मिशन में डिजिटल पहल

स्कूलों को वितरित किए गए 42 इंच एलईडी व संपर्क एस बॉक्स

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के ग्रामीण अंचल के स्कूल में संपर्क फाउंडेशन की ओर से एलईडी व बॉक्स वितरित करती जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज दहिया।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक सरकारी विद्यालयों में बच्चों को स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से शिक्षा देने के लिए व निपुण हरियाणा मिशन को मजबूत करने के लिए सम्पर्क फाउंडेशन ने एक अनोखी पहल की है।

गुरुग्राम एवं पटौदी ब्लॉक के 35 प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट एलईडी टीवी व संपर्क एस बॉक्स दिए गए हैं, जिससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल सकेगी। मुख्य अतिथि के रूप में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज दहिया ने शिरकत की।

जिले के 35 प्राथमिक सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम बनाए गए हैं। इस कार्य में हरियाणा शिक्षा विभाग व संपर्क फाउंडेशन द्वारा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज कुमारी के अध्यक्षता में 35 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट एलईडी टीवी तथा संपर्क टीवी दिया गया है। जिसके माध्यम से कक्षा कक्ष को स्मार्ट बनाया जायेगा। बच्चे टीवी के जरिए भी पढ़ाई कर सकेंगे। गत वर्ष जनवरी 2022 में भी संपर्क फाउंडेशन ने गुरुग्राम जिले के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में यानी 366 विद्यालयों में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत संपर्क एस बॉक्स दिए गए थे। ये बॉक्स विद्यालय के डिजिटल बोर्ड व पुराने एजुसेट टीवी से जुड़कर कक्षा कक्ष को स्मार्ट क्लासरूम में बदल देता है।

संपर्क फाउंडेशन के जनरल मैनेजर सुजय विश्वास ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया। कार्यक्रम के संचालक रहे अंकित पाठक ने बताया कि संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक विनीत नायर के शिक्षा के प्रति सिद्धांतों एवं लक्ष्यों एवं कैसे संपर्क फाउंडेशन नवाचारों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला चुका है। अंकित पाठक ने संपर्क एस बॉक्स की खासियत के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें कक्षा बाल वाटिका से लेकर कक्षा 5 तक सभी विषयों का पाठ्यक्रम कंटेंट है। जोकि शिक्षक अपनी कक्षा कक्ष में बच्चों को पढ़ाते हैं।

इसमें सारे वीडियो कार्टून फॉर्म में दिए गए हैं। सभी पाठ के वीडियो एवं ऑडियो इसमें पहले से ही फीड है। राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित जिला समन्वयक मनोज कुमार लाकड़ा ने संपर्क टीवी के बेहतरीन उपयोग के तरीके व उसमें पाए जाने वाले रिसोर्स के बारे में अध्यापकों को अवगत कराया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज कुमारी ने कहा कि संपर्क टीवी व एस बॉक्स शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति लेकर आया है। शिक्षकों को पढ़ाना और आसान हो गया है। संपर्क फाउंडेशन द्वारा दिए जा रहे इस स्मार्ट एलईडी का प्रयोग सभी अध्यापक करेंगे व बच्चों को स्मार्ट रूप से पढ़ाएंगे।

ओपीएस बहाली की मांग पर जींद में गुरुग्राम के कर्मचारी गरजे

ओपीएस बहाली की मांग को लेकर जींद में संकल्प महारैली में पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी।

गुरुग्राम। ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) की बहाली की मांग को लेकर संकल्प महारैली रविवार को हरियाणा की राजनीति के गढ़ जींद में हुई। प्रदेशभर के कर्मचारियों की रैली में गुरुग्राम के विभिन्न विभागों से कर्मचारियों ने शिरकत की। कर्मचारियों के जींद पहुंचकर जुलूस निकालते हुए रैली में पहुंचे। जींद के एकलव्य स्टेडियम में कर्मचारियों ने लाखों की संख्या में एकजुट होकर अपनी ताकत दिखाई। राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने भी रैली में पहुंचकर कर्मचारियों की इस मांग का समर्थन किया।

कर्मचारियों ने कहा कि पड़ोसी राज्यों में जब कर्मचारियों को पेंशन दी जा रही है तो फिर हरियाणा के कर्मचारियों के साथ भेदभाव क्यों हो रहा है। एक पेंशन ही किसी भी कर्मचारी की रिटायरमेंट के बाद उसका सहारा होती है।

कर्मचारियों को पेंशन के हक से वंचित रखा जा रहा है। अलग-अलग जिलों से पहुंचे कर्मचारी इस रैली में एकजुट नजर आए। कोई एक-दूसरे को जानता भी न था, फिर भी एक होकर सभी ने अपनी मांगों को लेकर सिंह गर्जना की। खास बात यह रही कि इस रैली में महिलाओं की अच्छी-खासी संख्या थी। सर्दी के बीच सुबह ही अपने घरों से महिलाएं पूरे जोश के साथ इस रैली में पहुंची। चारों तरफ नारी शक्ति का जलवा था। सिर पर पुरानी पेंशन लिखी टोपियां और मुट्ठियां बंद करके अपनी मांगों के लिए महिला कर्मचारी बदस्तूर नारेबाजी करती रहीं।

नप सौर ऊर्जा लाइटों को लगाने के लिए छोड़ेगी अलग से ठेका

पायनियर समाचार सेवा। सोहना।

नगर परिषद जल्द ही सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटों को लगाने की कवायद शुरु करेगी। सौर ऊर्जा वाली लाइटों को लगाने के लिए ठेका छोड़ने की प्रक्रिया शुरु कर दी है।

नगर परिषद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र को रात के समय में जगमग करने के लिए भरसक प्रयास तेज कर दिए है। नगर परिषद के सभी 13 गांव व 50 हजार की आबादी वाले शहर में स्थापित करीब 40 कॉलोनियों की प्रत्येक सड़क, रास्ता, चौक-चौराहे और गलियों को लाइटों से जगमग किया जाएगा। सामान्य व तिरंगा लाइट के बाद नगर परिषद प्रशासन ने अब सौर ऊर्जा लाइटें लगाने की प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाना शुरु कर दिया है। जिससे परिषद को बिजली बचत के साथ-साथ आर्थिक बजट भी कम होगा।

1600 सौर ऊर्जा लगेंगी : नगर परिषद ने पहले चरण में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सौर ऊर्जा लाइटें लगाने की योजना बनाई है। जहां-जहां सामान्य स्ट्रीट लाइटें खराब होंगी। वहा-वहा पर अब सौर ऊर्जा लगाई जाएगी। परिषद द्वारा 1600 सौर ऊर्जा खरीद कर ली है। सौर ऊर्जा लाइट की सामान्य लाइटों से रोशनी अधिक होती है। दूसरा इन पर बरसात, आंधी या बिजली आपूर्ति कट का भी स्ट्रीट लाइट पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सोहना नगर परिषद का कार्यालय।

> सौर ऊर्जा वाली लाइटें पोल पर पैनल के साथ लगती है। इसलिए इन्हें लगाने के लिए ठेका छोड़ना होगा। ताकि सही से पैन को इंस्टाल होने सके। लगाने के दौरान खराब न हो सके।
> **(सुमन लता-ईओ नगर परिषद)**

ओसवाल बुक्स के एमडी नरेश जैन को फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स द्वारा पब्लिशिंग में बेहतरीन बदलाव लाने के लिए सम्मानित किया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) ने 10 फरवरी को द डोम, ताज एम्बेसडर, सुजान सिंह पार्क, दिल्ली में हुए एक विशेष कार्यक्रम में ओसवाल बुक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश जैन को पब्लिशिंग उद्योग में उनके बेहतरीन काम के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में माननीय विदेश एवं शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिन्होंने शिक्षा और पब्लिशिंग के क्षेत्र में इनोवेशन के प्रति नरेश जैन के शानदार नेतृत्व और काम करने के जुनून की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार दिया। इस सम्मान को दिए जाने से शैक्षिक सामग्री में ओसवाल बुक्स की अहमियत सभी को दिखाई दी साथ ही देश भर के छात्रों को सीखने के अनुभव को और भी बेहतर करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया गया। इस विशेष कार्यक्रम में इंटरनेशनल पब्लिशर्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट सुश्री कैरिन पांसा ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सम्मान लेने के बाद दिए गए अपने भाषण में नरेश जैन ने सम्मान के लिए आभार प्रकट किया और एजुकेशनल पब्लिशिंग क्षेत्र में बेहतरीन बदलाव लाने में ओसवाल बुक्स टीम में सभी के एक साथ मिलजुल कर काम करने और बेहतर परिणाम लाने की बात को बताया। साथ ही उन्होंने छात्रों और शिक्षकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार इनोवेशन होने के महत्व और समय की हिसाब से ढलने पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन न केवल ओसवाल बुक्स के लिए बल्कि पूरी भारतीय पब्लिशिंग इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी सराहना की बात है, जो एक मील का पत्थर साबित हुई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स से मिली मान्यता सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देती है। शिक्षा और पब्लिशिंग के क्षेत्र में लगातार सुधार करने के लिए नरेश जैन जैसे व्यक्तियों के काम के प्रति सच्ची लगन और कड़ी मेहनत की भावना को उजागर करती है।

14 फरवरी को होगा शहर में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

फिरोजपुर झिरका । आगामी 14 फरवरी बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शहर के नवजीवन ज्योति विद्या मंदिर परिसर में श्री शक्ति प्रजापति समाज मंडल के सौजन्य से नौ जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी क्षेत्रीय प्रधान थावरिया राम ने देते हुए बताया कि 14 फरवरी को यानी बसंत पंचमी के अवसर पर प्रजापति समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन करवाया जा रहा है। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नूह धीरेंद्र खड़गटा होंगे। वहीं इसी कार्य में विशिष्ट अतिथि के रूप में रामकिशन और हीरालाल होंगे। उन्होंने बताया कि श्री शक्ति प्रजापति समाज के अंतर्गत हरियाणा और राजस्थान के 18 मंडल लगते हैं और इनमें 500 से अधिक गांव आते हैं। दोनों राज्यों के लोगों के रिश्ते प्रगाढ़ और मजबूत बने इसलिए रिश्तेदारियां जोड़ी जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला की संदिग्ध हालत में जहर खाने से मौत

मृतक विवाहिता का फाइल फोटो।

सोहना। रायपुर निवासी 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध हालत में जहर खा लेने से मौत हो गई। मृतक के भाई ने पति समेत जेठ, सास व ससुर पर जहर खिलाकर हत्या कर देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक महिला के भाई की शिकायत पर चार नामजद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शहर थाना सोहना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को गांव रायपुर निवासी 24 वर्षीय विवाहिता मिशकीना को संदिग्ध हालत में जहर खा लिया था। जिसे परिजनों ने गंभीर हालत में नूंह के नल्हड़ अस्पताल में दाखिल कराया था। जहां उपचार के दौरान मिशकीना की शनिवार की देर रात में मौत हो गई। मृतक महिला अपने पिछले एक बेटा को छोड़ गई। जिसकी गांव रायपुर थाना शहर सोहना निवासी नशीम के साथ 2016 में शादी हुई थी।

भाई ने लगाया जहर देने का आरोप : मृतक महिला के भाई जफर निवासी गांव रेवासन जिला नूंह थाना रोजका मेव ने महिला के पति नशीम, ससुर हंसन, सास मरियम तथा जेठ लुकमान पर जहर खिलाकर मिशकीना की हत्या कर देने का आरोप लगाया है। जफर ने पुलिस को बताया कि नशीम के अन्य महिला के साथ भी अवैध संबंध है। जिसकी शिकायत मिशकीना ने कई बार पिता के घर आने पर उनसे की थी। जिसके बाद उसने तथा उसके परिजनों ने कई बार समझाया था। लेकिन नशीम अपने हरकतों से बाज नहीं आया और अब सभी आरोपियों ने उसकी बहन मिशकीना को जहर देकर मार दिया है। **क्या कहते है जांच अधिकारी :** मामले की जांच कर रहे एसआई बलवीर सिंह ने बताया कि मृतक महिला के शव का सोमवार को पोस्टमार्टम होगा। मृतक महिला के परिजनों ने अपनी शिकायत देने में देर कर दी। जिसके कारण रविवार को पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है।

गौरव जैन बने भाजपा जिला नूंह मीडिया प्रभारी

फिरोजपुर झिरका। प्रदेश भाजपा हाई कमान एवं भाजपा जिला शीर्ष नेतृत्व की टीम ने पार्षद गौरव जैन को भाजपा जिला नूंह मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है। जबकि आपको बताते चले इससे पूर्व पार्षद गौरव जैन भाजपा जिला नूंह आईटी सेल के जिला संयोजक रहकर आईटी सेल का कार्य कुशलता पूर्वक निभाने का कार्य किया है। जिसके कारण पार्षद गौरव जैन को भाजपा जिला शीर्ष नेतृत्व की टीम ने जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए कहा कि आज प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक से आगे निकलकर सोशल मीडिया तक पहुंच गया है। इन्हीं तमाम माध्यमों से आप फलक पर छा सकते हो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जल्दी ही टीम के मीडिया प्रभारी के साथ मिलकर रोड मैप बनाने, ऑनलाइन डिजिटल के लिए अलग से रणनीति बनाने, रिसर्च टीम का गठन, खबरों का बैंक बनाने का कार्य किया जाएगा। जिसमें भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियां, प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं प्रधानमंत्री के पांच के सालों के कार्यकाल के माध्यमों में हुए जनकल्याण हेतु कार्यकाल को जिले के लोगों को अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा पर्दे के पीछे रहकर भारतीय जनता पार्टी को जिले नूंह में मजबूत बनाने का कार्य किया जाएगा। वहीं पार्षद गौरव जैन ने प्रदेश भाजपा सरकार एवं नूंह जिला शीर्ष नेतृत्व की टीम को आभार प्रकट किया है।

सब्जी आढ़तियों ने हड़ताल के पहले दिन मानी हार रविवार को आढ़तें खोलीं, शुरू किया कारोबार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय मंडी में सब्जी आढ़तियों ने एक दिन की हड़ताल के बाद कामकाज शुरु कर दिया। शनिवार की देर शाम लिया गया फैसले के कारण किसानों को आढ़ती हड़ताल समाप्त होने की सूचना नहीं दे सके। जिसके कारण रविवार को मंडी में सब्जी की आवक कम रही। सब्जी आढ़तियों की एक मुस्त टैक्स जमा कराने के विरोध में शनिवार की हड़ताल के बाद रविवार को कामकाज शुरु हो गया। सब्जी आढ़तियों ने शनिवार की देर रात से रविवार को कामकाज शुरु करने की तैयारियां करना शुरू कर दिया था। ताकि रविवार को सब्जी आवक और बिक्री का कार्य समय पर शुरु हो सके।

सब्जी की आवक कम : रविवार को किसानों द्वारा 40 से 50 फीसदी ही सब्जी लेकर पहुंचे। क्योंकि सभी किसानों को आढ़ती शनिवार को हड़ताल समाप्त करने की सूचना नहीं दे सके। शनिवार को हड़ताल अनिश्चितकालिन होने की आशंका से किसानों ने शनिवार को खेतों में सब्जी लेकर जाने की तैयारी नही की। जिसके कारण रविवार को आवक कम रही। पालक, फूल व बंद गोभी, गाजर, बथुवा, सरसों, मूली आदि की आवक नाममात्र रही।

कीमतों में उछाल : रविवार को मंडी में सब्जी की आवक कम होने के कारण कीमतों में उछाल रहा। आलू, प्याज, लहसुन को छोड़ अन्य सब्जियों की संख्या कम थी। आवक कम होने के कारण सब्जी छोटे दुकानदारों के हिस्से में कम आई। कीमतें अधिक होने से ग्राहकों ने भी खरीदारी कम की।

रविवार को सोहना की मंडी में सब्जी कंडी हुई शुरु।

> रविवार को मंडी में सब्जी की खुली बोली सामान्य दिनों की तरह से लगी। हड़ताल शिनवार को समाप्त देर शाम समाप्ती के कारण कम ही किसान सब्जी लेकर पहुंचे। जिससे रविवार को आवक कम रही।
> **(राजकुमार-मंडी सुपरवाइजर)**

प्रदेश और केंद्र सरकार किसानों की आवाज को दबाने में जुटी है : खटाना

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

आम आदमी पार्टी गुरुग्राम के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र खटाना ने कहा कि एमएसपी के मुद्दे को लेकर किसानों के दिल्ली कूच को कुचलने की तैयारी खट्टर सरकार ने कर ली है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार सभी को है। खट्टर सरकार की किसानों के ऊपर तानाशाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र खटाना ने कहा कि जब जब किसानों ने अपने हकों के लिए आवाज उठाई है। केंद्र सरकार और खट्टर सरकार ने लाठियों के दम पर किसानों की आवाज को दबाने का काम किया है। एक बार फिर खट्टर सरकार किसानों को कुचलने की तैयारी कर रही है। किसान आंदोलन में भी हरियाणा सरकार ने किसानों को रोकने की पूरी कोशिश की थी। जिसमें सरकार विफल हुई थी। उन्होंने कहा कि देश का किसान एमएसपी की गारंटी को लेकर परेशान है। आज से तीन साल पहले लंबा आंदोलन चला जिसमें 750 से ज्यादा किसानों ने शहादत दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों से माफी मांगते हुए तीनों काले कानून वापस लिए थे और वादा किया था कि फसलों पर एमएसपी लागू करेंगे। लेकिन अभी तक सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया। अब सरकार को वही वादा याद दिलाने के लिए देश का अन्नदाता दिल्ली आना चाहता है।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र खटाना का फाइल फोटो।

हक मांगने में बाधा बनी प्रदेश सरकार

आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष खटाना ने कहा कि किसानों को रोकने के लिए हरियाणा सरकार सीमेंट की बैरिकेडिंग और कंटीली तार लगा रही है। पहले अंबाला पुलिस ने एक चेतावनी जारी करते हुए किसानों के प्रदर्शन में शामिल होने से मना किया और किसानों की प्रॉपर्टी व बैंक डिटेल मांगी। किसानों को चेतावनी दी गई कि अगर प्रदर्शन में शामिल हुए तो आपकी प्रॉपर्टी और बैंक अकाउंट सील कर दिए जाएंगे। अब कैथल पुलिस ने किसानों को चेतावनी दी है। प्रदर्शन में शामिल हुए तो आपका पासपोर्ट और आर्म लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने राज्य के 8 जिलों में नेटवर्क सेवा का भी ठप रखने के आदेश जारी कर दिए है। यह प्रदेश की भाजपा सरकार की तानाशाही ही तो है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 12 फरवरी, 2024

यातायात प्रबंधन की प्रदर्शनी को मिला पहला स्थान

जीवन ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रविवार को जीवन ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल पलवल में विज्ञान प्रदर्शनी तथा स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी को बाहर स्कूल से आए छात्र तथा छात्राओं ने बहुत सराहा। वहीं छात्रों के साथ आए उनके अभिभावकों ने प्रदर्शनी की जमकर तारीफ की। विज्ञान से संबंधित सभी प्रोजेक्ट्स को इस तरह दिखाया गया था, मानो वह असल रूप में दिख रहीं हों। सभी अभिभावकों ने इस के संबंध में कहा कि इस तरह विज्ञान से संबंधित प्रदर्शनी से बच्चों में उनके प्रति रूचि भी बढती है तथा बच्चों का मानसिक विकास भी होता है।

स्कूल प्रबंधक विरेंद्र गहलौत ने स्कूल छात्रों द्वारा अध्यापकों के सहयोग से प्रस्तुत की गई विज्ञान प्रदर्शनी की जमकर तारीफ कर छात्रों का हौसला बढाते हुए उनको बधाई दी तथा अपने वक्तव्य में कहा कि जीवन ज्योति स्कूल आज भी हर क्षेत्र में अपना परचम बनाऐ हुए है, जो किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने सभी छात्रों, उनके अभिभावकों तथा अपने सभी अध्यापकों की अथक मेहनत के लिए उनका धन्यवाद किया और आगामी समय में इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में अपने जिले के प्रत्येक छात्र एवं छात्राओं को मेहनत के बल पर मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वह मुकाम चाहे खेलकूद प्रतियोगिता या अन्य क्षेत्र में ही क्यों न हो।

प्रबंधक ने बताया कि अभी घोषित सीए फाउंडेशन परीक्षा में जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ स्कूल्स के तीन छात्रों ने क्वालिफाई कर सीए के लिए अपनी सीट पक्की की है। प्रबंधक ने हर्ष कौशिक, चंचल तथा ललित रावत को सीए फाउंडेशन परीक्षा पास करने पर उन्हें तथा उनके अभिभावकों को बधाई दी तथा अपने अध्यापकों की भी तारीफ की। जैसा कि विगत है जीवन ज्योति स्कूल पिछले कई वर्षों से स्टेट लेवल में अपनी पहचान बनाता आ रहा है, जो किसी से छिपा नहीं है।

विज्ञान प्रदर्शनी में क्लामेट चेंज, रेनुवेलेबल एनर्जी,इ हाइलिक ब्रिज, सम्राट सिटी, ऐसिड ड्रेन विंग, पॉवर एनर्जी, सोलर सिस्टम, ड्रिप एग्रिशन और विंग मेनू लंग्स हामोडायलिसिस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि एडवोकेट विरेंद्र व अन्य स्टाफ द्वारा रोड सेफ्टी पर लगाई गई प्रदर्शनी की काफी सराहना करते हुए प्रथम स्थान दिया गया।

स्कूल प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार, अभिनंदन गुप्ता, जितेंद्र फोगाट ने बातचीत में बताया कि आज स्कूल प्रांगण में स्कॉलरशिप टेस्ट में 810 से अधिक छात्रों ने टेस्ट दिया है, जिनका परिणाम अति शीघ्र घोषित कर दिया जायेगा। रिजल्ट के बाद जो भी छात्र अपना दाखिला लेना चाहता है, वह अपना रजिस्ट्रेशन कर कर सीट पक्का कर सकता है। स्कूल चेरयमैन बीरपाल गहलौत, मैनेजर रंजीत गहलौत ने जिले पलवल से आए सभी छात्रों के अभिभावकों का जीवन ज्योति स्कूल में पधारने पर स्वागत कर धन्यवाद किया तथा अच्छी शिक्षा के लिए उन्हें आशान्वित किया। स्कूल की समस्त टीम को भी सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

पलवल में सीआईए की बदमाशों से मुठभेड़

दो बदमाश गिरफ्तार, एक गोली लगने से घायल

दो कट्टे और पांच कारतूस बरामद, बाइक जब्त

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सीआईए रविवार को सूचना मिलने पर संगीन अपराधों में शामिल रहे बदमाशों को पकड़ने गई। इस दौरान बदमाशों ने टीम पर गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में टीम ने बदमाशों पर गोलियां चलाईं और एक को घायल कर दिया। अंत में टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। उनसे दो कट्टे और पांच कारतूस बरामद हुए हैं।

सीआईए प्रभारी अजीत नागर ने बताया कि 10-11 फरवरी की रात दो बजे सूचना मिली कि विभिन्न थानों में दर्ज 10-12 संगीन मामलों के फरार बदमाश सुजवाड़ी-किठवाड़ी मार्ग पर पुल के पास मौजूद हैं। उनमें मथुरा यूपी का धीमरी निवासी रावण और भगत जी कॉलोनी पलवल निवासी तेजपाल उर्फ़ तेजन शामिल हैं।

टीम जब उन्हें पकड़ने पहुंची तो आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से टीम पर सीधे दो फायर किए। इनमें से एक गोली सीआईए की गाड़ी की ड्राइवर साइड की खिड़की में लगी। इसके बाद टीम ने अपराधियों को वॉर्निंग देते हुए अपने बचाव में तीन फायर किए। इनमें से एक गोली बदमाश को लगी और वह घायल हो गया। जिसके बाद टीम ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीआईए इंचार्ज ने बताया कि एक आरोपी चार मुकदमों में अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया हुआ है। टीम ने दोनों के कब्जे से एक बाइक भी बरामद की है।

किताबों में छिपा है बच्चों का उज्ज्वल भविष्य : एमडी सिन्हा

डीपीएस ग्रेफा में बुक्स एंड बियोंड्स के सोल फेस्ट में पहुंचे दिग्गज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

किताबों में बच्चों का उज्ज्वल भविष्य छिपा है, इसलिए वर्तमान के कहानीकारों को अपनी कहानियों को इस तरह से लिखना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को किताब पढ़ने पर विवश कर दें। उक्त वाक्य एमडी सिन्हा प्रधान सचिव हरियाणा सरकार ने डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में बुक्स एंड बियोंड एवं ह्यूमेन फाउंडेशन द्वारा सोल फेस्ट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईएएस अधिकारी गरिमा मित्तल मौजूद रहीं। जबकि सम्मानीय अतिथि के रूप में एचपीएसई के प्रदेश अध्यक्ष सुरेशचंद्र के अलावा अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लक्ष्मी अग्रवाल, शिव अरूर, तुहिन सिन्हा, नीरज कुमार, आनंद नीलकंठन, केविन मिसल, दीपा अग्रवाल, शहजाद पूनावाला, सीमा वाही, कपिल पांडे जैसे प्रतिष्ठित वक्ता, लेखक और कहानीकारों ने शिरकत की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो. वीसी रोहित जैनेंद्र जैन व बुक्स एन बियांड की अध्यक्षा श्वेता अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस मौके पर रोहित जैनेंद्र जैन, प्रधानाचार्या डॉ. बिंदु शर्मा, मुख्याध्यापिका ऋतु जैन और संजना महाजन ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जमकर तालियां बटोरीं। इस अवसर पर डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद के विद्यार्थियों द्वारा सोल सिंफनी सत्र में श्रीमद्भगवद्गीता की कलातीत शिक्षाओं के माध्यम से जीवन प्रबंधन पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर साहित्यिक व्यक्तित्व परेड दर्शन का आनंद लिया, जिसमें साहित्यिक पात्रों की रचनात्मकता और विविधता प्रदर्शित की गई। इस मौके पर युवा लेखकों से भी अतिथि रूबरू हुए और उन्हें सराहते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर साहित्यिक थीम स्टाल पर विद्यार्थियों व अभिभावकों ने जमकर अपनी मनपसंद किताबें भी खरीदीं। इस मौके पर गरिमा मित्तल ने डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद व बुक्स एंड बियांड के इस प्रयास की सराहना की। वहीं श्वेता अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

आयुष विभाग ने राष्ट्रीय यूनानी दिवस मनाया

पलवल। आयुष विभाग पलवल द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मलाई में राष्ट्रीय यूनानी दिवस का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी पलवल डॉक्टर संजीव तोमर ने बताया कि हकीम अजमल खान साहब के जन्मदिवस के उपलक्ष्य मे प्रत्येक वर्ष 11 फरवरी को सरकार द्वारा राष्ट्रीय यूनानी दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन को यूनानी चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूक करना है। यूनानी चिकित्सा धिकारी डॉक्टर हमीदुल्लाह ने व्याख्यान में उपस्थित जनसमूह को बताया कि यूनानी चिकित्सा पद्धति भारतीय चिकित्सा विधि का ही एक रूप है। जिसमें कफ, बलगम, पीला पित्त और काला पित्त प्रधानता के आधार पर रोग के लक्षणों का पता करके चिकित्सा की जाती है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में रोगी के आहार विहार पर मुख्य ध्यान दिया जाता है। यूनानी चिकित्सा पद्धति से मानसिक रोग, गठिया, मधुमेह, त्वचा विकार और शारीरिक कमजोरी में विशेष लाभ मिलता है।

हर घर प्रकृति योद्धा अभियान के अंतर्गत दिया संदेश

पलवल। हर घर प्रकृति योद्धा अभियान के अंतर्गत मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। संस्था सदस्य हर घर से पर्यावरण रक्षक प्रकृति योद्धा तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं।

ग्रीन एंबेसडर डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि पुरानी बस्ती सल्लागढ़ से मास्टर विनोद कुमार तथा उनकी पत्नी द्वारा प्लास्टिक के व्यर्थ पड़े कबाड़ को सुंदर गमलों का रूप देकर पौधारोपण किया हुआ है। इस प्रकार के सुंदर कार्यों से शिक्षक विद्यार्थियों को भी पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूक कर सकते हैं। पौधारोपण व पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना चाहिए। मास्टर विनोद ने बताया कि कोरोना काल में हम सभी घर के सदस्य इन पौधों के पास बैठकर बहुत अच्छा महसूस करते थे। हमारा खाली समय हर रोज पौधों की देखभाल में ही निकलता है। सभी को अपने स्वस्थ जीवन के लिए थोड़ा समय निकालकर प्रकृति की सेवा में जरूर लगाना चाहिए। संस्था ने छोटे बच्चों को पौधा भेंट कर प्रकृति पर्यावरण की सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था सदस्य देव, भरतलाल, राजेश, वेद आदि मौजूद थे।

पीपीपी से लोगों को घर बैठे मिला सरकारी सुविधाओं का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में परिवार पहचान पत्र से बाहर रह गए करीब दस प्रतिशत परिवारों को परिवार पहचान पत्र के दायरे में लाने के लिए, अधिकारियों से तेजी से काम करने को कहा है। स्कीम लागू होने के ढाई वर्ष के भीतर ही प्रदेश के 65 लाख परिवारों ने इसका लाभ उठाना शुरू कर दिया है। लोगों को घर बैठे सरकारी सेवाओं और स्कीमों का लाभ देने वाली इस व्यवस्था में ढाई करोड़ से अधिक लोग शामिल हो चुके हैं। लाभार्थियों को अब न तो सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, कर्मचारियों की चिरौरी से भी मुक्ति मिल गई है और दस्तावेज जमा कराने के झंझटों से भी निजात मिल गई है। लोग केवल एक आईडी से प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों की साढ़े पांच सौ से अधिक सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

प्रदेश के नागरिकों को अब बुजुर्ग सम्मान पेंशन के लिए साठ वर्ष की आयु पार करते ही पेंशन स्कीम में उन्हें शामिल कर लिया जाता है। इसके लिए दफ्तरों के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होती। परिवार पहचान पत्र में दर्ज व्यक्ति के साठ वर्ष पूरा होने के तुरंत बाद सरकारी प्रतिनिधि स्वतः उनकी पेंशन के लिए सारी कार्रवाई पूरी करने उसके घर पहुंच जाता है। सितंबर 2021 से लागू हुई परिवार पहचान पत्र स्कीम में अब तक प्रदेश के 65 लाख अधिक परिवारों के 2.57 करोड़ से अधिक सदस्यों को पीपीपी में पंजीकृत किया जा चुका है। पीपीपी में दर्ज होने के तुरंत बाद प्रदेश के नागरिक सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के हकदार हो जाते हैं। पलवल के कालू राम, सुरेश कुमार, फरीदाबाद के नरेश ने बताया कि पीपीपी के तहत उन्हें घर बैठे सरकारी सुविधा मिल रही है। सरकार का यह सराहानीय कदम रहा है। सोनू ने बताया कि उसका नाम घर बैठे बीपीएल सूची में शामिल हो गया है।

पीपीपी मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरदर्शी सोच से उपजी स्कीम है। इससे पहले लोगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। दस्तावेज जमा कराने के लिए खिड़की-खिड़की भटकना पड़ता था और कर्मचारियों-अधिकारियों के पीछे पीछे घूमना पड़ता था। पात्र होने के बावजूद लोगों को अपनी सुविधा के लिए भटकना पड़ता था।

लीगल लिटरेसी में पलवल की टीम का रिकॉर्ड प्रदर्शन

जिला शिक्षा अधिकारी ने बधाई देकर टीम को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डिविजनल लेवल लीगल लिटरेसी प्रतियोगिताओं में पलवल जिले की टीम द्वारा नाटक में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान सहित 15 पुरस्कार जीतने पर जिला शिक्षा अधिकारी पलवल अशोक बघेल ने बधाई दी है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला कोऑर्डिनेटर योगेश सौरोत ने बताया फरीदाबाद में आयोजित नाटक प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, होडल ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल ने द्वितीय स्थान, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलावलपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता वाचन में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिडूकी की खुशी ने प्रथम स्थान, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय होडल के लविश ने द्वितीय स्थान, स्लोगन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय असावटा के रवि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय असावटा ने द्वितीय स्थान, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलावलपुर के चिंटू ने तृतीय स्थान, डिबेट में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहीन की खुशी तथा गौरी ने प्रथम स्थान, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय धतीर की ज्योति और भावना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

क्विज प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहीन की छात्रा कीर्ति व निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहीन की अंजली ने तृतीय स्थान, डॉक्यूमेंट्री फिल्म में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल की गायत्री ने प्रथम स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बंचारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके लाखों की इनाम राशि जीतकर जिले का नाम रोशन किया है।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 5100, द्वितीय को 3100, तृतीया को 2100 का नकद पुरस्कार प्राप्त होगा। खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत, किरण बाला, सगीर अहमद, अमर सिंह, शारदा पाराशर, नरेंद्र, राम अवतार, विष्णु गौड आदि ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विधायक नीरज शर्मा ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

फरीदाबाद। एनआईटी फरीदाबाद से विधायक नीरज शर्मा ने एनआईटी विधानसभा की संजय कॉलोनी में गली नंबर-27, 28, गली नंबर 246, गली नंबर 24ए, 24बी, गली नंबर 42 के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि विधायक आदर्श नगर योजना स्कीम 2023-24 के अंतर्गत पर्वतीय कॉलोनी डिस्पोजल गली नंबर एक से लेकर गली नंबर छह तक एवं संजय कॉलोनी एफ ब्लॉक में तीन गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इन सभी गलियों की स्थिति काफी समय से खराब थी, अब इन गलियों के बनने से लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि विधायक आदर्श योजना के तहत वर्ष में दो करोड़ सरकार द्वारा दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में दिव्यांगों को निशुल्क उपकरण भेंट किए

पलवल। अलायंस क्लब पलवल सिटी हार्ट द्वारा तीन दिवसीय विशाल निशुल्क सहायता शिविर में दूसरे दिन भी दिव्यांगों ने भरपूर फायदा उठाया। इस शिविर में अभी तक 226 लोग लाभ ले चुके हैं व 347 उपकरण बांटे गए। जिसमें 49 व्हील चेयर, 125 पोलियो कैलिपर, लेग 54, बैसाखी 37 जोड़े, कान की मशीन 58, बेंत स्टील 24 जरूरत के हिसाब से दी गई। इस शिविर को सफल बनाने में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता शिविर की टीम की मेहनत भी काबिले तारीफ रही। कई दिव्यांगों द्वारा भी इस शिविर की सराहना की। शिविर में किसी दिव्यांग को परेशान या भटकना नहीं पड़ रहा है व पूरी तसल्ली से उपकरण फिट किये जा रहे हैं। क्लब के प्रधान धनेश मंगला ने बताया कि सभी दिव्यांग व उनके सहयोगियों को खाने व चाय की पूरी व्यवस्था की गई है। शिविरके चेयरमैन सुरेंद्र मंगला ने कंपनी व सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस शिविर में क्लब के सदस्य मनीष जैन, महेश सिंह, देविंदर अधाना, सचिन सिंगला, संदीप सिंगला, कपिल गोयल, प्रदीप मंगला, मनीष सिंगला, दीपक सिंगला, पार्षद हरिकिशन तेवतिया, अनिल बंसल, होशियार सिंह, हरकेश शर्मा आदि ने अपना सहयोग दिया।

गलत दिशा में गाड़ी चलाने पर की कार्रवाई

फरीदाबाद। डीसीपी ट्रेफिक अमित यशवर्धन के निर्देशानुसार बाटा से हार्डवेयर चौक की तरफ जाते समय भारी वाहनों की अवैध पार्किंग और गलत दिशा में वाहनों के आवागमन के कारण उत्पन्न होने वाली ट्रेफिक जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस द्वारा ऐसे वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद यातायात पुलिस द्वारा सड़क पर अवैध पार्किं, रांग साइड ड्राइविंग, रेड लाइट जंप व अन्य यातायात नियमों की उल्लंघनाओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा को हार्डवेयर चौक के पास सड़क पर अवैध पार्किं करने वाले भारी वाहनों के चालान किए गए और उन्हें सड़क से हटवाया गया। साथ ही बताया कि अवैध पार्किंग करने वाले भारी वाहनों और गलत दिशा में वाहन चलाने वाले चालकों के ई चालान एवं पोस्टल चालान सहित कुल 42 चालान तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 386 वाहन चालकों के चालान किए गए हैं। इसके साथ-साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा सके है।

खेल महोत्सव में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

पलवल। तीसरे सांसद खेल महोत्सव का आयोजन नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम पलवल में किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी एवं जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनुपमा अरोड़ा ने खिलाड़ियों से परिचय किया और उनके हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस सांसद खेल प्रतियोगिता में 16 खेलों का आयोजन किया गया है, जिसमें से वालीबॉल स्मेसिंग व शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम पलवल और बाकी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सेक्टर-12 फरीदाबाद के स्टेडियम में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विजेता टीमों को सांसद कृष्णपाल गुर्जर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल कराने के लिए आवश्यक है, इससे उनकी छुपी हुई प्रतिभा निकलकर सामने आती है। इसमें वालीबॉल स्मेसिंग की 38 टीमें व शूटिंग की 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी अनिल सैनी, वालीबॉल टीम में कोच भूषण, ललित, सुनील कुमार, सुरेंद्र, पवन, सन्नी, राहुल मावी, काजल व सुरेंद्र मौजूद रहे।

ब्लॉक की सड़कों पर लगाए स्पीड ब्रेकर

फरीदाबाद। ब्लॉक डीटू की सड़कों पर एक दर्जन स्पीड ब्रेकर ब्लॉक की तरफ़ से लगाए गए हैं। पूरे ब्लॉक में एक दर्जन स्पीड ब्रेकर लगने से ब्लॉक के छोटे बच्चे व बुजुर्ग सुरक्षित हो गए हैं। ब्लॉक के प्रधान जगजीत सिंह ने कहा कि ब्लॉक के अंदर कई बड़ी दुर्घटनाएं होते होते बची हैं। जिसकी वजह से ब्लॉक की कार्यकारिणी को निर्णय लेना पड़ा कि ब्लॉक की हर सड़क पर लगभग चार चार स्पीड ब्रेकर लगाए गए हैं। इनको लगवाने का ठेका दिल्ली की एक निजी प्राइवेट कंपनी को दिया गया है, जो इन स्पीड ब्रेकर का काम कर रही है। इनके लगने से वाहनों की गति भी कम हो गई है। ब्लॉक महासचिव अनूप वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि स्पीड ब्रेकर के अंदर रिफ्लेक्टर लगे हुए हैं, जो रात के अंधेरे में वाहन चालक को दूर से दिख जाते हैं। जिसकी वजह से वाहन चालक वाहन को धीमा कर लेता है। ब्लॉक के संरक्षक राजेंद्र सिंह बीसला, पूर्व विधायक व वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि इस ब्लॉक को सुरक्षित रखने के लिए, इन स्पीड ब्रेकर का लगाना बहुत जरूरी था। इससे पहले ब्लॉक में धीमी गति के एक दर्जन गति सीमा साइन बोर्ड लगाये जा चुके हैं। इस मौके पर ब्लॉक के कोषाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, टीटू मौजूद थे।

कंपनी के गोदाम से चोरी करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस चौकी पाली प्रभारी पी-एसआई अमरजीत की टीम द्वारा चोरी की एक वारदात को सुलझाते हुए एक गोदाम से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक कबाड़ी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि टीम आरोपी फिरोज वासी गांव गोंछी फरीदाबाद को पाली के एरिया से गिरफ्तार किया गया और अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड हासिल किया गया। दूसरे आरोपी जाहुल खान उर्फ राहुल खान वासी गांव शाह चौक थाना पुन्हाना जिला मेवात को भी पाली के एरिया से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरीशुदा सामान, 4700 रुपये व वारदात में इस्तेमाल रिक्शा रेहड़ा बरामद किया गया। आरोपियों से पूछताछ व अन्य विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी फिरोज पाली स्थित गोदाम में एक सिक्योरिटी गार्ड प्रोवाइडर कंपनी के तहत करीब 5-6 महीने से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। आरोपी के मन में ज्यादा पैसा कमाकर जल्दी अमीर बनने का लालच आ गया और एक दिन आरोपी ने दूसरे कबाड़ी आरोपी जाहुल खान उर्फ राहुल खान के साथ मिलकर पूर्व नियोजित तरीके से रात के समय कंपनी से लाखों के सामान चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

श्वेत पत्र

संप्रग की असलियत

केन्द्र सरकार द्वारा पेश श्वेत पत्र संप्रग सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण उसके शासन को 'खोया दशक' बताता है। मोदी सरकार ने अपने वादे के अनुसार संप्रग सरकार युग में व्याप्त राजकोषीय कुप्रबंधन पर एक श्वेत पत्र पेश किया है। इसमें अनेक नीतिगत कमियों की ओर संकेत किया गया है जिनमें आर्थिक अव्यावहारिकता, लाल-फीताशाही, आर्थिक सुधारों में सुस्ती, आदि शामिल हैं। इनके कारण आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ी तथा अनेक ढांचागत चुनौतियां बनी रहीं। आंकड़ों के विश्लेषण तथा ऐतिहासिक तुलनाओं के आधार पर श्वेत पत्र ने संप्रग सरकार के शासनकाल में ठहराव तथा वर्तमान सरकार में तेज गति को रेखांकित किया गया है। वास्तव में वर्तमान सरकार ने अनेक मामलों में शानदार प्रदर्शन किया है। मोदी सरकार की आर्थिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण सुधार, जैसे जीएसटी का क्रियान्वयन, 'बिजनेस सुगमता' में सुधार की पहल तथा वित्तीय समावेशन के कार्यक्रम 'जनधन योजना' व 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना', आदि शामिल हैं। 'भारतमाला' और 'सागरमाला' जैसी ढांचागत परियोजनायें तथा 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहलों का उद्देश्य देश का आधुनिकीकरण तथा उसमें संपर्क बढ़ाना है। विदेशी निवेश आकर्षित करने, स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने तथा पीएमएवाई व पीएमकेएसवाई जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास पर महत्वपूर्ण ढंग से ध्यान दिया गया है। इन उपायों से समावेशी आर्थिक प्रगति तथा खोज एवं विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। विपक्षी कांग्रेस ने इसके जवाब में फौरन एक 'ब्लैक पेपर' जारी कर सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए वर्तमान सरकार की विफलतायें गिनाई हैं।

'ब्लैक पेपर' में सरकार पर आरोप लगाया गया है कि वह आर्थिक असमानतायें बढ़ा रही है, समाज कल्याण कार्यक्रमों को अनदेखा कर रही है तथा बेरोजगारी, कृषि संकट व मुद्रास्फीति दबावों के कारण अर्थव्यवस्था में गिरावट का कारण बन रही है। 'ब्लैक पेपर' में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा आर्थिक समृद्धि के विमर्श को चुनौती देते हुए कहा गया है कि सामान्य नागरिकों की कठिनाइयां बढ़ गई हैं। कांग्रेस द्वारा जारी 'ब्लैक पेपर' में वही बातें दुहराई गई हैं जो कांग्रेस नेता बार-बार कहते रहे हैं, लेकिन ये एक प्रकार से केवल प्रचार का अंग हैं और वस्तुस्थिति से मेल नहीं खाती हैं। हालांकि, 2014 में मोदी सरकार बनने पर ही उस पर पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के बारे में 'श्वेत पत्र' जारी करने का दबाव था, पर उसने ऐसा नहीं किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ऐसा करने से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति निवेशकों का विश्वास और डगमगा सकता था। अब मोदी सरकार ने अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद जो 'श्वेत पत्र' जारी किया है, उसका उद्देश्य संप्रग सरकार के दस साल तथा मोदी सरकार के दस सालों के बीच तुलनात्मक व तथ्यात्मक तस्वीर मतदाताओं के समक्ष रखना है। सरकार को यह श्वेत पत्र इसलिए भी लाना पड़ा है क्योंकि कुछ अर्थशास्त्री व राजनीतिक विश्लेषक मोदी सरकार की उपलब्धियों के प्रति आंखें बंद कर बिना किसी प्रमाण के अपने पुराने 'आरोप' लगातार दुहराते रहते हैं। जहां तक बेरोजगारी और महंगाई का सवाल है, कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बावजूद भारत का प्रबंधन विकसित पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत अच्छा है। ग्रामीण क्षेत्रों समेत सारे देश की प्रगति सबको दिखाई पड़ रही है। आंकड़ों से परे भी देश की जनता व खासकर युवा पीढ़ी अपने भविष्य के प्रति बहुत उत्साहित है तथा उसका वर्तमान सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है।

ईरानी क्रांतिः सफलता के कारण

पश्चिमी खुफिया एजेंसियों ने अपनी गतिविधियों से ईरानी लोगों को पश्चिम-समर्थक नेताओं के खिलाफ खड़े होने के लिए तैयार कर दिया।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

इस सप्ताह ईरानी क्रांति के 45 साल हो गए। पश्चिमी गठबंधन समझ नहीं पाया कि ईरानी जनता अपने अंतिम राजा मुहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ क्यों खड़ी हो गई। अपनी सत्ता के अजेय होने के भ्रम ने पहलवी को 'श्वेत क्रांति' के लिए प्रेरित किया था जिसे प्रगति का पर्याय माना जाता था। इससे ईरान को पश्चिमी उदारवाद व आर्थिक प्रगति का उदाहरण मान लिया गया था। लेकिन समृद्धि की ऊपरी चमक के नीचे जो अशांति पनप रही थी, उसे अधिकांश बाहरी पर्यवेक्षक समझ नहीं सके। 21 साल की आयु में सत्तारूढ़ हुए मुहम्मद रजा शाह पहलवी ने अपने पिता रजा शाह पहलवी से विरासत में सत्ता पाई थी जो पहलवी वंश के संस्थापक थे। स्वयं को साइरस महान का समकालीन स्वरूप समझने वाले पहलवी ने 1970 में प्रेसीपोलिस के खंडहरों पर वैश्विक नेताओं को खुश करने और अपने वंश की वैधता स्थापित करने का काम किया था।

लेकिन उनकी आम जनता गरीबी और दमन की शिकार थी जिसे ईरानी खुफिया पुलिस छिपाती थी और अमेरिका-समर्थित खुफिया व्यवस्था 'सवाक' उसकी सहायता करती थी। इससे कल्पना और यथार्थ में भारी अंतर पैदा हो गया था। सत्ता के बेशर्म प्रदर्शन के माध्यम से शाह ने अपनी वैधता स्थापित करने के प्रयास किए, लेकिन इससे उनकी सरकार का खोखलापन और जनता से अलगाव बढ़ता गया और अंततः उनकी सरकार का पतन हुआ। 1970 के दशक मध्य में जनता में बढ़ते असंतोष के कारण शाह को अपनी सरकार के अत्याचारों के लिए जनता से माफी मांगनी पड़ी। लेकिन इसके बावजूद वे जनता के भारी विरोध प्रदर्शनों को रोकने में विफल हुए जिन्होंने 'इस्लामी क्रांति' को जन्म दिया। इस क्रांति के परिणामस्वरूप शाह का शासन तेजी से ढह गया तथा उस राजतंत्र का अंत हुआ जो हजारों साल से जारी था। इस असाधारण घटना ने पश्चिमी खुफिया एजेंसियों व प्रशासनिक हस्तक्षेप की सीमायें स्पष्ट कर दीं तथा बीसवीं शताब्दी में भू-राजनीतिक स्थितियों को पूरी तरह बदल डाला। अगस्त, 1978 में बढ़ती अशांति के बावजूद सीआईए ने नतीजा निकाला था कि 'ईरान में क्रांति या क्रांति-पूर्व की स्थिति नहीं है।' वास्तव में ईरान के प्रति दुश्मनी की भावना किसी राजनीतिक विचारधारा के बजाय तेल उद्योग पर नियंत्रण की इच्छा का परिणाम था। इस मुद्दे पर सीआईए द्वारा तैयार विमर्श को अक्सर 'ब्लैक प्रोपेगंडा' कहा जाता है। 1953 में ईरान के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री मुहम्मद मुसादेह के खिलाफ ब्रिटेन तथा अमेरिका ने सैनिक विद्रोह को खड़ा किया था। इसे 'आपरेशन एजेक्स' का नाम दिया गया और ऐसी ही कार्रवाइयां ग्वाटेमाला, चिली, ब्राजील व ग्रीस जैसे अन्य देशों में भी की गईं।

लेकिन पश्चिमी प्रभुत्व स्थापित करने के इरादे से किए इस सफल विद्रोह के कारण क्षेत्र में व्यापक विरोध फैल गया जिसे अयातुल्ला खुमैनी के नेतृत्व में 'इस्लामी क्रांति' का स्वरूप मिला। इससे पश्चिमी विदेश नीति की असलियत उजागर हुई जो अक्सर लोकतंत्र व स्वतंत्रता के नाम पर अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षायें छिपाने का प्रयास करती थी तथा शोषण व दमन का दुष्चक्र पैदा करती थी। मुसादेह के प्रधानमंत्री बनने के पहले ईरानी तेल उद्योग पर एंग्लो-ईरानी तेल कंपनी के माध्यम से पूर्ण ब्रिटिश नियंत्रण था। 1951 में तेल उद्योग के राष्ट्रीयकरण से क्षेत्र में ब्रिटिश हितों को करारा धक्का लगा था। इस प्रकरण में मुसादेह राजतंत्र व विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ विमर्श में केन्द्रीय स्थान पर थे और उनकी सरकार के पतन से ईरान में लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर कुठाराघात हुआ जिससे पुनः पश्चिमी संरक्षण में स्वेच्छाचारी शासन स्थापित हो गया। इस दृष्टिकोण से ईरानी क्रांति न केवल ईरान के आधुनिक इतिहास का एक प्रमुख क्षण है, बल्कि यह पश्चिम एशिया की भू-राजनीति में भी महत्वपूर्ण परिघटना है। इसने राजतंत्र को नष्ट कर इस्लामी गणतंत्र स्थापित किया। इसमें सेक्युलरवादियों, राष्ट्रवादियों, उदारवादियों और वामपंथियों के एक गठजोड़ ने भी सहयोग दिया जो शाह के तानाशाही शासन के खिलाफ जनता की कठिनाइयों को उजागर कर रहे थे। इस्लामी क्रांति का प्रभाव ईरान की सीमाओं से आगे बढ़ा और उसने पड़ोसी देशों में इस्लामवादी आंदोलनों को जन्म देकर मध्यपूर्व की भू-राजनीति में व्यापक परिवर्तन किए। अयातुल्ला खुमैनी के करिश्माई नेतृत्व और धार्मिक पद ने क्रांति के पक्ष में जनता का समर्थन प्राप्त करने में केन्द्रीय भूमिका अदा की। इसके साथ ही बाजार और व्यापार ने शक्तिशाली आर्थिक शक्ति के रूप में क्रांति को और विस्तार दिया। ईरानी क्रांति एक महत्वपूर्ण केस स्टडी की तरह है जो क्रांतिकारी आंदोलनों में जटिल सामाजिक-राजनीतिक गत्यात्मकताओं को प्रदर्शित करती है। धार्मिक विचारधारा जनता को लामबंद करने तथा उसके राजनीतिक प्रतिरोध को वैधता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। क्रांति के बाद समावेशी शासन का महत्व समझा गया तथा प्रतिरोधी शक्तियों के हाशियाकरण के खिलाफ चेतावनी दी गई क्योंकि इससे तानाशाही व नस्ली हिंसा भड़क सकती थी। ईरानी क्रांति से वैश्विक राजनीति के परस्पर जुड़ाव तथा अवांछित परिणामों से बचने के लिए राष्ट्रीय संप्रभुता को महत्व मिला।

ईरानी क्रांति के दशकों बाद ईरान अब भी बहुआयामी विरासत से आंतरिक और बाहरी रूप से निपट रहा है। यह घटना सामाजिक-राजनीतिक ढांचे में क्रांतिकारी उभार की तीव्रता को याद दिलाती है। ईरान की विदेश नीति उसकी गहरी सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक विरासत से प्रभावित है। ईरानियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत 'जोरोस्ट्रनिज्म' जैसी प्राचीन सभ्यताओं से प्रभावित है जिसने दुनिया भर के धर्मों को बदलने में अपनी भूमिका निभाई। इसके बावजूद वे सामूहिक रूप से शताब्दियों के विदेशी दम और शोषण को याद रखते हैं जिसमें पश्चिम की साम्राज्यवादी आकांक्षायें तथा ईरानी लोकतंत्र के खिलाफ उनके इशारे पर किया विद्रोह भी शामिल है। यह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि विदेशी शक्तियों के प्रति ईरान का दृष्टिकोण निर्धारित करती है। इनमें अमेरिका भी शामिल है जो अक्सर लोकतांत्रिक सिद्धान्तों को वास्तव में समर्थन देने के बजाय अपने आर्थिक व रणनीतिक हितों से संचालित होता है। ईरान के विदेशी संबंधों को समझने के लिए उसकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भू-राजनीति को समझना जरूरी है जो उसकी नीतियों को स्वरूप देते हैं। पश्चिमी दुनिया से ईरान के संबंध शताब्दियों से उसके साथ संबंधों व टकरावों पर आधारित हैं जो वर्तमान समय में ईरान की विदेश नीति का निर्धारण करते हैं। ईरान की ऐतिहासिक विरासत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसके संबंधों को परिभाषित करती है।

ईरानी क्रांति इतिहास में सत्ता संतुलन के महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय है जहां विजयें भविष्य में प्रतिरोध के बीज बोती हैं। अनेक चुनौतियों के बावजूद ईरान ने समय बीतने के साथ अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। युनेस्को के आंकड़ों से स्पष्ट है कि ईरान में साक्षरता दर तथा जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इससे शिक्षा व स्वास्थ्यरक्षा के प्रति ईरान सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। इसके साथ ही ईरान की अर्थव्यवस्था में व्यापक प्रगति हुई है। आज यह देश वैश्विक रैंकिंगों में महत्वपूर्ण स्थान बनाने के साथ ही अंतरिक्ष तकनीक जैसे क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों का विस्तार कर रहा है।

पश्चिम-समर्थक शक्तियों पर ईरान की 'इस्लामी क्रांति' की विजय ने न केवल ईरान की घरेलू राजनीतिक संरचना में व्यापक परिवर्तन किए हैं, बल्कि उसकी ध्वनि सारी दुनिया में सुनाई दे रही है। इससे पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने वाले अन्य आंदोलनों को प्रेरणा मिल रही है। दुर्भाग्य से पश्चिम के अनेक रणनीतिकार व नीति-निर्माता अपनी पूर्वाग्रही धारणाओं के चलते जल्दी से नतीजे निकाल लेते हैं। इसके परिणामस्वरूप लाल सागर में अशांति तथा पश्चिम एशिया में लंबे समय से उथलपुथल की स्थिति बनी हुई है। यह उथलपुथल फिलिस्तीन से लेकर सीरिया तक जारी है। लू शुन ने क्रांति की अवधारणा अपने लेखों में जोर दे कर बताई है कि यह इस उद्देश्य में निहित है- 'लोगों को मौत का सामना करने के बजाय उनका जीवन सुनिश्चित हो।'

समाज सेवा और आध्यात्मिकता का संगम

> आध्यात्मिकता, संस्कृति और समाज सेवा सही लोगों के एक साथ मिलकर काम करती है।

प्रभा गुप्ता
(लेखिका, सामाजिक विषयों पर टिप्पणीकार हैं)

शायद ही कभी हम मानवता की भलाई के लिए आध्यात्मिकता, सेवा और संस्कृति का संगम देखते हैं। हालाँकि, जैसा कि वे कहते हैं, हर चीज़ के लिए हमेशा एक समय होता है। एक ही मंच पर आध्यात्मिक प्रमुखों का ऐसा संगम और भी दुर्लभ है। गीत भक्ति अमृत महोत्सव, एक आध्यात्मिक उत्सव, में स्वामी श्री गोविंद देव गिरिजी महाराज, श्री श्री रविशंकर, सुधांशुजी महाराज, श्रीमती राजश्रीजी बिड़ला, साध्वी ऋतंभराजी, आदरणीय श्री चिन्ना जीयर स्वामीजी महाराज और बाबा जैसे आध्यात्मिक गुरुओं और बुद्धिजीवियों की सम्मानित उपस्थिति देखी गई। सत्यनारायणजी मौर्य. विशेष रूप से, बाबा रामदेव और योगी आदित्यनाथ इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

गीता भक्ति अमृत महोत्सव आध्यात्मिकता, समृद्ध भारतीय संस्कृति, देशभक्ति और भक्ति का एक अनूठा मिश्रण है। इस कार्यक्रम में 2500 वैदिक आचार्यों द्वारा हरिकीर्तन, पवित्र ग्रंथों के निरंतर जप और भागवत कथा के साथ 81 कुंडीय महायज्ञ का दिव्य दृश्य देखा गया। 450 से अधिक कलाकारों ने महाकाव्य रामायण और भारतीय संतों की परंपरा पर महानाट्य प्रदर्शन किया। यह आध्यात्मिक उत्सव दिव्य वैदिक विरासत, समृद्ध भारतीय संस्कृति और भक्ति को श्रद्धांजलि देता है।

इस आयोजन की जो बात अलग है, वह है सामाजिक मुद्दों पर इसका ज़ोर देना। गीता परिवार ने समाज में महिलाओं के महत्व और उन्हें सम्मान और सशक्त बनाने की हमारी मौलिक जिम्मेदारी को रेखांकित करने के लिए मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण पर गहन विचार-

विमर्श हुआ। देवाची आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में उपस्थित सभी लोगों को एकजुट करते हुए श्री राम जय राम, जय जय राम के गूंजते मंत्रों के साथ बाघवाड कथा की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक उत्थान और समाज के सशक्तिकरण के लिए समर्पित विभिन्न क्षेत्रों की बारह सफल महिलाओं को सम्मानित किया गया। गोविंद गिरजी महाराज ने टिप्पणी की, आज, जब हम इन बारह उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करते हैं, तो आइए हम हमारी सांस्कृतिक विरासत के सार को दर्शाते हुए, समाज के कल्याण के लिए उनके मूल्यवान प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता को पहचानें।

अपने विचार साझा करते हुए, श्री श्री रविशंकर ने कहा, आपने ज्ञान के माध्यम से भारत के संत समुदाय को एकजुट किया है, और यह ज्ञान कोई और नहीं बल्कि दिव्य भगवान कृष्ण का है। आपका उत्सव, गीता भक्ति अमृत महोत्सव, एक संयोग नहीं बल्कि एक दिव्य व्यवस्था है। भक्त भगवत गीता पथ के भावपूर्ण मंत्रोच्चार में डूब गए जो गीत भक्ति अमृत महोत्सव का एक अनिवार्य हिस्सा था। एक ज्ञानवर्धक ज्ञानेश्वरोपासना सत्र हुआ, जहाँ गोविंद गिरजी महाराज ने ज्ञानेश्वर मौली की पूजा करके और उनकी शिक्षाओं पर विचार करके अपने शिष्यों को गहन ज्ञान प्रदान किया। कार्यक्रम में एक सकारात्मक माहौल छा गया क्योंकि वेदशास्त्र संवाद के माध्यम से समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा को पुनर्जीवित किया गया। देश भर से वैदिक विद्वानों ने इस सदियों पुरानी परंपरा के माध्यम से ज्ञान फैलाने के महत्व पर जोर दिया।

आध्यात्मिक कार्यक्रम में जगद्गुरु शंकराचार्य, स्वामी विजयेंद्र सरस्वती जी महाराज और आनंदमूर्ति गुरु मां जैसे दिग्गजों सहित श्रद्धेय आध्यात्मिक मार्गदर्शकों और बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। गोविंद गिरजी महाराज ने कहा, गीता भक्ति अमृत महोत्सव आध्यात्मिक जागृति और ज्ञानोदय की यात्रा रही है। आलंदी की भूमि में श्रीमद्भगवद्गीता की दिव्य शिक्षाओं को देखना सम्मान की बात है। उन्होंने आगे श्री धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री जी महाराज के बौद्धिक ज्ञान और युवाओं के बीच इस तरह के आध्यात्मिक ज्ञान की सार्वभौमिक अपील का उल्लेख किया, जो भक्तों के उत्साही अनुसरण में स्पष्ट है।

आप की बात

भारत की राजनीति

भारत प्रजातंत्र का अमृत महोत्सव मना रहा है और अब आम चुनाव की तैयारियां हो रही हैं। और भाजपा बड़ी पार्टी होने के बावजूद क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर रही है तो कांग्रेस व अन्य दलों ने भी आईएनडीआईए गठबंधन बनाया है। हालांकि, कुछ दल अपने बलबूते पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। कुल मिलाकर गठबंधन की राजनीति सिर्फ सत्ता तक पहुंचने का मार्ग बन चुकी है। इस बार भी भाजपा के बहुमत पाने के आसार बन रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद वह क्षेत्रीय दलों को साथ ले रही है ताकि सशक्त सरकार दे सके। वह अपने नेतृत्व वाले गठबंधन-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग का विस्तार करने के प्रयास भी कर रही है। दक्षिण भारत की राजनीति में गठबंधन राजनीति का प्रभुत्व है। हालांकि, सरसरी तौर से देखें तो गठबंधन की राजनीति में कोई बुराई नहीं है। लेकिन गठबंधन बनाकर सीटें जीतने के बाद उच्च पद को लेकर गठबंधन धर्म का त्याग कर दूसरे गठबंधन से जुड़ जाना मतदाताओं के साथ सरासर धोखाधड़ी है इस प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए। गठबंधन को अपना एजेंडा तथा चुनाव घोषणापत्र अलग से जारी करना चाहिए तथा गठबंधन तोड़ कर दूसरी पार्टी के साथ जाने को दलबदल विरोधी कानून के दायरे मे लाया जाना चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

भारत के रत्न

कर्पूरी ठाकुर और लाल कृष्ण आडवाणी के बाद अब पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव एवं कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की गई! यह पहली बार हुआ है कि किसी सरकार ने 1 महीने में पांच विभूतियों को भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया है। सवाल उठता है कि आजादी के बाद से अधिकांश भारत रत्न पुरस्कार राजनीति से जुड़े लोगों को ही दिए गए हैं। हालांकि, अन्य क्षेत्र के भी कुछ लोगों को यह सर्वोच्च पुरस्कार मिला है। इस बार भी पांच में मात्र एक वैज्ञानिक को भारत रत्न मिला। एक प्रधानमंत्री ने तो स्वयं ही अपने आप को भारत रत्न घोषित कर दिया था। अच्छा होगा कि भारत रत्न राजनेताओं के बजाय अविष्कारकों, वैज्ञानिकों, चिकित्सा वैज्ञानिकों, आदि को दिए जाएं। मोदी सरकार ने पद्म पुरस्कारों का एक प्रकार से लोकतांत्रीकरण किया है और ये अनेक अनाम लोगों को मिले हैं जो मीडिया की सुर्खियों से बहुत दूर थे। भारत रत्न पुरस्कार का सम्मान बढ़ाने के लिए जरूरी है कि इसे भी राजनीतिक नफा-नुकसान के बजाय भारत के अतीत, वर्तमान व संभवतः भविष्य को गौरवान्वित करने वाले महान लोगों को दिया जाए।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

मोदी के काम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने शानदार कामों से 140 करोड़ भारतीयों का आशीर्वाद सदा मिलता रहेगा। सदियों की प्रतीक्षा के बाद भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण और उसमें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति तथा अनेक अन्य ऐसे कामों पर देश को तो गर्व है ही, सारी दुनिया भी गौरान्वित हो रही है। हमारा राष्ट्र सबका साथ व सबका विकास के रास्ते पर चल कर सबका विश्वास जीत रहा है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर तथा लालकृष्ण आडवाणी और चौधरी चरणसिंह, नरसिम्हाराव व एम. एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करके हर व्यक्ति का दिल जीत लिया है। वैसे तो हमारा देश इस समय चहुंमुखी विकास कर ही रहा है, लेकिन इस समय बसंत-बहार से पहले देश में भारत-रत्न की बहार आ गई है। शायद ही देश के इतिहास में एक साथ इतने लोगों को भारत-रत्न से नवाजा गया होगा। भारत को लाइसेंस-परमिट राज से मुक्त कर प्रगति के पथ पर तेजी से बढ़ाने वाले नरसिम्हा राव को सम्मान इस दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है कि गांधी-नेहरू परिवार तक संकुचित कांग्रेस ने उनका शव तक कांग्रेस मुख्यालय में लाने नहीं दिया था। चरण सिंह के साथ स्वामीनाथन को भारत रत्न गांवों और देश के किसानों का भी सम्मान है।

–**शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

मोदी का आत्मविश्वास

मोदी के आलोचक कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री का भाजपा और एनडीए के बारे में इतनी सीटों की घोषणा करना अहंकार हो सकता है, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए यह मोदी का आत्मविश्वास है। जिस तरह विपक्षी इंडिया गठबंधन बिखरने लगा है और उसके घटक अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हैं उससे लगता नहीं कि विपक्ष एकजुट होकर भाजपा या मोदी का सामना करने में सक्षम होगा। इसलिए अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और उसके नेतृत्व में राजग को हराना दिनेंदिन लगभग असंभव होता जा रहा है। यही मोदी के आत्मविश्वास का कारण है। भाजपा इस बार 1984 में कांग्रेस के पक्ष में आए चुनावी परिणामों को भी पीछे छोड़ना चाहती है जिसमे उसने 404 सीटें जीती थीं। हालांकि, अभी लोगों को मोदी के दावों पर पूरा विश्वास नहीं है, लेकिन 2014 में भाजपा ने 272 प्लस तथा 2019 में 300 पार का नारा दिया था और ये दोनों सही सिद्ध हुए। 2014 व 2019 के मुकाबले आज मोदी की छवि और मजबूत हुई है, देश की जनता और नौजवानों का उन पर विश्वास बढ़ा है तथा विपक्ष खस्ताहाल है।

– **बाल गोविंद,** नोएडा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

शिवाजी के पराक्रम से आज भी तड़पने को मजबूर है 'औरंगजेब': योगी

- पुणे के आलंदी में श्री गीता भक्ति अमृत महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए यूपी के मुख्यमंत्री
- शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती ने सीएम योगी को अंगवस्त्र पहनाकर किया सम्मानित
- सभी संतों और समारोह में आए लोगों को अयोध्या आने का दिया निमंत्रण

लखनऊ/पुणे। महाराष्ट्र भक्ति और शक्ति की भूमि रही है। यहीं गुरु समर्थ रामदास ने वीर छत्रपति शिवाजी का मार्गदर्शन किया। जब.जब भक्ति और शक्ति का अद्भुत मिलन होता है, गुलामी की दासता से मुक्ति मिलती है और 500 वर्ष की गुलामी की दासता से मुक्त होकर आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। संतों के सानिध्य और प्रधानमंत्री मोदी के पुरुषार्थ से 22 जनवरी की ऐतिहासिक तिथि के हम सब साक्षी बने हैं। नव्य और भव्य अयोध्या आप सभी को आमंत्रित कर रही है। ये बातें गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाराष्ट्र के पुणे स्थित आलंदी में आयोजित श्री गीता भक्ति अमृत महोत्सव के दौरान कही।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ का यहां देशभर से पधारे साधु संतों ने जोरदार स्वागत किया और उन्हें श्रीराममंदिर निर्माण का नायक बताते हुए उनका अभिनंदन किया। वहीं योगी आदित्यनाथ ने स्वामी गोविंद देव गिरि को अंगवस्त्र और गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी गोविंद देव गिरी के जीवन पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया। वहीं कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अंगवस्त्र पहनाकर तथा प्रसाद प्रदानकर उनका विशेष रूप से सम्मान किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज की 75वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने कहा कि विगत 75 साल से वैदिक सनातन धर्म के लिए अपने पुरुषार्थ, अपनी साधना और अपने परिश्रम से पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने जो कार्य कियाए जो आशीर्वाद सनातन हिन्दू धर्मावलम्बियों को दिया हैए ये अवसर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का है। पूज्य ज्ञानेश्वर जी महाराज से यही प्रार्थना है कि स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज का सानिध्य हिन्दू समाज को लंबे समय तक मिलता रहे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लंबे समय से उनके मन में आलंदी आने की इच्छा थी। इस अवसर पर यहां आने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ है। योगी ने बताया कि बचपन में उन्होंने ज्ञानेश्वरी पढ़ी थी। मात्र 15 साल की आयु में ज्ञानेश्वरी का उपदेश देकर भक्तों को नई राह दिखाने का कार्य पूज्य ज्ञानेश्वर जी महाराज ने किया। मात्र 21 साल में संजीव समाधि लेकर भारत के आध्यात्म को पूरे भूमंडल पर लहराने का कार्य पूज्य ज्ञानेश्वर जी महाराज ने किया था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराष्ट्र वाले बहुत ही सौभाग्यशाली हैं। यहां की भक्ति से उपजी शक्ति दुश्मनों के दांत खट्टे करती रही है। समर्थगुरू रामदास ने छत्रपति शिवाजी को यहीं से मार्गदर्शन प्रदान किया था। उस कालखंड में औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देते हुए उसे तड़पने और मरने के लिए ऐसा छोड़ा कि आजतक उसे कोई पूछ नहीं रहा। यह उत्साह और शौर्य की धरती हैए क्योंकि ये पूज्य संतों की भूमि है। यहां के भक्तों ने पूज्य संतों के सम्मान को ऊंचाई तक पहुंचाया है। इसी का परिणाम है कि शक्ति भी उनके साथ.साथ चलती है।

छत्रपति शिवाजी के नाम से बन रहा यूपी का डिफेंस कॉरीडोर

योगी आदित्यनाथ ने इस बात का भी उल्लेख किया जब वे यूपी के मुख्यमंत्री बने तो आगरा में बन रहे मुगल म्यूजियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी म्यूजियम रखा गया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का डिफेंस कॉरिडोर भी वीर छत्रपति शिवाजी के नाम से ही है। योगी आदित्यनाथ ने गोविंद देव गिरी जी महाराज के बारे में कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म के लिए समर्पित कर दिया है। पूरी दुनिया में वैदिक पाठशालाओं को स्थापित करके तथा श्रीमद्भागवत् गीता को जन.जन तक पहुंचाने के लिए वेदपाठियों की एक लंबी शृंखला देश को देने का कार्य किया है। अब ये देश वेदों से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहा है। योगी आदित्यनाथ ने आयोजन के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए ये कामना भी की कि गोविंद देव गिरि जी का मार्गदर्शन लंबे समय तक हिन्दू समाज को प्राप्त होता रहेए जिससे कि सनातन धर्म की पताका लंबे समय तक फ्हरती रहे। यूपी के सीएम ने समारोह में आए सभी संतजनों और नागरिकों को अयोध्या आने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर स्वामी रामदेवए जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद, स्वामी चिदानंद सरस्वती, स्वामी राजेन्द्रदास, कथा व्यास स्वामी रमेश ओझा, साध्वी भगवति देवी, यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटिल, दिलीप वलसे पाटिल सहित हजारों की संख्या में संत और भक्तजन मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह पुणे महाराष्ट्र स्थित पूज्य ज्ञानेश्वर महाराज की संजीवन समाधि मंदिर पहुंचकर पूजा.अर्चना की। संजीवन समाधि मंदिर में स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्रीगण चंद्रकांत पाटिल और दिलीप वलसे पाटिल के अलावा यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानेश्वर महाराज जी की संजीवन समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए विधि.विधान से पूजा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यहां उपस्थित संतजनों से मुलाकात भी की। मंदिर की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पूज्य ज्ञानेश्वर महाराज जी का चित्र भेंट किया गया। वहीं संतों ने श्रीरामए जानकी और लक्ष्मण जी की प्रतिमा भेंट कर सीएम योगी का अभिनंदन किया।

भाजपा का युवा संवाद सम्मेलन आज

लखनऊ। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा 12 फरवरी सोमवार को दोपहर 12 बजे युवा संवाद सम्मेलन आयोजित करेगा। विश्वेश्वरैया सभागार लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र कश्यप मौजूद रहेगें। उल्लेखनीय है कि भाजपा पूरे प्रदेश में 25 फरवरी से 05 मार्च के मध्य लाभार्थी सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा व 01 मार्च से 03 मार्च के मध्य विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान में प्रदेश भर में लाभार्थी परिवारजनों से व्यापक स्तर पर सम्पर्क व संवाद स्थापित करना है। उन्होंने अभियान को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि 11 फ्रवरी से 16 फरवरी के मध्य लोकसभा स्तर पर लाभार्थी सम्पर्क अभियान की कार्यशाला आयोजित करनी है। जबकि 12 फरवरी से 20 फ्रवरी के मध्य मण्डल स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जायेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पुणे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया शिष्टाचार भेंट।

योगी सरकार सोशल मीडिया कॉन्क्लेव से करेगी महाकुंभ की ब्रांडिंग

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने तैयार किया रोड मैप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

योगी सरकार प्रयागराज में अगले साल होने वाले महाकुंभ की ग्लोबल ब्रांडिंग करने और उसे समावेशी रूप देने के लिए बड़े फैसले ले रही है। सरकार महाकुंभ से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ गैर.सरकारी एजेंसियों का भी सहयोगी लेगी। इसके लिए सोशल मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। महाकुम्भ के आयोजन में अभी तक सरकारी एजेंसियों के विचार ही समाहित होते थे लेकिन अब योगी सरकार इससे एक कदम आगे जाकर गैर सरकारी एजेंसियों को भी इसमें शामिल करना चाहती है।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग अधिक से अधिक लोगों को महाकुम्भ से जोड़ना चाहता है। उनका यह भी कहना है कि हर किसी के पास एक बहुत बेहतर आइडिया होता है और हो सकता है कि वह अब तक सरकार तक न पहुंच पाया हो। ऐसे लोगों के महाकुम्भ से जुड़े आइडिया को सरकार के साथ साझा करने के लिए पर्यटन विभाग एक प्रतियोगिता का आयोजन करेगा जिसमें लोगों के कुम्भ के आयोजन से जुड़े आईडिया मांगे जायेंगे। इस प्रतियोगिता में सबसे अलग आइडिया देने वाले लोगों को पर्यटन विभाग प्रोत्साहित करेगा। उनका यह आइडिया महाकुम्भ के आयोजन का अंग भी बनेगा। महाकुम्भ के आयोजन से पूर्व प्रयागराज में पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग और पब्लिसिटी के लिए पर्यटन विभाग कई तरह की तैयारियां कर रहा है । इसके लिए ष्सोशल मीडिया कॉन्क्लेवष् का आयोजन किया जा रहा है । मार्च में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगाए जिसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें सबसे पहले स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के साथ कॉन्क्लेव किया जाएगाए जिसके बाद ग्लोबल रीच वाले इन्फ्लुएंसर के साथ कॉन्क्लेव होगा।

साथ ही देश भर के पर्यटन केन्द्रों से टूर ऑपरेटरों को भी इसमें आमंत्रित किया जा रहा है। उनसे महाकुम्भ में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उनके विचार मांगे जायेंगे। होटल उद्यमियों को भी इसमें आमंत्रित किया गया है। इन सभी आगंतुकों से एक तरफ जहां पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं के प्रस्ताव मांगे जायेंगेए वहीं इसकी आपूर्ति में अभी तक की कमियों की समीक्षा भी की जायगी। जन सरोकार से जुड़े अभियानों की पहुंच जन.जन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया की उपयोगिता सर्व विदित है । स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रयागराज की स्थिति में सुधार की बात हो या फ्रि अगले वर्ष महाकुम्भ से पहले शहर की स्वच्छता को दुरुस्त करनाए इसके लिए स्थानीय नागरिकों को भी जागरूक करना आवश्यक है। नगर निगम प्रयागराज के नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग बताते हैं कि इसी आवश्यकता को देखते हुए नगर निगम स्वच्छता अभियान के लिए सोशल मीडिया का सहयोग लिया जा रहा है। दो दर्जन से अधिक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के साथ उनकी एक बैठक भी हो चुकी हैए जिसके बाद शहरवासी जल्द ही सोशल साइट्स पर शहरी गतिविधियों के साथ शहर की सफ्रई व्यवस्था को देख सकेंगे । सोशल मीडिया साइट्स पर सक्रिय युवा शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। रील और सोशल साइट्स के अन्य माध्यमों से शहरवासियों को जागरूक किया जाएगा ताकि महाकुंभ के पहले शहर की स्वच्छता में रेटिंग बेहतर किया जा सके।

अतिक्रमण अभियान साबित हुआ बेसर फिर लगीं अवैध सब्जियों की दुकानें व ठेले

लखनऊ। इंदिरानगर में अवैध सब्जी मंडी लगने से लोगों की नाराजगी एक बार फिर छलक पड़ी। आवास विकास से मकान लेने पर भी अवैध गाड़ियों और दुकानों से परेशानियां उठानी पड़ रही है। इसकी जिम्मेदार लोकल प्रशासन और नगर निगम दोनों की है। अतिक्रमण अभियानल चलाने के बाद ठेले, कुमचे, दुकानें दोबारा घरों के सामने लग जाती हैं, जिससे मकान मालिकों को अपने घरों में गाड़ियां ले जाने और लाने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को इन्दिरा नगर में अभियान के तुरंत बाद फिर अवैध सब्जी मंडी लग गई। सेक्टर 17 में आवास विकास से मकान लेने वाले पछता रहे हैं। एक बार फ्रि यहां के लोगों ने नगर निगम से गुहार लगाई है। बाबू जगजीवन राम वार्ड 68 के अन्तर्गत इन्दिरा नगर सेक्टर 17 में मुख्य सड़क और नाले पर 20 साल से अवैध सब्जी मंडी लग रही है। हाल ही में पांच फरवरी को नगर निगम और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ा अभियान चलाया था। इसके दूसरे दिन से ही दोबारा वैसे ही दुकानें सज गईं। लोगों का अपने घर से निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार इसके पूर्व 30 दिसम्बर को भी अभियान चलाया गया था लेकिन उसके बाद फ्रि सब्जी मंडी लग गई थी। इन्दिरा नगर की दूसरी सबसे बड़ी सब्जी मंडी अवैध रूप से आबाद है। नगर निगम मान रहा है कि यह सब्जी मंडी अवैध है। कार्रवाई करता है और उसके कुछ घंटों में दुकानें फिर से लग जाती हैं। मकान संख्या 1094 में रहने वाले राजेन्द्र प्रसाद मौर्य ने बताया कि सब्जी मंडी की वजह से बहन बेटियों का आना जाना मुश्किल है। नगर निगम और पुलिस से आठ साल से शिकायत कर रहे हैं। दो चार बार अभियान चलाया गया लेकिन दिखावा मात्र रहा। यही पीड़ा राम प्रकाश की भी है। वहीं, कुछ अन्य निवासियों का कहना है कि घर के आगे खड़े ठेले वाले तो गाड़ी निकालनी हो तो हट जाते हैं लेकिन बाइक वाले नहीं मानते। कई लोग बाइक लॉक कर चले जाते हैं तो गेट तक नहीं खुलता।

भाजपा ने यूपी को पीछे ढकेल दिया: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की राजनीति करती है। समाजवादी सरकारों ने प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास किया। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, नौकरी रोजगार को बढ़ाने का काम किया। उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी। शहरों से लेकर गांवों तक को विकास और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ाया। समाजवादी सरकार में किए गए कामों से यूपी की पहचान पूरी दुनिया में हुई। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आयी है तब से यूपी का विकास खो गया। भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया। भाजपा ने यूपी को पीछे ढकेल दिया। आज यूपी की चर्चा विकास के बजाय बढ़ते अपराधोंए उत्पीड़नए चरम पर पहुंची महंगाईए बेरोजगारी और अन्य वजहों से हो रही है। समाजवादी सरकार में अयोध्या में अण्डरग्राउण्ड बिजली केबिल बिछाने के साथ मेडिकल कॉलेज निर्माणए अयोध्या फैजाबाद में 300 इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण के साथ लोहिया योजनान्तर्गत समग्र गांवो का विकास किया गया।

समाजवादी सरकार में अयोध्या में भजन स्थल का निर्माण किया गया। परिक्रमा पथ के किनारे पौराणिक वृक्ष लगाए गए। जनसुविधा के लिए शौचालय घाटों पर चेन्ज रूम के निर्माण के साथ प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल मां ज्वालामाई, अबहरन, धार्मिक स्थल का उच्चीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। अयोध्या में संत नृत्य गोपाल दास जी के मठ के सामने बड़ी सीसी रोड का निर्माण कराया गया।

मथुरा में गिरिराज महाराज की चारों ओर 63केवी के बाईपास का काम हुआ। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का सौंदर्यीकरण कराया गया। इसके अलावा गोवर्धन क्षेत्र में तालाबए पोखराए नहर बम्बा की खुदाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया।

वृंदावन को ए ग्रेड की नगर पालिका बनाया गया। गोवर्धन विधानसभा में तहसील बनी। वृंदावन परिक्रमा मार्ग का सौंदर्यीकरण कराया गया। वृंदावन में फूलमंडीए रेलवे ब्रिजए केसी प्लांटए बस स्टैण्ड बने। पोतरा कुण्ड का जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। बलदेव नगर में गौशाला बनी। कोसी मंडी के विस्तार के साथ बरसाना में रोप.वे की स्थापना का कार्य हुआ। किसानों के लिए सिंचाई की विशेष व्यवस्था की गई। छाता के ग्राम अलवाई में 32 केवी बिजली घर स्थापना का कार्य हुआ। वाराणसी में वरुणा नदी पर कई पुलों का निर्माण हुआ। सेवापुरी में 15 नए ट्यूबवेल लगाए गए। नए पावर हाउस बने। सारनाथ.वाराणसी अण्डरपासए ग्राउण्ड विद्युतीकरण कार्य हुआ। अस्सी घाट पर सुबह बनारस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पिण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र में कई ग्राम सभाओं को लोहिया ग्राम सभाए जनेश्वर मिश्र गांव की सारी सुविधाओं से लाभान्वित किया गया। रेवाड़ी तालाब का निर्माण कार्य भी सम्पन्न हुआ। भाजपा का एक ही काम है। समाजवादी सरकार के कामों को अपना बताना और समाजवादी निर्माणकार्यों को अपने नेताओं का नाम देना। भाजपा को वस्तुत: विकास नहीं चाहिए वह हवा महल बनाकर उसमें रहना ही पसंद करती है। जनता सब जानती है और वह 2024 में भाजपा से निजात पाने को कृत संकल्पित है।

भाजपा सरकार समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का कर रही काम: भूपेन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने रविवार को अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर केकेसी चारबाग स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी पंडित दीन दयाल उपाध्याय को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने और सबके जीवन में प्रगति और सभी के विकास के लिए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। उन्होंने कहा एकात्म मानववाद के दर्शन का मूल भाव समाज के अन्तिम पायदान पर खडे व्यक्ति के जीवन में बदलाव है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज केन्द्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार पं.दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का काम कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंण् दीनदयाल उपाध्याय ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित कर दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंण् दीन दयाल उपाध्याय का स्वप्न भारतीय संस्कृति की नींव पर एक शक्तिशाली और सशक्त भारत का निर्माण का था, आज पं. दीन दयाल उपाध्याय के उन्हीं सपनों को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे है।

भाजपा के ग्राम परिक्रमा अभियान का शुभारम्भ आज से

लखनऊ। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्षों सहित सभी जनप्रतिनिधि गांवो में प्रवास करेगें। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने रविवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया है कि 7 फरवरी से प्रारम्भ हुए गांव चलो अभियान के तहत 10 फरवरी तक प्रदेश में 47500 गांवो में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर गांव चलो अभियान में सहभागिता की। मुख्यमंत्री और स्वयं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी गांव चलो अभियान के तहत गांव में प्रवास करेगें। उपमुख्यमंत्री केशव रानीमऊ गांव अयोध्या और ब्रजेश पाठक बघौरा गांव बाराबंकी में 11 फरवरी रविवार को प्रवास पर रहेगें।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि पार्टी के किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश में गांव परिक्रमा का अभियान भी प्रारम्भ किया जा रहा है। प्रदेश के 50 हजार ग्रामसभाओं को सम्पर्क करने के साथ प्रारम्भ हो रहे ग्राम परिक्रमा अभियान का शुभारम्भ सोमवार 12 फरवरी को पार्टी के राष्ट्रीय जगत प्रकाश नड्डा मुजफ्फरनगर के मोरना ब्लाक शुक्रताल से शुरूआत करेगें और जनचौपाल में भी सहभागिता करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश में 172000 स्थानों पर प्रवास का लक्ष्य तय किया गया है। शहरी क्षेत्रों में वार्डो के अतिरिक्त 1000 तक की जनसंख्या वाले गांवो में एक कार्यकर्ता और उससे अधिक जनसंख्या वालो गांवो में दो या तीन कार्यकर्ता संगठन की योजनानुसार गांव में प्रवास करेंगे। प्रदेश के सभी राजस्व गांवो में गांव चलो अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता प्रवास पर रहेंगे। गांव चलो अभियान के अन्तर्गत पार्टी कार्यकर्ता केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही लाभार्थियों से भी सम्पर्क व संवाद स्थापित करेंगे।

जनप्रतिनिधियों के साथ आम श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में रामलला के किये दर्शन

- मुख्यमंत्री आम श्रद्धालुओं को दर्शन में ना हो कोई परेशानी को लेकर अधिकारियों को देते रहे दिशा निर्देश

लखनऊ/अयोध्या। सीएम योगी और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर रविवार को समाजवादी पार्टी को छोड़कर सभी दल के विधायक और योगी सरकार के विधायक, मंत्रियों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित दिखे और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ मंदिर परिसर में बैठकर प्रभु श्रीराम का गुणगान किया।

इस दौरान सुरक्षा की भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई। इसकी कमान खुद गृह सचिव संजय प्रसाद और डीजीपी प्रशांत कुमार ने संभाली। इसके साथ ही वीवीआईपी मूमेंट के दौरान आम श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसका भी पूरा ध्यान रखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आम श्रद्धालुओं को दर्शन में कोई परेशानी ना हो इसको लेकर गंभीर नजर आये और खुद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। अयोध्या धाम में रविवार को मंत्रिमंडल के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालुओं ने भी रामलला के दर्शन किए। इस दौरान वह अपने बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पाकर काफी गदगद नजर आए और पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

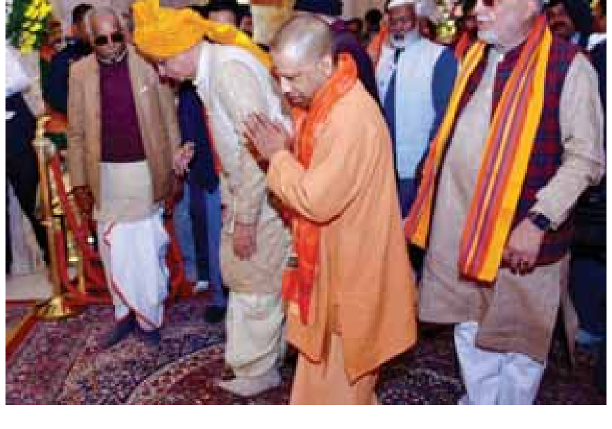

मैं बहुत भावुक हूं: सतीश महाना

दर्शन करने के बाद यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मैं बहुत भावुक हूं क्योंकि मैं जब इस स्थान पर आया था तो यहां एक ढ़ांचा खड़ा था, जो 6 दिसंबर को हमारे सामने टूटा था। मैं उस समय यहां पर आया था जब 1990 में यहां गोली चली थी। मैं उस समय यहां पर आया था जिस समय चबूतरे का निर्माण हुआ था और आज सबसे सौभाग्य की बात है कि भगवान के प्रत्यक्ष रूप से दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके अलावा बीएसपी के विधायक उमाशंकर सिंह, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष राजा भैया भी विधायकों के साथ अयोध्या रामलला के दर्शन करने पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा और जय श्री राम के नारों के साथ जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत

वहीं विधायक और मंत्रियों का समूह जैसे ही श्रीरामजन्म भूमि पहुंचाए वहां पर पहले से मौजूद स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा और जय श्री राम के नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उत्साहित जनता ने बुलडोजर पर सवार होकर पुष्पवर्षा की। वहीं बसों पर सवार विधायकए मंत्री हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे। जय श्री राम के नारों से पूरा वातावरण राममय हो गया। लंबी कतार में खड़ी महिलाओं ने भी पुष्प वर्षा कर यूपी के विधायकों का स्वागत किया। इस दौरान लोक कला के कलाकरों द्वारा अलग अलग विधा से लोक नृत्य के जरिये सभी जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया गया। इतना ही नहीं स्कूल के बच्चे भी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते नजर आए। विधायकों और मंत्रियों को गेट नंबर 11 से प्रवेश दिया गया। इसके बाद सभी विधायक और मंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अगुवाई में रामलला के दर्शन करने पहुंचे। दर्शन के बाद सभी विधायकों और मंत्रियों को प्रसाद भी दिया गया। वहीं सभी ने परिसर मंदिर में भोजन भी किया।

फर्जीवाड़ा कर जमानत कराने वाली अधिवक्ता गिरफ्तार

● अपराधी विकास यादव की फर्जी जमानत आख्या तैयार कर प्रभारी निरीक्षक के किये थे फर्जी हस्ताक्षर

संवाददाता। फर्रुखाबाद

अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मऊदरवाजा पुलिस द्वारा थाना मऊदरवाजा पर पंजीकृत मुकदमे से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता पूनम दुबे पत्नी संदीप कुमार निवासी–620 आवास विकास कालोनी थाना कादरीगेट जनपद फ्तेहगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

घटना का विवरण:– टाप–10 अपराधी विकास यादव पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी खँदिया थाना मऊदरवाजा के विरुद्ध थाना स्थानीय पर विभिन्न अपराध कारित करने के कई अभियोग पंजीकृत है तथा जिसको थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार करके न्यायालय में हाजिर कर जिला जेल दाखिल किया गया था जो कि जिला कारागार फ्तेहगढ़ में निरुद्ध था। उपरोक्त अभियुक्त विकास यादव एक शातिर अपराधी व थाना मऊदरवाजा का टाप–10 अपराधी है की जमानत न होने के कारण उसके द्वारा अधिवक्ता पूनम दुबे पत्नी संदीप कुमार निवासी–620 आवास विकास कालोनी थाना कादरीगेट से अपनी जमानत करवाने के लिये सम्पर्क किया गया। जिसके बाद अधिवक्ता पूनम दुबे द्वारा यह जानते हुये कि उक्त अपराधी की जमानत कराने के लिये कोई सम्भ्रान्त व्यक्ति तैयार नही होगा। तब उसके द्वारा दिनांक 14.09.2023 को फ्र्जी जमानती प्रपत्र तैयार किये गये जिसमें थाना मऊदरवाजा के उपनिरीक्षक की फ्र्जी जमानत आख्या तैयार कर व प्रभारी निरीक्षक मऊदरवाजा के फ्र्जी हस्ताक्षर बनाकर व मा0 न्यायालय को गुमराह करने के उद्देश्य से जमानत हेतु मान0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये गये। जमानतदारों के संदिग्ध होने पर थाना मऊदरवाजा पुलिस से जाँच आख्या मांगी गयी। थाना पुलिस ने बाद में जांच कर अपनी आख्या न्यायालय को प्रेषित की जिसमें जमानत प्रपत्र व हस्ताक्षरों का फ्र्जी होना पाया गया। इसके पश्चात उसके खिलाफ विविध धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

अभियोग पंजीकृत होने के उपरान्त से ही अधिवक्ता पूनम दुबे को अपना पक्ष रखने हेतु कई बार नोटिस भेजा गया किन्तु अधिवक्ता पूनम दुबे उपरोक्त द्वारा अपनी उक्त अभियोग की घटना में संलिप्तता होने के कारण तथा न्यायालय व पुलिस के समक्ष पेश न होने के उद्देश्य से लगातार फ्रार चल रही थी। थाना मऊदरवाजा पुलिस द्वारा दिनांक 11.02.2024 को अभियुक्ता पूनम दुबे उपरोक्त को महिला आरक्षियो की सहायता से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

13 मार्च को आयोजित होगा श्री विष्णु महायज्ञ

रूरा, कानपुर देहात। कस्बे के थाना ग्राउण्ड में श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन 13 मार्च से किया जायेगा, आयोजन समिति ने शास्त्रीनगर वार्ड के सभासद के प्रतिष्ठान पर बैठक कर तैयारियों को अँतिम रूप दिया। आयोजन समिति ने थाना मँदिर के सामने स्थित सभासद आशुतोष मिश्रा छोटे भईया के आवास पर बैठक कर आगुन्तक विद्वानों के सम्बन्ध में चर्चा की, देश के प्रसिद्ध विद्वानों से फोन पर सम्पर्क किया गया, श्रीमदभागवत व्यास के लिये भी तीन चार नामों पर चर्चा की गयी। बैठक में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौजूदगी में प्रत्येक रविवार को बैठक में तैयारियों को अँतिम रूप देने में सहमति बनी।

खीरी में कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रविवार को उप्र लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित आरओ–एआरओ परीक्षा जिले में 36 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल व नकल विहीन संपन्न हुई। इस दौरान प्रथम पाली में 11416 एवं द्वितीय पाली में 11351 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा को सकुशल बनाने के लिए एडीएम समेत 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। वही 36 स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहे। आयोग से भी समन्वयी पर्यवेक्षक परीक्षा की निरंतर निगरानी करते रहे।

रविवार को पीसीएस–प्री परीक्षा दो पालियों में हुई। पहली पाली सुबह साढ़े नौ बजे से लेकर दोपहर साढ़े ग्यारह बजे तक चली तो दूसरी पाली ढाई बजे से साढ़े तीन बजे तक चली। परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से आधा घंटे पहले प्रवेश दिया गया। जनपद के 36 परीक्षा केंद्रों पर कुल पंजीकृत परीक्षार्थी 15850 के सापेक्ष पहली पाली में 11416 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तो 4434 अनुपस्थित रहे। इसी तरह से दूसरी पाली में 11351 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तो 4499 ने परीक्षा से किनारा कर लिया। परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हुई।

एडीएम संजय कुमार सिंह ने दोनों पलियो की परीक्षा में भ्रमणसील रहकर परीक्षा केंद्रों आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, गुरु नानक इंटर कॉलेज, डॉन बॉस्को स्कूल, जीआईसी, जीजीआईसी गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, अब्दुल कलाम इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा में आयोग के शत प्रतिशत निर्देशों के अनुपालन के निर्देश दिए। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात उप जिला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदारो ने भ्रमणसील रहकर अपने सेक्टर के परीक्षा केंद्रों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए पूरी परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया।

चाय पर चर्चा के दौरान साध्वी ने कार्यकर्ताओं को सिखाये गुर

फतेहपुर। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर एक अहम बैठक करते हुए कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में तेजी से जुटने का आहवान किया है। चाय पर चर्चा के तहत हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से जन–जन तक मोदी सरकार के विकास कार्यों को पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने अखिलेश यादव पर तंज करते हुए कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल न होकर अखिलेश ने पिता के कारनामों के प्रायश्चित्त का आखिरी मौका भी गंवा दिया है। राम से इस तरह का परहेज करने वालों को समय आने पर जनता सीधे जवाब देगी। साध्वी ने कहा कि प्रमोद कृष्णन काफी समय से कांग्रेस में थे। संसद भवन के उद्घाटन के साथ–साथ राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भी पहुंचे थे। वो कांग्रेस की पोल पट्टी खोल रहे, कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब गुजरे जमाने की तरह हो गई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देकर उनकी दुकान में जनता ताला लगा देगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, यूपीसीबी के डायरेक्टर हर्षवर्धन सिंह, दिनेश बाजपेई, राजेंद्र निषाद, प्रवीण कुमार सिंह, ज्योति प्रवीण, सुनिधि तिवारी मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को सांसद ने किया पुरस्कृत

संवाददाता। फर्रुखाबाद

रेड रोज पब्लिक स्कूल अमेठी कोहना में पब्लिक स्कूल एसोसिएशन पुरस्कार वितरण कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में धूमधाम से मनाया गया महंत श्री ईश्वर दास महाराज जी सांसद मुकेश राजपूत जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता डॉ प्रभात अवस्थी जिला अध्यक्ष पब्लिक स्कूल एसोसिएशन फर्रुखाबाद जिला अध्यक्ष नवनीत मिश्रा मुन्ना लाल तिवारी मुकेश मुकेश राठौर पूर्व प्राचार्य स्मृति अग्निहोत्री ने मां भगवती सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्र%वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने सफ्ल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र कृष्ण कुशवाहा बाल विहार यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल फ्तेहगढ़ जतिन कश्यप एयरसेल मेमोरियल मोंटेसरी एवं जूनियर हाई स्कूल द्वितीय स्थान जतिन कश्यप एस एल मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र आर्यन आस्तिक अंशिका शाक्य सार्थक मिश्रा गायत्री सिंह कुमारी अनुष्का कश्यप अर्पिता प्राथमिक वर्ग में 31 बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें रुचि राजपूत प्रभाकर पंकज शिव अरनव अभिवाधाम अनुष्का मीनाक्षी रश्मि खुशनुमा मंसूरी वरुण डोली कश्यप आराध्या सिंह मृदुल मिश्र मानवी मिश्रा कुणाल राठौड़ युवराज सिंह आरव कुशवाहा पायल अनुभव विश्वास सौम्या जानवी युवराज अनुपम अंशु त्रिवेदी आया अनुभव तेजस कृष्णा आकांक्षा कुशवाहा शरद राजपूत कार्यक्रम का संचालन नवनीत मिश्रा एवं संतोष पांडे ने बखूबी किया।

पब्लिक स्कूल एसोसिएशन के सदस्य गण एस के वर्मा डीके शर्मा उमेश मिश्रा नवनीत मिश्रा सुंदरलाल सुआलाल मिश्रा मुन्नालाल तिवारी राम अवतार कुशवाहा राकेश श्रीवास्तव दामोदर सिंह दिलीप अग्निहोत्री पीवी सिंह राठौड़ नरेंद्र गुप्ता विजेंद्र वर्मा अंजुम दुबे ने आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद किया।

प्रोजेक्ट किरण में आये 27 मामले, 3 में हुआ समझौता

कानपुर देहात। स्थानीय पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरूआत पुलिस अधीक्षक महोदय श्री बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई । नई किरण में 27 मामले आये जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझानें के बाद 3 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया । सभी परिवारों के पति–पत्नी खुशी–खुशी साथ रहने को तैयार हो गये, शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी । प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में महिला सहायता प्रकोष्ठ प्रभारी नि सीमा सिंह, थानाध्यक्ष महिला थाना सुमन दीक्षित, उनि प्रतिभा वाजपेयी, म0का0 1282 कु0 आरती व म0का0 420 अन्तिम श्योरान (महिला सहायता प्रकोष्ठ) तथा नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्य जियाऊलहक व रामप्रकाश आदि मौजूद रहे तथा सबका विशेष सहयोग रहा।

क्विक न्यूज

एक युवक की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या

मोहम्मदी खीरी। एक युवक की गला के रेत कर हत्या ,सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस, शव.को लिया कब्जे में ,पंचनामा भर भेजा पोस्टमार्टम हेतु लखीमपुर, मचा हडकंप, युवक कल रात अपने घर के लिऐ मोटरसाइकिल से मोहम्मदी से था निकला, प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रामबरन मेडिकल की प्रैक्टिस करता था जिसने मोहम्मदी नगर में एक मैरिज लाइन में एक कमरा किराए पर ले रखा था कल शाम मोटरसाइकिल से अपने घर मोहम्मदपुर कामी के लिए निकला वही पहले से घात लगाए बैठे बौआ के नजदीक युवक की धारदार हथियारों से निर्मम हत्या की गई ,जिसका हाथ और गले को बेरहमी से काटा गया,जिसकी मोटरसाइकिल भी पडोस खेत मे पुलिस ने बरामद की है, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर लखीमपुर भेजा है वहीं पुलिस सर्विलांस तथा अन्य मृतक की गाड़ी से मिले कागजों के माध्यम से हत्या के गुत्थी सुलझाने की ओर बढ़ रही है।

राष्ट्रीय लोकदल ने पीएम का जताया आभार

फतेहपुर। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को केंद्र सरकार द्वारा भारत रत्न दिए जाने पर राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। राष्ट्रीय लोकदल की एक बैठक पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव चौधरी भूपाल सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख चंद्र पाल वर्मा व नगर अध्यक्ष केडी द्विवेदी ने शिरकत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया। यह बहुत ही गौरव की बात है। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करती है।

सड़क निर्माण के चलते हुआ ट्रैफिक जाम

लखीमपुर खीरी। शहर के रेलवे स्टेशन के सामने स्थिति ओवरब्रिज के दाहिनी तरह सड़क निर्माण के चलते हीरालाल धर्मशाला चौराहे की ओर जाने वाले वाहनों का रूट डाइवर्जन रानीगंज की तरफ किया गया। सिंगल रोड होने की वजह से यह डाइवर्जन लोगों के गले की फांस साबित हुआ। रोड की चौड़ाई कम होने की वजह से यहां लोगों को वाहन निकालने में खासी दिक्कत पेश आई।

जिला उद्योग व्यापार मण्डल ने संरक्षक मंडल का किया अभिनंदन

फर्रुखाबाद। जिला उद्योग व्यापार मंडल फ्र्रुखाबाद की एक बैठक जिला अध्यक्ष श्री संजीव मिश्रा बांबी के प्रतिष्ठान राज कंपलेक्स रेलवे रोड पर हुई जिसकी अध्यक्षता श्री संजीव मिश्रा बाबी ने की तथा संचालन महामंत्री प्रमोद गुप्ता ने किया जिसमें सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि वह बहुत ही सराहनीय कार्य है और जो भी नाम संरक्षक मंडल फ्र्रुखाबाद बने हैं उन सभी का स्वागत और अभिनंदन किया गया है संरक्षक मंडल में जो बनाए गए हैं। उसमें रूपेश गुप्ता जिला अध्यक्ष बीजेपी पार्टी फ्र्रुखाबाद, कुलदीप गंगवार पूर्व विधायक, महेंद्र कटियार पूर्व सदस्य जिला पंचायत फर्रुखाबाद, अजय गंगवार और सोनू भैया अध्यक्ष जिला शीत ग्रह संघ, श्री जितेंद्र सिंह राजावत संयोजक भाजपा, जितेंद्र सिंह यादव अध्यक्ष मेजर एसडी कॉलेज फ्र्रुखाबाद को बनाया गया है। उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया।

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक में शामिल हुए सहकारिता के धुरंधर

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में रविवार को सहकारिता प्रकोष्ठ की कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में यूपीसीबी के संचालक हर्षवर्धन सिंह ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज देश में सहकारिता की बागडोर गृहमंत्री अमित शाह संभाल रहे हैं। जिसके कारण देश के विभिन्न सेक्टरों में सहकारिता का दबदबा पहले की अपेक्षा तेजी से बढ़ा है। श्री सिंह ने कहा कि गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बहुत बड़े विजन पर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने सहकारिता के विकास पर केन्द्रीय सहकारिता मंत्री के चलाए जा रहे कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने उपस्थित सहकारिता के नेताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि अब बह सहकारिता नहीं रही जब लोग पदों को जबरिया अपना लेते थे। आप लोगों को कार्य क्षमता दक्षता के आधार पर नेतृत्व मिला है। सरकार आपकी अपनी है और आने वाला समय सहकारिता का स्वर्णिम होगा। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रभुदत्त दीक्षित ने बताया कि लखनऊ में इसी माह महासम्मेलन का आयोजन होना है।

सरस्वती शिशु मंदिर में भाजपा चुनाव संचालन समिति की बैठक हुई संपन्न

● प्रदेश में नम्बर एक पर होगी खीरी लोकसभाः अचिन मल्होत्रा

संवाददाता। निघासन, खीरी

नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में भाजपा चुनाव संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि लोकसभा चुनाव प्रभारी अचिन मल्होत्रा ने पहुंच कर कार्यकर्ताओं को टिप्स दिए। और विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों के बारे में बताया। जिला संयोजक व जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विनीत मनार ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने की योजनाओं के बारे में बताया। विधानसभा संयोजक पूर्व जिलाउपाध्यक्ष दयाशंकर मौर्य ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने की योजना बताई।

जिला सह संयोजक कुलभूषण जी ने बारी बारी से खड़े करके सभी कार्यकर्ताओं को जागरूक किया। अचिन मल्होत्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर ही नेता बनता है लोकसभा चुनाव तो जीता है लेकिन इस बार रिकार्ड मतों से जीतना है इस समय राम लला की कृपा है। इस बार रिकार्ड मतों से जीत कर दोबारा मोदीजी प्रधानमंत्री बनेंगे। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी एक नम्बर पर रहने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील की। और बताया कि आप सब लोग संकल्प लेकर जाएं बताए गए कार्यों को पूर्ण करें तो रिकार्ड मतों से विजय निश्चित होगी।

कार्यक्रम का संचालन संगम लाल मिश्रा ने किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह विधानसभा प्रभारी अरविंद गुप्ता,संजय,कनक पाल सिंह राणा, नागेन्द्र सिंह सेंगर, रतीराम लोधी,संजय गिरि,महेश गुप्ता, विकास मिश्र,हरीश पाण्डेय ,जय प्रकाश भार्गव,दामोदर मौर्य, देवेन्द्र कुमार, बृजेन्द्र सिंह, सोबरन लाल चौहान, रमेश लोधी, रामकेश लोधी,विमल तिवारी, आदि शामिल हुए।

जयपुरिया में जोश छात्रवृत्ति परीक्षा का आखिरी चरण सम्पन्न हुआ

फतेहपुर। मलवां कस्बा स्थित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में रविवार को जोश छात्रवृत्ति परीक्षा के आखिरी चरण का शानदार आयोजन किया गया। परीक्षा में कक्षा आठ एवं दस के विद्यार्थियों ने क्रमशः कक्षा नवीं व ग्यारहवीं में प्रवेश हेतु विद्यालय की मलवां शाखा में प्रतिभाग किया। पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने छठवीं कक्षा में प्रवेश हेतु विद्यालय की फ्तेहपुर कक्षा में प्रतिभाग किया। जोश परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल करने वाले परीक्षार्थी को एक लाख रूपये नगद एवं लैपटाप, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले परीक्षार्थी को 51000 रूपये नगद एवं लैपटाप व तृतीय स्थान हासिल करने वाले को 31000 नगद एवं लैपटाप प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार 30वें स्थान तक परीक्षार्थी को विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। साथ ही साथ उन्हें शुल्क माफी व छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। परीक्षा में फ्तेहपुर, बिंदकी, बकेवर, चौडगरा व अन्य क्षेत्रों में स्थित विभिन्न सीबीएसई एवं आईसीएसई पाठ्यक्रम से संबद्ध विद्यालयों के लगभग 1800 विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने बताया कि वे अत्यंत उत्साहित हैं और इस परीक्षा में प्रतिभाग करने से उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलेगा।

हमीरपुर में बिजली व्यवस्था सुधारने वास्ते खर्च होंगे 130 करोड़ रुपये

हमीरपुर। जिले में विद्युत व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के लिये राज्य व केंद्र सरकार ने 130 करोड़ रुपये बजट जारी किया है। इस बजट से गर्मियों में होने वाले फाल्ट, विद्युत चोरी रोकने के लिये केविल विछाना,ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने का काम किया जायेगा। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले विद्युत व्यवस्था को पटरी में लाने के लिये तीस करोड़ का बजट जारी किया था जिसमे अधिकांश बजट खर्च हो गया है, जिसमे अंडर ग्राउन्ड केविल विछाने का काम किया गया है,कुरारा व सुमेरपुर क्षेत्र में टांसफार्मरों की क्षमता भी बढायी गयी है। भारत सरकार ने जिले में आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत 100 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

इस बजट से विद्युत पोल व तार बदलने समेत 24 विंदुओं पर कार्य किया जायेगा। एक्शिन का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रो में विद्युत चोरी हो रही है इसलिये वहां से तार विछाने की व्यवस्था समाप्त कर खंभों में केविल डालकर उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिये जायेगे। इससे विद्युत चोरी में रोक लगेगी हालाकि वर्तमान में लाइन लास करीब तीस फीसदी है केविल विछ जाने से लाइन लास समाप्त हो जायेगी। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता एके अहूजा ने रविवार को बताया कि गर्मियों में विजली की मांग बढ़ जाने से आय दिन ट्रांसफार्मर फुक्र जाते है। इसलिये जनसंख्या को देखते हुये वहां पर ट्रांसफार्मर बदले जायेगे। जिले में ज्यादातर मजरों में अभी विद्युत सप्लाई नही हो पा रही है कही कही तो खंभे है तार नही है वहा पर व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त किया जायेगा। हालाकि तीस करोड रुपये खर्च होने के बाद शहर में रोजाना विजली ट्रिप होती है वही ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई कई दिनों तक विजली आपूर्ति नहीं हो पाती है।

रसोई घर के सामान में भी छिपा होता है विज्ञानः प्रो एचसी वर्मा

घाटमपुर। क्षेत्र के गांव शाखाहारी स्थित श्री शक्ति डिग्री कालेज के छात्रों ने देश के महान बैज्ञानिक एंव शिखक प्रो0 एच0सी0 बर्मा द्वारा स्थापित सोपन ट्रस्ट एंव शिक्षा सोपन कानपुर में आयोजित बिज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया, इस अवसर पर प्रो0 एच0सी0 बर्मा अपने संवोधन में कहा कि बिज्ञान किताब से पढ़कर अथवा ब्याख्यान सुन कर या समीकरण को उत्तर पुस्तिका में लिख कर नही समझा जा सकता, बिज्ञान बहुत ही रोचक और आसान है, यह प्रत्येक घट रही घटना में होता है, तथा दिन प्रति दिन की दिनचर्या में भी बिज्ञान जटिल सिद्वान्तो को समझने का और सीखने का अवसर हमेशा बना रहता है। उन्होने यह भी बताया कि बिज्ञान को सीखने के लिये बहुत मंहगे उपकरणों की भी जरुरत नही होती है, इसे रसोई घर के इस्तेमाल होने वाले सामान से भी जाना जा सकता है। बिज्ञान प्रदर्शनी में कालेज के छात्रों ने जल प्रदूषण तथा उद्योगों से फैलने वाले कार्वन उत्सर्जन को नियंत्रित करने का मॉडल बनाया वही छात्राओं ने पशुओं से खेतों की रक्षा के लिये एक इल्वेक्ट्रानिक मॉडल बना कर दिखाया, छात्राओं ने रात के समय बुजुरग ब्यक्तियों के लिये सेंसर युक्त छड़ी भी बनायी जो सांप आदि से बचाने में मदद करेगी। प्रो0 एच0सी0 बर्मा ने शक्ति डिग्री कालेज के छात्र व छात्राओं की इस कार्य के लिये प्रशंसा की।और

भाजपा नारी शक्ति अभियान के तहत महिलाओं संबंधी योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

संवाददाता। फर्रुखाबाद

आवास विकास कॉलोनी स्थित भाजपा जिला मुख्यालय पर शक्ति वंदन अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ की महिलाओं के साथ चाय पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित हुआ इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने समूह एवं एनजीओ से संबंधित महिलाओं के साथ चर्चा की एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ से संबंधित बड़ी संख्या में महिलाएं भाजपा कार्यालय के मीटिंग हॉल में एकत्रित हुई।

यह कार्यक्रम भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबिता पाठक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत,भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बबीता पाठक,अभिमान प्रेरणा संकुल समिति एनजीओ की अध्यक्ष श्रद्धा दुबे,वीडियो बढ़पुर ब्लॉक बलराम सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित कियाब्लॉक मिशन मैनेजर सुमित त्रिवेदी ने जनपद में उत्तर प्रदेश रा%य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किए जा रहे कार्यों पर जानकारी देते हुए कहा जनपद फ्र्रुखाबाद में वर्ष 2021 और 22 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत इंटेंसिव श्रेणी में चयनित किया गया है जनपद में योजना आरंभ से अब तक 7940 महिला स्वयं सहायता समूह को जोड़ने का कार्य किया गया अब तक 6285 समूह को स्टार्ट अप कास्ट के रूप में प्रति समूह ?2500 धनराशि एवं रिवाल्विंग फंड की धनराशि 15000 प्रति समूह की दर से 4153 महिला स्वयं सहायता समूह को दी जा चुकी है उक्त मधु में अब तक कल 7.80 करोड रुपए की धनराशि समूहों को उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम की संयोजक रमा राठौर एवं कार्यक्रम का संचालन चित्रा अग्निहोत्री ने किया ।

लूट हत्या के आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़, एक बदमाश की मौत

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक ने बताया की समधन निवासी सर्राफ़ा व्यवसाई के साथ लुटेरों ने लूट व हत्या की घटना कारित की थी, सीसीटीवी में एक जगह अपराधी हमे हेलेमेट पहने हुए दिखे थे। सुचना देने वाले को 25 हजार इनाम देने की घोषणा की थी। आज गुरुवार सुबह मुठभेड़ कोतवाली क्षेत्र के ही जहांगीरपुर के करीब महोना–रामाश्रम के पास जीटी रोड किनारे हुई। इस मुठभेड़ में दो सिपाही घायल हुए हैं। वहीं दो आरोपी इजहार पुत्र जुम्मन और तालिब पुत्र पप्पू को भी गोली लगी है। जिसमें इलाज के दौरान इजहार की मौत हो गई है। तालिब पर 8 मुकदमे दर्ज हैं। बदमाश के पास से लूटा गया 20 लाख का सामान बरामद कर लिया गया है। शुक्रवार शाम फर्रुखाबाद–गुरसहायगंज रोड पर राजकीय इंटर कॉलेज के पास कारोबारी अयाज बाइक से घर लौट रहे थे। दुकान से कुछ दूरी पर सुनसान इलाके में बदमाशों ने अयाज को रोका। फिर जेवरात से भरा थैला छीनने लगे। विरोध करने पर कारोबारी को गोली मारकर फरार हो गए।

भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली समय की मांगः प्रधानमंत्री

भाषा। टंकारा (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली समय की मांग है। मोदी ने आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के मोरबी जिले में उनके जन्मस्थल टंकारा में आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने समाज सुधारक दयानंद सरस्वती की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने उस समय भारतीय समाज से वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया था जब लोग गुलामी में जकड़े हुए थे और देश में अंधविश्वास फैला हुआ था।उन्होंने कहा, स्वामी दयानंद सरस्वती ने उस समय हमें यह दिखाया कि हमारी रूढ़ियों और सामाजिक बुराइयों ने हमें किस प्रकार नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा, भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था समय की मांग है। आर्य समाज विद्यालय इसका केंद्र रहे हैं। देश अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इसका विस्तार कर रहा है। इन प्रयासों से समाज को जोड़ना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म उस समय हुआ था जब भारतीय लोग गुलामी और सामाजिक कुरीतियों में जकड़े हुए थे। मोदी ने कहा, स्वामी दयानंद जी ने उस समय देश को बताया कि कैसे हमारी रूढ़ियों और अंधविश्वासों ने देश को अपनी चपेट में ले लिया है और हमारे वैज्ञानिक चिंतन को कमजोर कर दिया है। इन सामाजिक बुराइयों ने हमारी एकता पर प्रहार कर दिया था। उन्होंने कहा, समाज का एक वर्ग भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से लगातार दूर होता जा रहा था। ऐसे समय में स्वामी दयानंद जी ने वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया।मोदी ने कहा कि महर्षि दयानंद न केवल एक वैदिक ऋषि थे, बल्कि राष्ट्र चेतना के ऋषि भी थे। उन्होंने कहा, जब अंग्रेजी हुकूमत ने हमारी सामाजिक बुराइयों को मोहरा बनाकर हमारे लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश की और कुछ लोग सामाजिक बुराइयों का हवाला देकर उनके शासन को उचित ठहराते थे, तब दयानंद सरस्वती के आने से ऐसे साजिशों को गहरा धक्का लगा। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक ने वेदों की तार्किक व्याख्या की, रूढ़ियों पर खुलकर हमला किया और यह बताया कि भारतीय दर्शन का वास्तविक स्वरूप क्या है। मोदी ने कहा, इसका परिणाम यह हुआ कि समाज में आत्मविश्वास लौटने लगा। लोग वैदिक धर्म को जानने लगे और उसकी जड़ों से जुड़ने लगे।

उन्होंने कहा कि लाला लाजपत राय, राम प्रसाद बिस्मिल और स्वामी श्रद्धानंद जैसे कई क्रांतिकारी खड़े हुए, जो आर्य समाज से प्रभावित थे।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती ऐसे समय में है जब भारत अपने अमृत काल के शुरुआती वर्षों में है।

उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत के उज्ज्वल भविष्य का सपना देखा था और उनसे प्रेरणा लेकर इस अमृतकाल में हम सभी को भारत को आधुनिकता की ओर ले जाना है और इसे एक विकसित राष्ट्र बनाना है। मोदी ने देश-विदेश में 2,500 से अधिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों का संचालन कर रहे और 400 से अधिक गुरुकुलों में छात्रों को शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था कर रहे आर्य समाज से 21वीं सदी के मौजूदा दशक में नई ऊर्जा के साथ राष्ट्र निर्माण का कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा, डीएवी (दयानंद एंग्लो वैदिक) महर्षि दयानंद की एक जीती जागती स्मृति और प्रेरणा है। हम महर्षि दयानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए इसे सशक्त करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की थी। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और उनकी भागीदारी की बात की थी और देश अपनी नई नीतियों एवं ईमानदार प्रयासों से आज महिलाओं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले ही देश ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण का प्रावधान किया। यह आज महर्षि को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने डीएवी शैक्षिक नेटवर्क के छात्रों से मेरा युवा भारत से जुड़ने की भी अपील की। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा स्थापित मेरा युवा भारत पहल का उद्देश्य युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए समान अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस राज्य में स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म हुआ था, उस राज्य में जन्म लेना उनके (मोदी) लिए सम्मान की बात है। उन्होंने स्वामी दयानंद की कर्मभूमि हरियाणा को निकटता से जानने और वहां काम करने का अवसर मिलने को भी अपना सौभाग्य बताया। मोदी ने कहा, इसलिए स्वाभाविक रूप से उनका मेरे जीवन में अलग प्रभाव और भूमिका है।

अयोध्या में आध्यात्मिकता, आंतरिक शांति, आस्था का बैंक बना आकर्षण का भव्य केंद्र

अयोध्या। भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या में एक ऐसा अनोखा बैंक है जिसमें धन कोई मायने नहीं रखता और इस बैंक में 35,000 खाताधारकों से केवल मन की शांति, आस्था और आध्यात्मिकता का लेन-देन होता है। अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम बैंक नवनिर्मित राम मंदिर के दर्शन के लिए आ रहे भक्तों और पर्यटकों का ध्यान खींच रहा है। इस बैंक में जमा पुस्तिकाओं के सभी पृष्ठों पर सीताराम लिखा हुआ है। इस आध्यात्मिक बैंक की स्थापना नवंबर 1970 में श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास ने की थी। इसमें भारत के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, नेपाल, फिजी और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों के 35,000 से अधिक खाताधारक हैं। इस बैंक के पास भगवान राम के भक्तों की 20,000 करोड़ सीताराम पुस्तिकाओं का संग्रह है। बैंक प्रबंधक पुनीत राम दास महाराज ने बताया कि पिछले महीने भव्य मंदिर में राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से बैंक में रोजाना आने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पुनीत राम दास ने पीटीआई-भाषा से कहा, बैंक भक्तों को निशुल्क पुस्तिकाएं और लाल कलम प्रदान करता है और प्रत्एक खाते का हिसाब रखता है। बैंक में खाता खोलने के लिए कम से कम पांच लाख बार सीताराम लिखने की आवश्यकता होती है और फिर एक पासबुक जारी की जाती है। उन्होंने कहा, पूरे भारत और यहां तक कि विदेशों में भी बैंक की 136 शाखाएं हैं। खाताधारक हमें डाक से भी पुस्तिकाएं भेजते हैं और हम यहां बही-खाता रखते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले लोग सीताराम लिखने और इसे बैंक में जमा करने के लाभों के बारे में सवाल करते हैं। उन्होंने कहा, मैं उनसे कहता हूं कि जिस तरह हम आंतरिक शांति, आस्था और कल्याण के लिए देवी-देवताओं के मंदिरों में जाते हैं, उसी तरह सीताराम लिखकर उसे बैंक में जमा कराना भी पूजा करने का ही एक तरीका है। क्या हम यह नहीं कहते कि भगवान के पास सबके अच्छे-बुरे कर्मों का अपना लेखा-जोखा होता है? यह कुछ ऐसी ही बात है। उन्होंने कहा, भक्तों को भगवान राम का नाम लिखने, जपने और स्मरण करने से शांति और गहन आध्यात्मिक संतुष्टि मिलती है। पुनीत राम दास ने कहा कि ऐसी मान्यता है कि 84 लाख बार सीताराम लिखने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। बिहार के गया के जीतू नागर 14 साल से इस बैंक में आ रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी मंदिर में पूजा करने के बजाय मैं सीताराम लिखता हूं। जब भी मैं उदास महसूस करता हूं या परेशानी में होता हूं तो मेरे लिए हमेशा यह कारगर साबित होता है। मैं इसे पूरे साल भर लिखता हूं और साल में एक बार बैंक में अपनी पुस्तिका जमा करता हूं। उत्तर प्रदेश के बरेली के एक अन्य खाताधारक सुमन दास ने कहा कि उन्होंने 25 लाख बार सीताराम लिखा है। उन्होंने कहा, जब भी मैं सीताराम लिखता हूं तो मुझे हल्का महसूस होता है और मुझे लगता है कि मेरी प्रार्थनाएं सुनी जा रही हैं।

कांग्रेस ने यूडीएफ नेता प्रेमचंद्रन का किया समर्थन, माकपा की आलोचना

मोदी के साथ दोपहर का भोजन करने का मामला

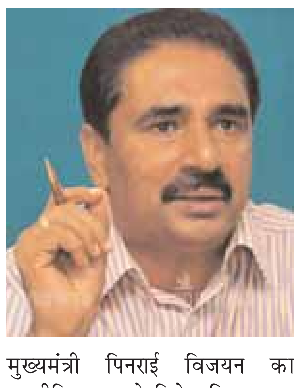

कन्नूर (केरल)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दोपहर का भोजन करने के लिए केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की आलोचना का शिकार होने के एक दिन बाद, यूडीएफ सांसद एन के प्रेमचंद्रन को रविवार को राज्य में कांग्रेस नेतृत्व से समर्थन मिला। केरल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के. सुधाकरन और विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कोल्लम सांसद प्रेमचंद्रन का पूरी तरह से समर्थन करते हुए कहा कि मार्क्सवादी पार्टी जानबूझकर विवाद पैदा कर रही है क्योंकि उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। प्रेमचंद्रन रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के नेता हैं, जो दक्षिणी राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ विपक्ष की सहयोगी है।यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि प्रेमचंद्रन देश के सर्वश्रेष्ठ सांसदों में से एक और लोकप्रिय सांसद हैं।

सतीशन ने सवाल किया कि संसद की कैंटीन में प्रधानमंत्री के साथ दोपहर का भोजन करने में क्या विवाद है? उन्होंने कहा, "यहां तक कि जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का राजनीतिक रूप से विरोध किया जाता है, तब भी विपक्षी नेता और (यूडीएफ) विधायक उनके द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल होते हैं। इसी तरह, प्रेमचंद्रन को भी प्रधानमंत्री कार्यालय से एक निमंत्रण मिला"। एक सवाल का जवाब देते हुए विपक्ष के नेता सतीशन ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मोदी की राज्य की हालिया यात्रा के दौरान उनका स्वागत करने और उन्हें विदा करने के लिए विजयन की आलोचना नहीं की। सतीशन ने साथ ही यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तरह ही माकपा भी वोट पाने के लिए समाज में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पैदा करने की चाल चल रही है। सुधाकरन ने भी इस घटना पर विवाद पैदा करने के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना की और सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री विजयन मोदी से मिलने नहीं गए थे? उन्होंने कहा, "प्रेमचंद्रन द्वारा प्रधानमंत्री का निमंत्रण स्वीकार करने में कुछ भी गलत नहीं है"। तिरुवनंतपुरम में, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद के मुरलीधरन ने भी कोल्लम सांसद का समर्थन किया और कहा कि अगर उन्हें पीएमओ से इसी तरह का निमंत्रण मिलता, तो वह भी इसे स्वीकार कर लेते। प्रधानमंत्री के साथ प्रेमचंद्रन के दोपहर के भोजन को लेकर शनिवार को केरल में राजनीतिक विवाद पैदा हो गया तथा राज्य में सत्तारूढ़ माकपा ने मोदी के साथ उनकी "नजदीकी" की ओर इशारा करते हुए उन पर कटाक्ष किया। कोल्लम सांसद प्रेमचंद्रन विभिन्न दलों से चुने गए उन सांसदों में शामिल थे, जिनके साथ प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को संसद की कैंटीन में दोपहर का भोजन किया था। प्रेमचंद्रन ने पीएमओ का निमंत्रण स्वीकार करने को सही ठहराते हुए कहा कि यह राजनीति से परे एक मैत्रीपूर्ण मुलाकात थी, वहीं वरिष्ठ माकपा नेता एवं वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने उनका मखौल उड़ाते हुए कहा कि हो सकता है कि वह इसलिए चले गए हों क्योंकि वह प्रधानमंत्री के बहुत करीबी हैं।

मार्क्सवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य ई. करीम और एलडीएफ संयोजक ई पी जयराजन ने भी प्रेमचंद्रन की आलोचना की।हालांकि, प्रेमचंद्रन ने मीडिया को बताया कि यह अत्यंत "मैत्रीय मुलाकात" और "जीवन में एक नया और सुखद अनुभव" है।

न्यायालय ने रजिस्ट्री को दिया निर्देशः ट्रायल कोर्ट को निचली अदालतों के तौर पर संदर्भित न करे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अपनी रजिस्ट्री से कहा है कि वह ट्रायल कोर्ट को निचली अदालत कहना बंद करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड को भी निचली अदालत का रिकॉर्ड नही कहा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली दो व्यक्तियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने 1981 के हत्या के एक मामले में उन्हें दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी थी। पीठ ने आठ फरवरी को पारित अपने आदेश में कहा, यह उचित होगा यदि इस न्यायालय की रजिस्ट्री ट्रायल कोर्ट को निचली अदालत के रूप में संदर्भित करना बंद कर दे। यहां तक कि ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड को निचली अदालत का रिकॉर्ड (एलसीआर) भी नही कहा जाना चाहिए। इसके बजाय, इसे ट्रायल कोर्ट रिकॉर्ड (टीसीआर) के रूप में संदर्भित किया जाना चाहिए। रजिस्ट्रार (न्यायिक) इस आदेश का संज्ञान लें। शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री से संबंधित मामले के ट्रायल कोर्ट रिकॉर्ड की डिजिटल प्रति मंगाने को कहा और मामले की सुनवाई के लिए छह अगस्त की तारीख तय की। दोनों याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2018 के आदेश को चुनौती दी है, जिसने उनकी अपील खारिज कर दी थी और उन्हें शेष सजा काटने के लिए संबंधित अदालत में आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था। उन्होने मामले मे उन्हे दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के लिए राम मंदिर, सीएए पर दांव लगाया

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई राज्य की 42 लोकसभा सीटो मे से 35 पर जीत दर्ज करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की क्वायद मे अब भ्रष्टाचार के मुद्दे से अपना ध्यान हटाकर अयोध्या मे राम मंदिर और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) जैसे भावनात्मक मुद्दो को उठाने की कोशिश कर रही है। भाजपा की रणनीति पश्चिम बंगाल मे आगामी लोकसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन इंडिया से अलग होकर अकेले लड़ने के तृणमूल कांग्रेस के फैसले पर आधारित है। इस कदम ने भाजपा के भीतर टीएमसी विरोधी वोट हासिल करने की उम्मीदें बढ़ा दी है। भाजपा को 2014 मे 17 प्रतिशत वोट मिले थे जो 2019 मे बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया जिसके परिणामस्वरूप उसे 18 लोकसभा सीटे मिली थी। राज्य मे 2021 के विधानसभा चुनाव मे हार के बाद से आंतरिक कलह और चुनावी झटको के बावजूद ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपो को भुनाने की भाजपा की कोशिशे रंग नही लाई है। लोकसभा की 42 मे से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय करते हुए भाजपा अब राम मंदिर और सीएए जैसे भावनात्मक मुद्दो पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा की प्रदेश महासचिव अग्निमित्रा पॉल ने बताया, राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा और सीएए लागू करना दोनो ही पार्टी के अहम मुद्दे है। उन्होने कहा, दोनो मुद्दे भावनात्मक है और लोग इससे जुड़ सकते है। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने इन मुद्दो की भावनात्मक अपील का उल्लेख करते हुए हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने और खासतौर से मतुआ समुदाय की शरणार्थी चिंता को हल करने मे इनके ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया। घोष ने कहा, सीएए लागू करने के वादे ने भाजपा की चुनावी सफलता मे एक अहम भूमिका निभाई है। उन्होने कहा, राम मंदिर के मुद्दे ने पहले भी भाजपा को फायदा पहुंचाया है और इस बार भी यह पश्चिम बंगाल समेत देशभर के हिंदुओं को एकजुट करने मे हमारी मदद करेगा।

आज कांग्रेस में रहने का मतलब चमचागीरी

संभल (उप्र)। अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानबाजी के आरोप में कांग्रेस से निष्कासन के दूसरे दिन रविवार को आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि आज कांग्रेस में रहने का मतलब चमचागिरी और झूठ बोलना जरूरी हो गया है। संभल के एचोंडा कंबोह में कल्कि धाम पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया और कहा, यह आचार्य प्रमोद कृष्णम के निष्कासन का सवाल नहीं है, वो कांग्रेस जो महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, इंदिरा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद की कांग्रेस थी, उसको आज किस रास्ते पर लाकर खड़ा कर दिया गया है? महत्वपूर्ण यह है। आज कांग्रेस में रहने का मतलब चमचागिरी जरूरी, झूठ बोलना जरूरी है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को एक बयान में कहा था कि अनुशासनहीनता की शिकायत और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयानबाजी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रमोद कृष्णम को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

कृषि उपज के संवर्धन से किसानों के जीवन में गुणात्मक सुधार आएगाः धनखड़

मुंबई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि कृषि उपज के संवर्धन से किसानों के जीवन में गुणात्मक सुधार आएगा। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से चावल के विपणन के लिहाज से उसका संवर्धन करने को कहा। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री शिंदे से कहना चाहता हूं कि चावल का उसके मुख्य विपणन बिंदु के रूप में संवर्धन करें। किसानों के विकास के लिए, उनकी उपज का संवर्धन महत्वपूर्ण है। इस तरह के बदलाव किसानों के जीवन में गुणात्मक सुधार लाएंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी आर्थिक साख को बनाए रखने के लिए सोने के भंडार को एक समय स्विट्जरलैंड स्थित बैंकों में जमा किया गया था, लेकिन भारत ने प्रगति की है और उन देशों से आगे निकल गया है जिन्होंने कभी हम पर शासन किया था। उन्होंने कहा, भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

पेज 1 का शेष

किसानों के..

को लेकर केंद्र पर दबाव डाला जा सके। किसानों की मांगों में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों का कार्यान्वयन, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन का प्रावधान, कृषि ऋणों की माफी, पुलिस केस वापस लेना और लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करना शामिल है। हरियाणा और पंजाब में सुरक्षा बल कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन का अनुकरण करने और अभ्यास करने के लिए ट्रैक्टरों का उपयोग कर रहे हैं कि वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे। अब तक ट्रैक्टरों का उपयोग करके कुल 40 ऐसे रिहर्सल किए गए है जिनमें हरियाणा में 10 और पंजाब में 30 आयोजित किए जा चुके हैं। शंभू सीमा पर घग्गर फ्लाईओवर पर सड़क यातायात के लिए बंद है, पुलिस ने सड़क पर सीमेंटेड बैरिकेड लगा दिए हैं। शंभू सीमा पर कंटीले तार, रेत की बोरियां, कंक्रीट ब्लॉक बैरिकेड्स और अन्य सामान जमा कर लिया गया है। फ्लाईओवर पर व्यू कटर और फ्रेम भी लगाए जा रहे थे। किसानों को राजमार्ग तक पहुंचने से रोकने के लिए घग्गर नदी के तल को भी खोद दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को कहा कि जींद में, हरियाणा-पंजाब सीमा के पास दो सड़कों को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है और दो और सड़कों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। फतेहाबाद जिले में, पुलिस ने जाखल रोड पर सीमेंटेड बैरिकेड और स्पाइक स्ट्रिप्स भी लगा दी हैं। पंजाब से दिल्ली की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस ने शनिवार को यातायात परामर्श जारी कर यात्रियों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने को कहा। ट्रैफिक एडवाइजरी में, पुलिस ने चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को डेराबस्सी, बरवाला/रामगढ़, साहा, शाहबाद, कुरुक्षेत्र या पंचकुला, एनएच-344 यमुनानगर इंद्री/पिपली, करनाल के रास्ते वैकल्पिक मार्ग लेने के लिए कहा। पुलिस के अनुसार, इसी तरह, दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाले यात्रियों को करनाल, इंद्री, पिपली, यमुनानगर, पंचकुला या कुरुक्षेत्र, शाहबाद, साहा, बरवाला, रामगढ़ के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए कहा गया है।

बिहार में..

वामपंथी दलों के 18 और एकमात्र एआईएमएम भी महागठबंधन में शामिल है। सूत्रों ने कहा कि माझी ने एक दिन पहले राजद सुप्रीमो लालू यादव के एक दूत के साथ बैठक की थी और अब वह नवगठित नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले बेटे सहित चार विधायकों को अपने साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि राजद ने मांझी को एक राज्यसभा सीट, एक लोकसभा सीट और तेजस्वी के नेतृत्व वाले मोर्चे के समर्थन की स्थिति में दो कैबिनेट पदों की पेशकश की है। माझी ने नवगठित एनडीए मंत्रिमंडल में दो सीटों की मांग की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से अपने विकल्प खुले रखे हैं, जिन्हें एक अस्थिर नेता के रूप में जाना जाता है। माझी ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि एक विपक्षी दल ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की पेशकश की थी लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किस पार्टी ने ऐसा किया। सूत्रों ने यह भी कहा कि एनडीए गठबंधन विश्वास मत से एक घंटे पहले विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ गठबंधन की मांगों को मानने और अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था, उन्होंने कहा कि वह केवल शक्ति परीक्षण के परिणामों के आधार पर ही पद छोड़ेंगे। नियमों के मुताबिक, अविश्वास प्रस्ताव विधानसभा सचिव को नोटिस देने के 14 दिन बाद या 14वें दिन तब तक लाया जा सकता है, जब तक अध्यक्ष अपने पद पर बने रहते हैं। भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों के लिए रविवार की चिंता थी क्योंकि राजद, जदयू, कांग्रेस, सीपीआईएमएल के विधायक अनुपस्थित थे और कुछ अपनी-अपनी पार्टी की बैठकों में नहीं आ रहे थे, या भोजन करने नहीं आए थे और सबसे खराब बात यह थी कि उनमें से कुछ अपने मोबाइल फोन पर भी संपर्क संभव नहीं हो पा रहा है। नीतीश के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द तब पैदा हुआ जब उनकी पार्टी के कुछ विधायक पार्टी के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर हुई बैठक में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार, एक वामपंथी पार्टी (राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के सहयोगी) के एक विधायक ने लालू के कहने पर हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेकुलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी से मुलाकात की। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के आधिकारिक आवास पर दोपहर के भोजन की बैठक कहा कि जब नीतीश भाजपा में शामिल होने के लिए महागठबंधन गठबंधन से बाहर चले गए तो खेला होगा (गेम प्लान) की प्रतीक्षा करें। इस भोजन बैठक में राजद विधायक बाद में अपने सीपीआईएमएल सहयोगियों के साथ शामिल हुए।

राजनेताओं को...

यात्रा एक ऐतिहासिक मील का पत्थर का प्रतीक बन गई, जो भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ सदियों पुराने सपने के साकार होने का प्रतीक है। सरकार और विधायकों द्वारा राजनीतिक एकजुटता के परिप्रेक्ष्य में दिखाई गई एकता की सीएम योगी के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रमाण के रूप में प्रशंसा की गई। पर्यवेक्षकों ने कहा कि इस तरह के सौहार्द को प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के योगदान के साथ याद किया जाएगा। तीर्थयात्रा के महत्व पर विचार करते हुए, विधायकों ने जबरदस्त भावनाएं व्यक्त कीं और यात्रा से पहले के अपने किस्से साझा किए। कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव की अनुपस्थिति पर अफसोस जताया और भगवान राम के दर्शन में शामिल नहीं होने के उनके फैसले की आलोचना की। विधायक और पूर्व मंत्री राजा भैया ने टिप्पणी की, समाजवादी पार्टी के विधायकों को हमारे साथ शामिल होना चाहिए था। कोई भी हर चीज को राजनीतिक चश्मे से नहीं देख सकता। जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल के सदस्य भी इस समूह का हिस्सा थे, जो लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गठबंधनों में संभावित बदलाव का संकेत दे रहे हैं। मीडिया के साथ साक्षात्कार में विभिन्न दलों के विधायकों ने श्रद्धा और कृतज्ञता की भावना व्यक्त की। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने तीर्थयात्रा को एक शुभ और बेहद निजी पल बताते हुए अवध के साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने सरकार की व्यवस्था की सराहना की, धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और तीर्थयात्रा के किसी भी राजनीतिकरण की निंदा की। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और सरकार के मंत्री ने इस अवसर को यादगार बताया और कई वर्षों के बाद भगवान राम के साथ फिर से जुड़ने के भावनात्मक महत्व को रेखांकित किया।

रास चुनाव...

और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा का नाम सूची में नहीं है और हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा का उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। राज्य में कांग्रेस के सत्ता में होने के कारण, भाजपा अपने सदस्य को यहां से निर्वाचित कराने की स्थिति में नहीं है और सूत्रों ने कहा कि नड्डा को किसी अन्य राज्य से उच्च सदन में लाया जा सकता है या वह लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सुधांशु त्रिवेदी को छोड़कर, उप्र के नौ निवर्तमान भाजपा सांसदों में से किसी को भी दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया गया है। उत्तर प्रदेश से जिन्हें राज्यसभा के लिए उम्मीदवार नहीं बनाया गया है उनमें अनिल जैन, अनिल अग्रवाल और जी वी एल नरसिम्हा राव शामिल है। भाजपा उप्र में राज्यसभा की 10 रिक्तियों में से अपने सात उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित कर सकती है।

कांग्रेस आदिवासी...

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है। उन्होंने सभा को संबोधित करने से पहले शुरू की गई 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस को गांव, गरीब और किसान सिर्फ चुनाव के दौरान याद आते हैं। हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिए सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है। केंद्र ने पिछले साल राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से आदिवासी आबादी के बीच सिकल सेल रोग से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना है। झाबुआ एक आदिवासी बहुल जिला है जिसकी सीमा भाजपा शासित राज्यों गुजरात और राजस्थान से लगती है। संयोग से, देश भर में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 47 लोकसभा सीटों में से छह मध्य प्रदेश में, चार गुजरात में और तीन राजस्थान में हैं।

मोदी ने सांस्कृतिक विरासत को विश्व में सम्मान दिलाया : शाह

भाषा। मैसुरु (कर्नाटक)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के पुनरुद्धार का हवाला देते हुए रविवार को भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। शाह ने मैसुरु के समीप सुत्तूर जात्रा (मेला) समारोह को संबोधित करते हुए मोदी की योग, आयुर्वेद और भारतीय भाषाओं के संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए प्रशंसा की। शाह ने कहा, नरेन्द्र मोदी ने देश की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का काम किया है। मोदी जी ने अयोध्या के राम मंदिर, काशी में काशी विश्वनाथ गलियारा, महाकाल गलियारा (उज्जैन में महाकाल लोक गलियारा) और केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे सांस्कृतिक केंद्रों के पुनरुद्धार के लिए काम किया है। मैसुरु जिले के नंजनगुड तालुक में कपिला नदी के किनारे स्थित सुत्तूर मठ राज्य के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है जो वीरशैवालिंगायत आस्था का प्रचार करता है। इस कार्यक्रम में सुत्तूर मठ के जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजएंद्र भी उपस्थित रहे। शाह ने अयोध्या में सुत्तूर मठ की एक शाखा खोलने का फैसला करने के लिए श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी की प्रशंसा की। उन्होंने 12वीं सदी के समाज सुधारक और दार्शनिक बसवेश्वर को श्रद्धांजलि देते हुए समाज के कल्याण में सुत्तूर मठ और उसके संतों के योगदान को भी स्वीकार किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं महास्वामीजी को बताना चाहता हूं कि

मैं और भाजपा का हरेक कार्यकर्ता समाज में सुत्तूर मठ के योगदान को हमेशा सम्मान देंगे और आने वाले दिनों में इसे लोगों के बीच ले लाने के प्रयासों को हर तरीके से समर्थन देंगे। अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला की प्रतिमा बनाने वाले मैसुरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज को इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। सुत्तुरु मेले में भाग लेने के बाद रविवार तड़के मैसुरु पहुंचे शाह यहां चामुंडी पहाड़ी गए और जोशी और विजएंद्र के साथ मैसुरु की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन-पूजन किए। उन्होंने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज मैसुरु में मां चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला। प्रत्एक नागरिक के कल्याण और समृद्धि तथा हमारे राष्ट्र को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए प्रार्थना की। बाद में दिन में, उन्होंने लोकसभा चुनाव की तैयारियों और जनता दल (सेक्युलर) यानी जदएस के साथ गठबंधन के संबंध में प्रदेश भाजपा कोर समिति के सदस्यों और पार्टी के मैसुरु क्लस्टर (मैसुरु, मांड्या, हासन और चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्रों) के नेताओं के साथ बैठकों में भाग लिया।भाजपा और जदएस ने गठबंधन किया है और कर्नाटक में लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है।यह बैठक महत्व रखती है, क्योंकि यह पुराने मैसुरु क्षेत्र में आयोजित की गई थी, जहां जदएस का काफी जनाधार है और कहा जाता है कि उसने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने की इच्छा व्यक्त की है।खबरों के मुताबिक, शाह ने बैठक में पार्टी नेताओं को निर्देश दिया कि वे जदएस के साथ भाजपा के गठबंधन के खिलाफ कोई टिप्पणी न करें। शाह का यह निर्देश हाल ही में कुछ नेताओं द्वारा क्षेत्रीय पार्टी को कुछ निर्वाचन क्षेत्र सौंपने के प्रति विरोध व्यक्त करने के बीच आया है।भाजपा की प्रदेश काई के अध्यक्ष बी वाई विजएंद्र ने पहले दिन में कहा था कि शाह लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की रणनीति तैयार कर सकते हैं, जदएस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बारे में चर्चा कर सकते हैं और क्षेत्रीय पार्टी को दी जाने वाली सीट की संख्या पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है।इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शाह को उनके साथ सार्वजनिक बहस में भाग लेने की चुनौती देते हुए कहा कि वह साबित कर सकते हैं कि राज्य की गारंटी योजनाओं के कारण राज्य का खजाना खाली नहीं है।सिद्धरमैया ने भाजपा नेताओं पर उनकी सरकार की गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या वे राज्य के लोगों के प्रति नफरत रखते हैं। सिद्धरमैया ने कहा कि जो लोग उनका विरोध करते हैं उन्हें भगवान राम की दया या मां देवी चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद नहीं मिल सकता है।

हल्द्वानी हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

भाषा। हल्द्वानी

● उत्तराखंड सरकार ने अतिरिक्त केंद्रीय बलों की मांग की

उत्तराखंड के हल्द्वानी में तीन दिन पहले हिंसा भड़काने के मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को रविवार को गिरफतार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि घटना में शामिल किसी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा।पुलिस सूत्रों ने बताया कि मलिक को दिल्ली से गिरफतार किया गया और उसे हल्द्वानी लाया जा रहा है। इसके साथ ही, बनभूलपुरा क्षेत्र में बृहस्पतिवार को हुई हिंसा के मामले में अब तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हल्द्वानी में हुई हिंसा में शामिल उपद्रवियों और अराजक तत्वों पर कार्वाई लगातार जारी है और सभी दंगाइयों को एक-एक कर गिरफतार किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी साफ किया कि प्रदेश में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।जो भी प्रदेश में अतिक्रमण है, उस पर कार्वाई निश्चित तौर पर होगी और इस अभियान को रोका नहीं जाएगा। बाद में, चंपावत के लोहाघट में एक जनसभा के दौरान उन्होंने कहा कि हल्द्वानी हिंसा में शामिल किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी रसूख वाला हो। उन्होंने कहा कि नुकसान की भरपाई भी दंगाइयों से ही की जाएगी।बनभूलपुरा में स्थित मलिक का बगीचा में अवैध मदरसा और नमाज स्थल के ध्वस्तीकरण के दौरान प्रशासनिक अमले पर स्थानीय लोगों की भीड़ ने हमला बोल दिया था। इस दौरान भीड़ में शामिल अराजक तत्वों ने छतों से पथराव किया, पेट्रोल बम फेंक कर वाहनों में आग लगाई और बनभूलपुरा पुलिस थाने को फूंक दिया। बिगड़ते हालात को संभालने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया इस दौरान हिंसक भीड़ में शामिल छह लोगों की मौत हो गई थी।बनभूलपुरा क्षेत्र को छोड़कर शेष हल्द्वानी में कर्फ्यू हटाए जाने के बाद नैनीताल की जिलाधिकारी वंदना सिंह के निर्देश पर प्रशासन ने बनभूलपुरा में भी आवश्यक सेवाओं को सुचारू कर दिया। बनभूलपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने के साथ ही दवाओं की दुकान भी खुलवा दी गई हैं।

पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज में चीन से एफडीआई प्रवाह की जांच कर रही है सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड की सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) में चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की जांच कर रही है। पीपीएसएल ने नवंबर 2020 में भुगतान एग्रीगेटर के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। आरबीआई ने हालांकि नवंबर 2022 में पीपीएसएल के आवेदन को खारिज कर दिया और कंपनी को इसे फिर से जमा करने के लिए कहा, ताकि एफडीआई नियमों के तहत प्रेस नोट तीन का अनुपालन किया जा सके। वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) में चीनी फर्म एंट ग्रुप कंपनी का निवेश है। इसके बाद, कंपनी ने एफडीआई दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित प्रेस नोट तीन का अनुपालन करने के लिए ओसीएल से कंपनी में पिछले निवेश के लिए भारत सरकार के साथ 14 दिसंबर, 2022 को आवश्यक आवेदन दायर किया। सूत्रों ने कहा कि एक अंतर-मंत्रालई समिति पीपीएसएल में चीन से निवेश की जांच कर रही है और उचित विचार तथा व्यापक जांच के बाद एफडीआई मुद्दे पर निर्णय लिया जाएगा। प्रेस नोट तीन के तहत, सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से किसी भी क्षेत्र में विदेशी निवेश से पहले उसकी मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था।

महाराष्ट्र के मंत्री जल्द ही अयोध्या की यात्रा करेंगे: फडणवीस

भाषा। मुंबई-पुणे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य के कैबिनेट मंत्री जल्द ही उत्तर प्रदेश में स्थित अयोध्या का दौरा करेंगे, जहां 22 जनवरी को राममंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। हालांकि, फडणवीस ने इस संबंध में और कोई जानकारी साझा नहीं की।काशी और मथुरा में इसी तरह के मंदिर विवादों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि कानूनी ढांचे के तहत एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जाएगा जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद) अयोध्या में राममंदिर का निर्माण किया जाना सुनिश्चित किया।

फडणवीस ने कहा कि मथुरा, काशी और अयोध्या, सभी पवित्र स्थान हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के बाद, लोगों के लिए मथुरा (कृष्ण जन्मभूमि) के विवाद के समाधान की उम्मीद करना स्वाभाविक है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने कहा, मेरा मानना है कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से राममंदिर का निर्माण हुआ, उसी तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि का भी समाधान सद्भाव और कानून के दायरे में होगा। फडणवीस ने कहा, काशी विश्वनाथ में एक नया गलियारा बनाया गया है। वहां पूजा की अनुमति भी दी गई है और अनुकूल माहौल देखा जा रहा है। सरल शब्दों में कहें तो ए सभी चीजें सद्भाव और कानून के मुताबिक हो रही हैं। वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पुणे के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए पुणे के पिंपरी चिंचवड में थे।हिंदू पक्ष का कहना है कि मथुरा में शाही ईदगाह उस स्थान पर बनाई गई थी जिसे भगवान कृष्ण का जन्मस्थान माना जाता है। वाराणसी की एक जिला अदालत ने पिछले महीने फैसला सुनाया था कि एक पुजारी ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में प्रतिमाओं की पूजा कर सकता है।

बंगाल राज्यसभा चुनाव में सागरिका और सुष्मिता होंगे टीएमसी के उम्मीदवार

भाषा। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पत्रकार सागरिका घोष, पार्टी नेता सुष्मिता देव और दो अन्य लोगों के नामों की रविवार को घोषणा की। पश्चिम बंगाल की पांच राज्यसभा सीट के लिए 27 फरवरी को चुनाव होंगे। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमें आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए सागरिका घोष, सुष्मिता देव, मोहम्मद नदीमुल हक और ममता बाला ठाकुर की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। टीएमसी ने कहा, हम उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं और आशा करते हैं कि वे हर भारतीय के अधिकारों की रक्षा के लिए अदम्य भावना और मुखर होने की तृणमूल की स्थाई विरासत को बनाए रखने की दिशा में काम करें। टीएमसी की ओर से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके नदीमुल हक को एक बार फिर से इसके लिए उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, तीन मौजूदा सांसदों - सुभाशीष चक्रवर्ती, अबीर विश्वास और शांतनु सेन को फिर से नामांकित नहीं करने का निर्णय पार्टी की रणनीति में एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतीक है। प्रसिद्ध पत्रकार सागरिका घोष अभी तक आधिकारिक तौर पर टीएमसी में शामिल नहीं हुई हैं। वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में शामिल होने वाली सुष्मिता देव अक्टूबर 2021 से अगस्त 2023 तक पार्टी की राज्यसभा सांसद रही हैं। टीएमसी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुष्मिता देव असम में पार्टी के मामलों को देखती हैं। हालांकि, जिनके नामांकन ने सबसे अधिक ध्यान खींचा है वह पूर्व लोकसभा सांसद और मतुआ समुदाय की नेता ममता बाला ठाकुर का है। दो बार की लोकसभा सांसद ठाकुर को 2019 में मतुआ बहुल बोंगांव सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शांतनु ठाकुर से हार का सामना करना पड़ा था। दोनों रिश्तेदार हैं।

पहलवान साक्षी मलिक ने उषा, मैरी कॉम पर साधा निशाना

भाषा। तिरुवनंतपुरम

संन्यास ले चुकी पहलवान साक्षी मलिक ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर महिला पहलवानों के एक समूह के विरोध प्रदर्शन को समर्थन नहीं देने के लिए देश की जानी-मानी खिलाड़ियों- पीटी उषा और मैरी कॉम पर निशाना साधा है। मलिक ने कहा कि हालांकि उषा और मैरी कॉम को उनकी जैसे खिलाड़ियों द्वारा एक प्रेरणा के रूप में लिया जाता था, लेकिन उन्होंने पीड़ित महिला पहलवानों के समर्थन में कुछ नहीं बोला।ओलंपिक पदक विजेता यहां कनकक्कुन्नू में आयोजित मातृभूमि इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ लेटर्स (एमबीआईएफएल) 2024 के तहत एक सत्र को संबोधित कर रही थी। अपने आंदोलन को लेकर दिग्गज खेल सितारों की प्रतिक्रिया पर हैरानी जताते हुए उन्होंने कहा कि उन दोनों ने पहलवानों को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई समाधान निकालने के लिए कुछ नहीं किया। मलिक ने कहा, पी टी उषा मैडम हमारे प्रदर्शन स्थल पर आई थीं। हमने उन्हें अपने मुद्दों के बारे में विस्तार से बताया था... वह हमारा समर्थन कर सकती थीं... लेकिन वह हमें यह आश्वासन देने के बावजूद चुप रहीं कि वह हमारे साथ खड़ी रहेंगी ।

राष्ट्रपति मुर्मू आर्मी गार्ड बटालियन की रस्मी अदला-बदली की साक्षी बनी

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन में तैनात आर्मी गार्ड बटालियन की रस्मी अदला-बदली और औपचारिक परिवर्तन की रविवार को साक्षी बनीं। समारोह के दौरान, रस्मी आर्मी गार्ड बटालियन के रूप में सिख रेजिमेंट की छठी बटालियन ने अपना कार्यकाल पूरा करने पर, पांचवीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन को कार्यभार सौंप दिया। राष्ट्रपति भवन में सेना की विभिन्न इन्फैंट्री (पैदल सेना की) इकाइयां बारी-बारी से रस्मी आर्मी गार्ड के रूप में सेवा देती हैं। आर्मी गार्ड बटालियन, राष्ट्रपति भवन में रस्मी गार्ड ड्यूटी करने के अलावा

गणमान्य व्यक्तियों को गार्ड ऑफ ऑनर , गणतंत्र दिवस परेड, स्वतंत्रता दिवस परेड, बीटिंग रिट्रीट जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में रस्मी कर्तव्यों का निर्वहन करती है। मुर्मू ने कार्यक्रम में, सैन्य परंपराओं के उच्चतम मानकों का पालन करने और राष्ट्रपति भवन में पूर्ण समर्पण के साथ अपना कर्तव्य निर्वहन करने के लिए सिख रेजिमेंट की छठी बटालियन के अधिकारियों और सैनिकों की सराहना की। उन्होंने पांचवीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन का स्वागत किया और साथ ही विश्वास जताया कि वे अपने कार्यकाल के दौरान 166 वर्षों के अपने गौरवशाली इतिहास के अनुरूप राष्ट्रपति भवन में एक नया मानदंड स्थापित करेंगे। सेवा देने के लिए आने वाली पांचवीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन की स्थापना 22 मई, 1858 को हुई थी।

कन्यादान योजना राशि को बढ़ाकर 25,000 रुपए किया जाएगा: शिंदे

पालघर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य सरकार की कन्यादान योजना के तहत वित्तीय सहायता 10,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री शिंदे ने शनिवार को पालघर में एक सभा के दौरान कहा कि इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव जल्द ही जारी किया जाएगा।

मिजोरम से 1.75 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त, तीन पकड़े गए

आइजोल। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने पूर्वी चंपई जिले में दो अभियानों में करीब 1.75 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को पकड़ा गया है जिनमें एक म्यांमा का नागरिक भी शामिल है। उन्होंने बताया कि मिजोरम-म्यांमा सीमा के मेलबुक रोड जंक्शन पर 86.8 लाख रुपए कीमत की 124 ग्राम हेरोइन और न्यू ह्यूकुआन में 88.9 लाख रुपए की 127 ग्राम हेरोइन जब्त की। अधिकारी ने बताया कि पूरी खेप और तीनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्यवाही करने के लिए जोखावथर में पुलिस को सौप दिया गया है।

भड़काऊभाषण मामले में इस्लामी धर्मगुरु अजहरी को जमानत दी

भुज। गुजरात के कच्छ जिले की एक अदालत ने रविवार को मुंबई स्थित इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी को दूसरे भड़काऊ भाषण मामले में जमानत दे दी। करीब दो सप्ताह पहले जिले के सामाखियाली कस्बे में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के सिलसिले में अजहरी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। सामाखियाली के पुलिस उप-निरीक्षक विशाल पटेल ने कहा कि भचाऊमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) वाई शर्मा की अदालत ने मौलवी को जमानत दे दी। विशाल पटेल ने कहा कि जमानत मिलने के बाद अजहरी को राजकोट केंद्रीय कारागार ले जाया गया, जहां से अरवल्ली पुलिस शुक्रवार को मोडासा पुलिस थाने में उनके खिलाफ दर्ज तीसरे भड़काऊ भाषण मामले में उसे हिरासत में लेगी। आठ फरवरी को भचाऊअदालत ने अजहरी को रविवार तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रविवार को जब उन्हें अदालत में पेश किया गया तो अजहरी के वकील ने जमानत याचिका दायर की।

बोरा, केशब महंत एक बार फिर एजीपी के अध्यक्ष व कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए

गुवाहाट। असम के कैबिनेट मंत्रियो अतुल बोरा और केशब महंत को रविवार को एक बार फिर असम गण परिषद (एजीपी) का क्रमशः अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। एजीपी असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में सहयोगी दल है। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार दोनों नेताओं को पुनः निर्वाचित घोषित किया गया। बोरा ने बदलते समय के अनुरूप क्षेत्रीय पार्टी को नया रूप देने की जरूरत पर बल देते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। आधार बढ़ाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले पंचायत चुनावों के महत्व पर प्रकाश डाला। महंत ने एक्स पर एकपोस्ट में कहा कि वह एजीपी के साथ जुड़कर और इसके माध्यम से राज्य की सेवा करके खुद को भाग्यशाली मानते है। कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा,सभी के आशीर्वाद और सहयोग से हम पार्टी को नई आकांक्षाओं और प्रतिबद्धताओं के साथ आगे ले जाने का प्रयास करेंगे।

क्विक न्यूज

एसएफआईओ के नोटिस का जवाब दें विजयन और उनकी बेटी : भाजपा

तिरुवनंतपुरम। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की जांच के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए रविवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनकी बेटी टी. वीणा की आलोचना की तथा उनसे आग्रह किया कि अगर वह ईमानदारी है तो वे जांच एजेंसी के नोटिस का जवाब दे। एसएफआईओ टी वीणा के स्वामित्व वाली बंद हो चुकी आईटी कंपनी की जांच कर रही है।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि यदि दो कंपनियो के बीच कोई अनुबंध है, तो विशेष सेवा के खरीदार और विक्रेता को जवाब देना होगा, और क्योंकि ऐसा नही हुआ, इसलिए एसएफआईओ ने मुख्यमंत्री की बेटी को नोटिस जारी किया। मुरलीधरन का यह बयान मीडिया में आई उन खबरों के मद्देनजर आया है, जिसमे कहा गया है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय सोमवार को वीणा की आईटी कंपनी द्वारा केंद्रीय एजेंसी की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर विचार करेगा। मुरलीधरन ने यहां अट्टिंगल मे संवाददाताओं से कहा, अगर अवैध भुगतान मामले में मुख्यमंत्री के हाथ साफ है तो अदालत जाने की बजाय जांच एजेंसी को जवाब देना चाहिए विजयन ने हाल ही मे राज्य विधानसभा मे कहा था कि इस मामले में उनके हाथ साफ है और इसलिए आरोपों का उन पर कोई असर नही पड़ेगा। केंद्र ने हाल ही मे कोच्चि स्थित निजी खनिज कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और विजयन की बेटी की कंपनी-एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी हुई वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की एसएफआईओ जांच का आदेश दिया था।

सेवानिवृत्ति के बाद लाभ देगा गोल्ड पेंशन सेविंग्स

मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने एक टैक्स एफीशिएंट पेंशन प्रोडक्ट आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स लॉन्च किया है। इसमें ग्राहकों को व्यवस्थित योगदान करने और वित्तीय रूप से स्वतंत्र सेवानिवृत्त जीवन जीने के लिए वांछित सेवानिवृत्ति कोष बनाने की सुविधा मिलती है। यह प्लान देश का पहला ऐसा प्रोडक्ट भी है जो ग्राहकों को निवेश की गई पूंजी की सुरक्षा, कॉम्प्लीमेंट्री स्वास्थ्य जांच और आंशिक निकासी की सुविधा प्रदान करता है। ग्राहक तीन साल की अवधि के बाद किए गए योगदान का 25 प्रतिशत तक हिस्सा निकाल सकते हैंए जिससे वे लिक्विडिटी संबंधी अपनी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। इसके अलावाए वार्षिक बोनसए जब भी घोषित किया जाता है, कॉर्पस और परिणामस्वरूप एन्यूटि को और मजबूत करने की क्षमता रखता है। चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पलटा ने कहा कि देश में तेजी से बदलती पारिवारिक संरचना के साथ सेवानिवृत्ति योजना की अहमियत बहुत बढ़ गई है। आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स,एक टैक्स एफीशिएंट प्रोडक्ट है जिसे इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि ग्राहक वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने के लिए आवश्यक सेवानिवृत्ति फंड तैयार करने के लिहाज से नियमित योगदान कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि हम जानते हैं कि सेवानिवृत्ति योजना एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है और ग्राहकों की वित्तीय परिस्थितियाँ बदल सकती हैं। 25 प्रतिशत तक की आंशिक निकासी की सुविधा से ग्राहक अपनी लिक्विडिटी संबंधी आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं और इस दौरान भी उनकी सेवानिवृत्ति बचत योजना जारी रहती है।

सरकारी परीक्षाओं की तैयारी ऑफ़लाइन होगी

नोएडा । भारत का प्रमुख एड-टेक प्लेटफॉर्म, फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) ने लखनऊ में सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अपने पहले ऑफ़लाइन सेंटर का उद्घाटन किया। यह विस्तृत कोर्स और सही मार्गदर्शन की कमी जैसी समस्याओं को हल करेगा और बेहतर अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएगा। केंद्र का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। ऑर्गनाइजेशन की सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए और सेंटर शुरूकर ऑफ़लाइन विस्तार की योजना भी है। सेंटर छात्रों को एसएससी, बैंकिंग, यूपीएसएसएससी, उत्तर प्रदेश पुलिस, रेलवे, टीचिंग, बीमा और डिफेंस परीक्षाओं के लिए तैयार करेगा। मजबूत अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ, इस सेंटर में 8 तकनीकी-सक्षम कक्षाएँ और 650 छात्रों के बैठने की जगह है। फिजिक्स वाला, ऑनलाइन के सीईओ अतुल कुमार ने कहा, फिजिक्स वाला में, हम सिर्फ अपनी वास्तविक उपस्थिति का विस्तार नहीं कर रहे हैं, हम अवसरों से भरे भविष्य के लिए पुल बना रहे हैं। तकनीकी नवाचार, एक्सपर्ट फैकल्टी और व्यापक संसाधनों के साथ, हम सफलता के नये मानदंड स्थापित कर रहे हैं। हमारा मिशन शिक्षा देने से भी आगे है, हम सपनों को साकार करना और जीवन को बदलना चाहते हैं।

विनोद कुमार और वासुदेवन को मिला सम्मान

नई दिल्ली। लेखन और जीवन के समग्र अवदान के लिए इस वर्ष अमर उजाला का सर्वोच्च शब्द सम्मान आकाशदीप हिंदी में प्रख्यात रचनाकार विनोद कुमार शुक्ल और हिंदीतर भाषाओं में मलयालम के विख्यात लेखक फिल्म निर्देशक एम टी वासुदेवन नायर को दिया जाएगा।आकाशदीप के अंतर्गत हिंदी के साथ अब तक कन्नड़, मराठी, बांग्ला तथा उड़िया को लिया जा चुका हैए इस वर्ष मलयालम को चुना गया है। हिन्दीतर भारतीय भाषाओं में गिरीश कर्नाड, भालचंद्र नेमाडे, शंख घोष और प्रतिभा राय के साथ हिंदी में नामवर सिंह, ज्ञानरंजन, विश्वनाथ त्रिपाठी और शेखर जोशी आकाशदीप से अलंकृत हो चुके हैं। सर्वोच्च आकाशदीपश् अलंकरण हिंदी और अन्य भारतीय भाषा के एकएक साहित्य मनीषी को अर्पित किया जाता है। अलंकरण में पांचपांच लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र और प्रतीक के रूप में गंगा प्रतिमा सम्मिलित हैं। छाप श्रेणी में कविता वर्ग में कुमार अम्बुज के संग्रह उपशीर्षक को श्रेष्ठ कृति के रूप में चुना गया है। कथा वर्ग में मनोज रूपड़ा के कहानी संग्रह दहन तथा कथेतर वर्ग में दलपतसिंह राजपुरोहित की कृति,सुन्दर के स्वप्न को वर्ष की श्रेष्ठ कृति का सम्मान दिया जायेगा।

अल नीनो कमजोर पड़ रहा, भारत में मानसून की अच्छी बारिश होने की उम्मीद बढ़ी

नई दिल्ली। मौसम विज्ञानियो ने अनुमान जताया है कि 2023 को गर्म मौसम वाला वर्ष बनाने के बाद, अल नीनो की दशाएं इस साल जून तक खत्म हो जाएंगी, जिससे इस बार मानसून की अच्छी बारिश होने की उम्मीद बढ़ गई है। कम से कम दो वैश्विक जलवायु एजेंसियों ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि दुनिया भर के मौसम को प्रभावित करने वाला अल नीनो कमजोर होना शुरू हो गया है और अगस्त तक ला नीना की स्थिति बनने की संभावना है। अल नीलो, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के जल के गर्म होने की प्रक्रिया है। घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहे भारत के मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि जून-अगस्त तक ला नीना की स्थिति बनने का मतलब यह हो सकता है कि इस साल मानसून की बारिश पिछले साल की तुलना मे बेहतर होगी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने कहा कि जून-जुलाई तक ला नीना की स्थिति बनने की अच्छी संभावना है। उन्होने कहा, यदि अल नीनो, ईएनएसओ(अल नीनो साउदर्न ओस्सीलेशन)-न्यूट्रल स्थितियो मे परिवर्तित हो गया, तो भी इस वर्ष मानसून पिछले वर्ष की तुलना मे बेहतर रहेगा। भारत की वार्षिक वर्षा मे लगभग 70 प्रतिशत दक्षिण-पश्चिम मानसून से होती है, जो कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यह सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत है और देश की 1.4 अरब आबादी मे से आधे से अधिक को रोजगार देता है। अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस बारे मे 79 प्रतिशत संभावना है कि अल नीनो अप्रैल-जून तक ईएनएसओ-न्यूट्रल मे परिवर्तित हो जाएगा और जून-अगस्त मे ला नीना विकसित होने की 55 प्रतिशत संभावना है। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने पुष्टि की है कि अल नीनो कमजोर पड़ने लगा है। ला नीना, अल नीनो का चक्रीय प्रतिरूप है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डी शिवानंद पई ने कहा, अभी, हम निश्चित तौर पर कुछ नही कह सकते। कुछ मॉडल, ला नीना का संकेत देते है, जबकि कुछ ईएनएसओ-न्यूट्रल दशाओं का संकेत दे रहे हैं। हालांकि, सभी मॉडल अल नीनो समाप्त होने का संकेत दे रहे है। एनओएए ने कहा कि मजबूत अल नीनो परिघटना के बाद ला नीना की प्रवृत्ति रही है। पई ने कहा कि यह माते हुए कि अल नीनो 2024 की पहली छमाही तक जारी रहेगा, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने पहले पूर्वानुमान किया था कि यह वर्ष, 2023 से अधिक गर्म रहेगा। उन्होने कहा, अगर ला नीना विकसित होता है तो मौजूदा वर्ष, 2023 से ज्यादा गर्म नही होगा।

गोडसे पर एनआईटी प्रोफेसर की टिप्पणी की जांच पड़ताल के लिए समिति का गठन

कोझिकोड (केरल)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कालीकट (एनआईटी) ने एक महिला प्रोफेसर की हालिया उस विवादास्पद टिप्पणी की जांच पड़ताल के लिए एक समिति का गठन किया है, जिसमें महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का कथित तौर पर महिमामंडन किया गया था। समिति का गठन प्रोफेसर ए शैजा के खिलाफ उनकी फेसबुक टिप्पणी के लिए पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के एक सप्ताह बाद किया गया है। शनिवार को यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि संस्थान ने समिति के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।इसमें कहा गया है कि संस्थान के अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संस्थान किसी भी ऐसी टिप्पणी का समर्थन नही करता है जो महात्मा गांधी के सिद्धांतो और मूल्यो के खिलाफ हो।बयान में कहा गया है, संबंधित टिप्पणी से संबंधित शिकायतो के समाधान के लिए, संस्थान ने घटना के विभिन्न पहलुओं की गहन जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। इसमें कहा गया है, समिति एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करेगी और इसके निष्कर्षों के आधार पर उच्च अधिकारियो द्वारा उचित कार्वाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि एनआईटी-कालीकट शुचिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उसके संकाय सदस्य सिद्धांतों का पालन करें। अधिकारियो ने यह भी कहा कि संस्थान एक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित है।यहां संस्थान मे मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की एक वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर ए शैजा ने 30 जनवरी को फेसबुक पर टिप्पणी पोस्ट की थी, भारत को बचाने के लिए गोडसे पर गर्व है।

सोमालिया में आतंकी हमले में यूएई के चार सैनिकों, बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत

भाषा। दुबई

अल-कायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर शनिवार को हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस हमले में, सैन्य अड्डे पर एक प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के चार सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई थी। यह हमला शनिवार को मोगादिशु में जनरल गॉर्डन सैन्य अड्डे पर सैनिकों को निशाना बनाकर किया गया। हमले का विवरण तथा इसमें और किसी व्यक्ति के मारे जाने की जानकारी नहीं है। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने हमले में यूएई के सैनिकों की मौत होने को लेकर देश के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। यूएई की आधिकारिक डब्ल्यूएएम समाचार एजेंसी ने आतंकी हमले में अपने तीन सैनिकों और बहरीन के अधिकारी की मौत होने की खबर जारी की। खबर के मुताबिक, यूएई ले जाए जाने के दौरान एक अन्य सैनिक की मौत हो गई। खबर में कहा गया है कि जान गंवाने वालों में एक कर्नल रैंक के अधिकारी समेत दो वारंट अधिकारी और एक सैनिक शामिल हैं। वहीं, बहरीन की सेना ने एक बयान जारी कर हमले में मेजर रैंक के एक अधिकारी की मौत की पुष्टि की। अल-शबाब ने एक ऑनलाइन बयान में हमले की जिम्मेदारी ली और दावा किया कि इसमें यूएई की सेना से संबंध रखने वाले कई लोग मारे गए।

अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली

दुबई। अल-कायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह अल-शबाब ने सोमालिया की राजधानी में एक सैन्य अड्डे पर शनिवार को हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस हमले में, सैन्य अड्डे पर एक प्रशिक्षण मिशन पर आए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन सैनिकों और बहरीन के एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई थी। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने हमले में यूएई के सैनिकों की मौत होने को लेकर देश के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। यूएई की आधिकारिक डब्ल्यूएएम समाचार एजेंसी ने रविवार सुबह आतंकवादी कृत्य में अपने तीन सैनिकों और बहरीन के सैनिक की मौत की खबर जारी की।

तुर्किए : इस्तांबुल में चुनावी सभा के दौरान गोलीबारी, एक गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्किए के इस्तांबुल में आगामी नगर निकाय चुनाव के लिए चल रहे प्रचार अभियान के दौरान गोलीबारी करने वाले हमलावरों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने रविवार को यह जानकारी दी। एर्दोआन ने शनिवार के हमले की निंदा की जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्होंने संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश के लिए पुलिस और अभियोजकों की प्रशंसा की। राष्ट्रपति ने हमलावरों के किसी संगठन से संबंधित होने या उनकी मंशा को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की। तुर्किए की अर्द्ध सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू की खबर के मुताबिक शनिवार को यह हमला तब हुआ जब जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी या एकेपी के इस्तांबुल के कुकुकसेकेमेस जिले से महापौर उम्मीदवार अजीज एनिया एक महासंघ का दौरा कर रहे थे। खबर के मुताबिक 32 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और हमलावर एक वाहन में सवार होकर भाग गए। पुलिस ने कहा कि वे सुरक्षा कैमरे के फुटेज की जांच कर रहे हैं और उन्हें घटनास्थल पर कारतूस के 17 खोखे मिले हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि हमलावर एक सफेद रंग की कार से गोलीबारी करते हैं और मौके से फरार हो जाते हैं। तुर्किए में 31 मार्च को महापौर का चुनाव होगा। एर्दोआन की सत्तारूढ़ पार्टी को उम्मीद है कि वह कई अहम शहरों और जिलों की सत्ता में दोबारा आएगी जहां उसे पांच साल पहले विपक्षी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी से हार का सामना करना पड़ा था। एकेपी को पांच साल पहले देश के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल और राजधानी अंकारा में भी हार का सामना करना पड़ा था।

क्विक न्यूज

नागरिकों ने आम चुनाव में अपनी इच्छा पूरे जोर-शोर से जता दी है : पाकिस्तान के राष्ट्रपति

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी ने रविवार को कहा कि देश के आम चुनाव में मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं और युवाओं ने जोर-शोर से अपनी इच्छा जता दी है। अल्वी ने सभी राजनीतिक दलों और संस्थाओं से नागरिकों के विशाल जनादेश का सम्मान करने का आग्रह किया। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा 2018 में देश का राष्ट्रपति बनाए जाने से पहले अल्वी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के वरिष्ठ सदस्य थे। अल्वी ने एक्स पर लिखा, मुझे पाकिस्तान के लोगों, विशेषकर महिलाओं को बड़ी संख्या में बाहर आने, सभी दबावों को झेलने और लोकतंत्र के लिए खड़े होने के लिए बधाई देनी चाहिए। युवा विशेष उल्लेख के पात्र हैं और मैं मतदान प्रक्रिया में शांतिपूर्ण ढंग से भाग लेकर देश के बारे में फैसला करने के लिए उनकी प्रशंसा करता हूं। अतीत में पीटीआई समर्थक कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले राष्ट्रपति ने एक पोस्ट में कहा, उन्होने लोकतंत्र में विश्वास जताया है। यह विश्वास बहुत कीमती है, यह इतिहास में दर्ज होगा और इसे स्वीकार जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सामने मौजूद गंभीर वित्तीय संकट से बाहर आने के लिए एक सच्चा जनादेश आवश्यक है ताकि देश अतीत की कड़वाहट को दूर करने और सुधार के लिए कठिन निर्णय ले सके।

पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजों को चुनौती देते हुए अदालतों में कई याचिकाएं दायर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की अदालतो मे याचिकाओ की बाढ़ आ गई है क्योंकि जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ द्वारा समर्थित कई उम्मीदवारो ने चुनावी धांधली का आरोप लगाते हुए आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के नतीजो को चुनौती दी है। अधिकांश याचिकाएं लाहौर उच्च न्यायालय मे दायर की गई, जबकि खान की पार्टी समर्थित दो उम्मीदवारो ने चुनाव परिणामों के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया और कम से कम तीन याचिकाएं सिंध उच्च न्यायालय मे दायर की है। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमे खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारो ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वही, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद मे सबसे बड़ी पार्टी के रूप मे उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीट मिली, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट हासिल हुई है। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की। लाहौर उच्च न्यायालय मे दायर याचिकाओ मे पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज की जीत को चुनौती दी गई। ऐसी याचिकाएं दायर करने वालों में से अधिकांश लोग खान की पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार है। याचिकाएं दायर करने वालो मे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री परवेज इलाही और उनकी पत्नी कैसर, खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व वित्त मंत्री तैमूर झागरा और खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष महमूद जान जैसे राजनीतिक नेता शामिल है। लाहौर मे, पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ, उनकी बेटी मरयम और पूर्व रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की जीत को चुनौती दी गई है।

विश्व में पुरुषों में बढ़ रहा आभूषण का क्रेज

ग्लोबल। नए साल में काम पर जाना वो भी एक स्टाइल स्टेटमेंट के साथ किसे नहीं पसंद होगा इसलिए पुरुषों के लिए अपने स्टाइल को और भी शानदार बना कर इस स्टाइल से दूसरों को लुभाने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। चाहे वह साल की पहली छुट्टी हो, कोई कॉर्पोरेट इवेंट हो या दोस्तों और परिवार के साथ मिलना जुलना हो, ये नए ट्रेंड आपके लुक में चार चांद लगा देने का वादा करते हैं। वर्ष 2024 में ख़ास पुरुषों के लिए तैयार किए गए आभूषण कलेक्शन स्टाइल में निहायती सोफिस्टिकेटेड प्लैटिनम आभूषणों की मनोरम सुंदरता को समेटे है, जो आपको भीड़ से अलग कर आपके लुक को और भी नायब बना देते है। तो इस नए साल में, अपने आभूषणों को कुछ ऐसा जादुई स्पर्श दें जो आपको आपके पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों ही ज़िंदगी में कुछ खास महसूस कराएं। मैन ऑफप्लैटिनम अपने नए संग्रह में नेकवियर, रिस्ट वियर और अंगूठियों की बड़ी रेंज लेकर आया है। जो वैश्विक रुझानों से प्रेरणा ले कर ख़ास तौर पर पुरुषों के लिए तैयार किए गए हैं। 95 प्रतिशत शुद्ध और दुर्लभ प्लैटिनम से तैयार की गई हर एक डिज़ाइन को अलग. अलग प्रकार के आउटफिट के साथ पहना जा सकता है और कई तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। इस पर टिप्पणी करते हुए पीजीआई इंडिया की बिजनेस डायरेक्टर पल्लवी शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में पुरुषों के आभूषणों का चलन एक बार फिर से दिखाई दे रहा जो पारंपरिक सीमाओं से थोड़ा हट कर है। यह केवल एक साधारण शादी के बैंड या घड़ी की सीमा तक सीमित नहीं रहा बल्की कहीं आगे बड़ गया है। हम व्यक्तित्व को गले लगाने वाले बहुमुखी पीसेज की ओर लोगों के बढ़ते आकर्षण को देख पा रहे हैं, क्योंकि पुरुष आभूषणों के साथ अलग-अलग तरह के एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं, इसलिए उन्हें फ्लेक्सी या सेमी-फ्लेक्सी डिजाइनों की विशेषता वाले उदार स्टेकर लुभा रहे हैं। लोगों की दिलचस्पी कलाई में पहने वाले गोल आभुषण जो एकल सिग्नेट आकर्षण से सुसज्जित हो उनमें भी बढ़ रही है। यह वर्ष बारीकियों से सजे सहज लालित्य के मिश्रण का उत्सव है। यह ऐसे आभूषणों को बनाता है जो आपके व्यक्तित्व पर बखूबी फबते हों और एक अलग ही परिभाषा बयां करते हों।

कैलिफोर्निया में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नाइजीरिया के प्रमुख बैंक के सीईओ की मौत

कैलिफोर्निया (अमेरिका)। दक्षिण कैलिफोर्निया के मोहावी मरुस्थल में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमे सवार नाइजीरिया के सबसे बड़े बैंको मे से एक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई है। हेलीकॉप्टर शुक्रवार रात 10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ और उसमे सवार छह लोगो मे एक्सेस बैंक के सीईओ हर्बर्ट विग्वे (57) भी शामिल थे। नाइजीरियाई स्टॉक एक्सचेंज एनजीएक्स ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष बैमोफिन अबिमबोला ओगुनबांजो भी हादसे मे मारे गए। नाइजीरिया के पूर्व वित्त मंत्री नगोजी अकोंजो-इवेला ने इन मौत की पुष्टि की है। इवेला अब विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक है। उन्होने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, हर्बर्ट विग्वे, उनकी पत्नी और बेटे के साथ ही ओगुनबांजो की एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना मे मौत होने की खबर से बहुत दुखी हूं। विग्वे की मौत से नाइजीरिया और बैंकिंग क्षेत्र मे शोक की लहर छा गई है। विग्वे के नेतृत्व मे ही एक्सेस बैंक की संपत्ति और उपस्थिति कई अफ्रीकी देशो मे बढ़ी। नाइजीरियाई राष्ट्रपति के प्रवक्ता बायो ओनानुगा ने एक्स पर कहा, विग्वे के पास एक्सेस होल्डिंग्स (मूल कंपनी) को अफ्रीका की सबसे बड़ी कंपनी बनाने की दूरदृष्टि थी। संघीय विमानन प्रशासन ने पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर यूरोकॉप्टर ईसी 120 मे छह लोग सवार थे। उसने रात करीब आठ बजकर 45 मिनट पर पाम स्प्रिंग्स हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और वह नेवाडा के बोल्डर शहर जा रहा था।

जापानी हेल्थकेयरं हाइपरटेंशन पर चलाएगा अभियान

जापान। होम हेल्थ मॉनिटरिंग एवं उपचार के लिए चिकित्सा उपकरणों में जापानी ग्लोबल लीडर की भारतीय शाखा ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र, अयोध्या में हाइपरटेंशन मैनेजमेन्ट पर विशेष जागरुकता अभियान की शुरूआत की है। अभियान का विषय है हर हृदय में बसते हैं भगवान श्री राम हर हृदय की सुरक्षा है हमारा काम। इसका उद्देश्य, ओमरॉन के गोइंग फॉर ज़ीरो दृष्टिकोण के अनुरूप हाइपरटेंशन के लिए होम ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग के बारे में जागरुकता बढ़ाना है, ताकि सतर्कता बरत कर दिल की बीमारियों की संभावना को कम किया जा सके। श्री टेटसुया यमादा, मैनेजिंग डायरेक्टर ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया ने कहा कि भरोसमंद एवं इस्तेमाल में आसान बीपी मॉनिटर्स के द्वारा मरीज़ घर बैठे अपने बीपी पर निगरानी रख सते हैं। हमारे अध्ययनों के अनुसार भारत में बीपी के मरीज़ों में बीपी मॉनिटर की पहुंच मात्र 5 फीसदी है। इसके इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए हमें बीपी मॉनिटरिंग के बारे में जागरुकता बढ़ानी होगी, क्योंकि ऐसा करना रोग के प्रबन्धन के लिए बेहद ज़रूरी है। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे ज्यादा आबादी 16.5 फीसदी वाला प्रदेश है ऐसे में इस जागरुकता अभियान की शुरूआत के लिए यह सही लोकेशन है। 15 दिवसीय अभियान के तहत ओमरॉन हेल्थकेयर मंदिर परिसर में आने वाले लोगों को निःशुल्क बीपी एवं ईसीजी रीडिंग उपलब्ध कराएगा। लोगों को बीपी की नियमित मॉनिटरिंग के महत्व पर जागरुक किया जाएगा। कंपनी ने इस अभियान के तहत अयोध्या के श्री राम गवर्नमेन्ट हॉस्पिटल को डिजिटल ब्लड प्रेशर मॉनिटर एवं ओमरॉन के अन्य प्रोडक्ट्स भी दान में दिए हैं।

एक दोषी की सजा माफ करने पर आलोचनाओं में घिरी हंगरी की राष्ट्रपति ने दिया इस्तीफा

बुडापेस्ट। बाल यौन उत्पीड़न मामले में संलिप्तता के दोषी की सजा माफ करने को लेकर आलोचनाओ में घिरी हंगरी की राष्ट्रपति कैटालिन नोवाक ने अपने पद से शनिवार को इस्तीफा दे दिया। नोवाक (46) ने टेलीविजन पर प्रसारित एक संदेश मे कहा कि वह राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देगी। वह 2022 से इस पद की जिम्मेदारी संभाल रही थी। नोवाक ने एक सरकारी बाल आश्रय मे बाल यौन उत्पीड़न मामले से जुड़े सबूतों को छुपाने के एक दोषी की सजा अप्रैल 2023 में माफ कर दी थी। दोषी के खिलाफ यह आरोप साबित हुआ था कि वह पीड़ितों पर आश्रय स्थल के निदेशक पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप वापस लेने का दबाव बना रहा था। इस मामले मे सबूत छुपाने की कोशिश करने के अपराध मे दोषी को तीन से अधिक वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई थी। दोषी की सजा माफ करने के नोवाक के इस फैसले का खुलासा होने के बाद देशभर में इसकी व्यापक पैमाने पर आलोचना हुई। नोवाक ने इस निर्णय का खुलासा होने के एक सप्ताह बाद राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया। नोवाक ने दोषी की सजा माफ करने के फैसले को लेकर माफी मांगते हुए शनिवार को कहा, मैने गलती की। उन्होने कहा, मै उन लोगो से माफी मांगती हू जिन्हे मैने ठेस पहुंचाई है और मै उन पीड़ितों से भी क्षमा मांगती हूं जिन्हे लगा होगा कि मै उनके लिए खड़ी नही हो रही हूं। नोवाक ने कहा, मै राष्ट्र प्रमुख के रूप में आपको आज आखिरी बार संबोधित कर रही हूं। मै देश के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देती हूं।

तनाव के बीच ईरान में मनाई गई इस्लामी क्रांति की 45वीं वर्षगांठ

तेहरान। गाजा पट्टी मे हमास के खिलाफ इजराइल के हमलो को लेकर पश्चिम एशिया मे व्याप्त तनाव के बीच ईरान ने रविवार को 1979 की इस्लामी क्रांति की 45वी वर्षगांठ मनाई। हजारो ईरानी नागरिकों ने क्रांतिकारी और धार्मिक नारे लिखे झंडो, गुब्बारों और बैनर से सजी सड़को और चौराहो से होकर जुलूस निकाला। तेहरान मे भीड़ ने ईरानी झंडे लहराए और अमेरिका मुर्दाबाद और इजराइल मुर्दाबाद लिखी तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी की। कुछ लोगो ने अमेरिका और इजराइल के झंडे जलाए, जो सरकार समर्थक रैलियो मे एक आम बात है। जुलूस कई स्थानो से शुरू हुए और आजादी चौराहे पर एकत्रित हुए। सरकारी टीवी ने कई शहरों और कस्बो मे लोगो की भीड़ दिखाई और दावा किया कि देश भर मे लाखो लोगो ने रैलियो मे भाग लिया। देश भर के बड़े शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ईरान मे शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन को लेकर व्यापक अशांति के साथ इस्लामी क्रांति की शुरुआत हुई। कथित तौर पर कैंसर से पीड़ित शाह जनवरी 1979 मे देश छोड़कर भाग गए थे। इसके बाद अयातुल्ला खुमैनी निर्वासन से लौट आए और प्रदर्शनकारियो तथा सुरक्षा बलो के बीच बड़े पैमाने पर टकराव के बाद 11 फरवरी, 1979 को सरकार गिर गई।

ब्रिटेन में भारतीय व्यक्ति ने पत्नी की हत्या का जुर्म कबूल किया

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के दक्षिणी हिस्से मे स्थित एक आवास में पिछले साल अपनी पत्नी की हत्या करने का जुर्म उसके पति ने कबूल कर लिया है। वे दोनों भारतीय नागरिक है। महक शर्मा (19) की 29 अक्टूबर की शाम हत्या करने के संदेह मे साहिल शर्मा (24) को उनके क्रोयिडन स्थित ऐश-ट्री-वे स्थित मकान से गिरफ्तार किया गया था। शर्मा को किंग्स्टन क्राउन कोर्ट मे बृहस्पतिवार को पेश किया गया, जहां उसने महक की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। अदालत अब इस मामले मे 26 अप्रैल को सजा सुनाएगी। महानगर पुलिस की अपराध विशेषज्ञ कमान की जांच निरीक्षक लॉरा सेम्पली ने बताया, साहिल शर्मा के कृत्य ने एक परिवार को तबाह कर दिया। उसने अपनी पत्नी की हत्या करके उसके परिवार से उसकी प्यारी बेटी छीन ली है और इसके पीछे की वजह वही जानता है। उन्होने कहा, महक की हत्या उसी के घर मे की गई जहां उसे सबसे अधिक सुरक्षित होना चाहिए था, और ऐसे व्यक्ति द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया जिसे उससे प्यार करना चाहिए और उसकी रक्षा करनी चाहिए। मेरी संवेदनाएं मृतका के परिवार के प्रति है। महक की 29 अक्टूबर को हत्या की गई थी। पुलिस ने 31 अक्टूबर 2023 को महक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें उसकी गला घोटकर हत्या करने का खुलासा हुआ।

मां ने शिशु को गलती से ओवन में रखा, शिशु की मौत

कंसास सिटी। अमेरिका के मिजूरी मे एक मां ने अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से ओवन (खाद्य सामग्री बनाने या उन्हें गर्म करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) मे रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। एक अभियोजक ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंसास सिटी की मारियाह थॉमस पर अपने बच्चे को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए है। पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नही लेने की जानकारी मिली थी। इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान मे कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे और उसे मृत घोषित कर दिया गया। बयान मे कहा गया है कि सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियो को एक गवाह ने बताया कि मां ने बच्चे को सुलाने के लिए पालने के बजाय गलती से ओवन मे रख दिया। बयान मे यह नही बताया गया कि इस प्रकार की गलती कैसे हुई। जैक्सन काउंटी में अभियोजन पक्ष के वकील जीन पीटर्स बेकर ने एक बयान में कहा, यह अत्यंत त्रासदीपूर्ण घटना है और हम एक अनमोल जीवन के खोने से दुखी है।

पाकिस्तान : खंडित जनादेश के बाद गठबंधन सरकार बनाने के प्रयास तेज

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के आम चुनाव में खंडित जनादेश सामने आने के बाद राजनीतिक दलों ने रविवार को गठबंधन सरकार के गठन के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए।पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था।पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने जिन 265 सीट पर चुनाव हुआ था उनमें से 264 सीट के नतीजे घोषित कर दिए हैं। चुनाव नतीजों की घोषणा में असामान्य देरी के कारण कई दलों ने देश भर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया। पंजाब प्रांत के खुशाब में एनए-88 सीट का परिणाम ईसीपी ने धोखाधड़ी की शिकायतों के कारण रोक दिया था और पीड़ितों की शिकायतों के निवारण के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। एक उम्मीदवार की मृत्यु के बाद एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली में 101 सीट हासिल कीं हैं। इनमें से ज्यादातर खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित थे। सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को 133 सीट की जरूरत होगी। कुल मिलाकर, साधारण बहुमत हासिल करने के लिए 336 में से 169 सीट की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट भी शामिल हैं। नवाज शरीफ ने शनिवार को पाकिस्तान को मौजूदा कठिनाइयों से बाहर निकालने के लिए गठबंधन सरकार बनाने का आह्वान किया। माना जाता है कि शरीफ को देश की शक्तिशाली सेना का समर्थन प्राप्त है। पीएमएल-एन प्रमुख शरीफ ने अपने छोटे भाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दलों से बातचीत करने का जिम्मा सौंपा है, जिन्होंने पीपीपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है। एमक्यूएम-पी का एक प्रतिनिधिमंडल लाहौर में है और उसने शहबाज के साथ बैठक की। एमक्यूएम प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ. खालिद मकबूल सिद्दीकी कर रहे हैं। बैठक में शहबाज शरीफ, मरियम नवाज और पार्टी के अन्य नेता भी भाग ले रहे हैं। शहबाज ने कहा, बैठक में सरकार गठन को लेकर चर्चा होगी। एमक्यूएम-पी नेता हैदर रिजवी ने एक साक्षात्कार में जियो न्यूज को बताया है कि उनकी पार्टी पीएमएल-एन के साथ अधिक सहज होगी क्योंकि पीपीपी या अन्य पार्टियों के विपरीत दोनों पार्टियों ने कराची में प्रतिस्पर्धा नहीं की है। इस बीच, पीटीआई नेता गौहर खान ने भी दावा किया कि उनकी पार्टी सरकार बनाएगी। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह संभव नहीं है।

पाक : आम चुनाव के अंतिम नतीजों में इमरान खान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों का दबदबा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारो ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वही, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद मे सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीट मिली, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगो की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीटो पर अन्य छोटे दलो ने जीत हासिल की। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने लड़ी गई 265 सीट मे से 264 सीट के नतीजे घोषित कर दिए है। बृहस्पतिवार को हुए चुनाव के नतीजो की घोषणा मे असामान्य देरी के कारण कई दलो ने देश भर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया। पंजाब प्रांत के खुशाब में एनए-88 सीट का परिणाम ईसीपी ने धोखाधड़ी की शिकायतो के कारण रोक दिया था और पीड़ितों की शिकायतो के निवारण के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। एक उम्मीदवार की मृत्यु के बाद एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था।

रुस ने यूक्रेन पर 45 ड्रोन हमले किए

यूक्रेन के युद्ध मंत्रिमंडल में फेरबदल जारी

भाषा। कीव

रूस की सेनाओं ने रविवार को करीब साढ़े पांच घंटे तक चली लड़ाई के दौरान यूक्रेन को करीब 45 ड्रोन हमलों से निशाना बनाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा अपने युद्ध मंत्रिमंडल में फेर-बदल का दौर जारी है। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान जारी कर बताया कि रूस द्वारा भेजे गए ईरान निर्मित 40 शाहिद ड्रोन को राजधानी कीव के बाहरी इलाके सहित देश के नौ क्षेत्रों में मार गिराया। यूक्रेन के दक्षिणी रक्षा बलों के अधिकारियों ने टेलीग्राम चैनल के माध्यम से जानकारी दी, साढ़े पांच घंटे तक चली लड़ाई में रूस द्वारा कृषि सुविधाओं और तटीय बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि मायकोलाइव क्षेत्र में एक हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया जबकि आग लगने से आसपास की आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा। क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने कहा कि यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्र में एक अन्य व्यक्ति तब घायल हो गया जब नष्ट हुए ड्रोन के मलबे के कारण आग लग गई। रूस द्वारा ए हमले ऐसे समय किए गए हैं जब जेलेंस्की जवाबी हमलों की गति बनाए रखने के लिए सैन्य कमांडरों की नियुक्ति में फेर बदल कर रहे हैं। यूक्रेन ने रविवार को घोषणा की कि पूर्व उप रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर पावल्युक यूक्रेन की जमीनी सेना के नए कमांडर होंगे। यह पद पहले कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिर्स्की के पास था। सिर्स्की को बृहस्पतिवार को यूक्रेन के निवर्तमान सैन्य प्रमुख जनरल वलेरी जालुजनी के स्थान पर नियुक्त किया गया था। राष्ट्रपति के नए आदेशों के मुताबिक यूक्रेन के समुद्री कोर के पूर्व प्रमुख यूरी सोडोल को अब देश की संयुक्त सेना का नया कमांडर नामित किया गया है।

प्रचार अभियान में पति के शामिल न होने पर आमने-सामने आए हेली और ट्रंप

साउथ कैरोलाइना (अमेरिका)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सवाल किया कि उनकी प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली के पति प्रचार अभियान में उनके साथ क्यों नहीं हैं। इस पर संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत हेली और उनके पति माइकल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। माइकल इस वक्त सैन्य सेवा के तहत विदेश में तैनात हैं। ट्रंप ने साउथ कैरोलाइना के कॉनवे में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, उनके पति को क्या हुआ। वह कहां हैं? वह चले गए हैं। ट्रंप और हेली 24 फरवरी को रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव के मद्देनजर राज्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। दोनों राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए हेली ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माइकल हमारे देश की सेवा में तैनात हैं, जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते। उन्होंने अपने पति की सेवा पर गर्व जताते हुए कहा कि हर सैनिक की पत्नी जानती है कि सेना में काम करना एक पारिवारिक बलिदान है। हेली ने एक कार्यक्रम में कहा, डोनाल्ड ट्रंप अगर आपको कुछ कहना है तो मेरे पीठ पीछे मत कहिए। मंच पर आकर बहस करिए और मेरे सामने कहिए। उन्होंने ट्रंप की पत्नी और पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप की भी प्रचार अभियान में गैरमौजूदगी पर सवाल उठाए। वहीं, ट्रंप की टिप्पणियों के तुरंत बाद माइकल हेली ने एक्स पर एक पोस्ट में एक भेड़िए की तस्वीर के साथ लिखा, मनुष्यों और पशुओं के बीच अंतर? पशु कभी भी सबसे मूर्ख जानवर को झुंड का नेतृत्व करने नहीं देंगे। साउथ कैरोलाइना में रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में दो सप्ताह का समय शेष है। हेली अपने घरेलू मैदान पर ट्रंप को चुनौती देने की कोशिश कर रही है जबकि पूर्व राष्ट्रपति अपनी आखिरी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी की संभावनाओं को खत्म करने की कोशिशों में लगे हुए हैं।

मनुष्य के लिए उपयोगी हो सकती हैं बुरी भावनाएं

क्रोध, उदासी, चिंता नीरसता, से होगा लाभ

भाषा। कॉलेज स्टेशन (अमेरिका)

उस दुख अथवा उदासी के पलों को याद करें जो पिछली बार तब आया था जब आप किसी चीज में बुरी तरह असफल हो गए थे? या पिछली बार जब आप किसी आगामी कार्यक्रम को लेकर इतने चिंतित थे कि कई दिनों तक अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाए थे? इस प्रकार की भावनाओं का अनुभव करना अप्रिय होता है और यहां तक कि भारी भी लग सकता है। लोग अक्सर उनसे बचने, उन्हें दबाने या उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं। वास्तव में, मनोविज्ञान के प्रयोगों में लोग कई नकारात्मक भावनाओं को महसूस न करने के लिए पैसे का भुगतान करेंगे। लेकिन हालिया शोध से पता चल रहा है कि क्रोध, उदासी, नीरसता और चिंता जैसी भावनाएं मनुष्य के लिए उपयोगी हो सकती हैं, और यहां तक कि नकारात्मक भावनाएं भी लाभप्रद हो सकती हैं। टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय में मनुष्य की भावनाओं पर शोध करने वाली अपनी विज्ञान प्रयोगशाला में हम अध्ययन करते हैं कि क्रोध और नीरसता जैसी भावनाएं लोगों को कैसे प्रभावित करती हैं, और हम उन तरीकों का पता लगाते हैं, जिनसे ए भावनाएं फायदेमंद हो सकती हैं। हम अपने शोध के परिणाम साझा करते हैं, ताकि लोग यह सीख सकें कि अपनी भावनाओं का उपयोग करके अपने इच्छित जीवन का निर्माण कैसे करें। हमारे शोध और कई अन्य अध्ययनों से पता चला है कि भावनाएं लोगों के लिए समान रूप से अच्छी या बुरी नहीं होती हैं। इसके बजाय, विभिन्न भावनाओं के परिणामस्वरूप विशेष प्रकार की स्थितियों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। भावनाएं स्विट्जरलैंड की सेना के चाकू की तरह काम करती प्रतीत होती हैं- विभिन्न भावनात्मक उपकरण विशिष्ट स्थितियों में सहायक होते हैं।

भोजन विकल्पों से बढ़ती है सुंदरता

खूबसूरती को केवल बाहरी सुंदरता से नहीं नापा जा सकता, आप जो खाते हैं वह आपकी खूबसूरती और उसके एहसास को बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस बात को समझते हुए, आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया ने ग्लो फ्रॉम विदिनरू नर्चरिंग ए रेडिएंट स्किनष् पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। बॉलीवुड अभिनेत्री और सेलिब्रिटी सोहा अली खान, डर्मेटोलॉजिट एवं स्किन एक्सपर्ट डॉ. गीतिका मित्तल गुप्ता के साथ मैक्स हेल्थकेयर, डायटेटिक्स रीजनल हेडए दिल्ली, रितिका समद्दर ने इस चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी को सुंदरता और खूबसूरत होने का एहसास दिलाने में भोजन विकल्पों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। पैनल के सभी सदस्यों ने माना कि अपने भोजन में मुट्ठीभर बादाम शामिल कर लेना सेहतमंद त्वचा बनाए रखने के लिए जरूरी है। इसके साथ ही माइंडफुलनेस तकनीक जैसे योग का अभ्यास और पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है। इस चर्चा के दौरानए रितिका समद्दर ने पौराणिक ग्रंथों और आधुनिक रिसर्च पर जोर दिया। जिनमें रोजाना अपने ब्यूटी रूटीन में बादाम को शामिल करने के कई सारे फायदों के बारे में बताया गया है। उन्होंने एक अध्ययन की भी चर्चा कीए जिसमें दर्शाया गया है कि कैलोरी से भरपूर स्नैक की जगह बादाम लेने से मेनोपॉज़ के बाद के दौर से गुजर रही महिलाओं का स्किन टोन बेहतर होता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती हैं। खासकर जिन महिलाओं को फिट्ज़पैट्रिक स्किन टाइप 1 और 2 की समस्या है। इसके साथ ही बादाम में हेल्दी फैट्स और विटामिन ई अल्फाटोकोफेरॉल होता हैए जोकि एंटी.एजिंग गुणों से भरपूर है। यह सेहतमंद स्किन के लिए फायदेमंद होता है। इस चर्चा को और बढ़ाते हुए डॉ गीतिका मित्तल गुप्ता ने त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने के लिए बादाम को अपने रोजाना के भोजन में शामिल करने पर जोर दिया। साथ ही यह भी बताया कि बादाम खाने से त्वचा सूरज की हानिकारक यूवीबी किरणों से मुकाबला करती है। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने भी बादाम को लेकर अपनी पसंद के बारे में बताया। साथ ही एक सक्रियए फिट और सेहतमंद जिंदगी के लिए पौष्टिक भोजन के फायदों के बारे में जानकारी दी।

मिस्र ने इजराइल के साथ शांति संधि को निलंबित करने की चेतावनी दी: अधिकारियों ने कहा

रफाह (गाजा पट्टी)। मिस्र ने चेतावनी दी है कि यदि इजराइली सैनिकों को गाजा के घनी आबादी वाले सीमावर्ती शहर रफाह में भेजा गया तो वह इजराइल के साथ अपनी शांति संधि को निलंबित कर देगा। मिस्र के दो अधिकारियों और एक पश्चिमी राजनयिक ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रफाह में लड़ाई से क्षेत्र का मुख्य सहायता आपूर्ति मार्ग बंद हो सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ युद्ध जीतने के लिए रफाह में सेना भेजना आवश्यक है। इसके बाद मिस्र का यह बयान सामने आया है। गाजा की 23 लाख की आबादी में से आधे से अधिक अन्य क्षेत्रों में लड़ाई से बचने के लिए रफाह चले गए हैं, और सीमा के निकट तम्बू शिविरों और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित आश्रय गृहों में शरण लिए हुए हैं।

युवाओं को भी ऑस्ट्रेलिया ने रुला दिया

कंगारुओं चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता

भाषा। बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)

ऑस्ट्रेलिया ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों का दिल तोड़कर रविवार को यहां फाइनल में 79 रन से जीत दर्ज करके चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम इसके जवाब में 43.5 ओवर में 174 रन बनाकर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम ने पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गए वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर उसका आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा दिया था। अब उसकी जूनियर टीम ने पिछली बार के चैंपियन भारत को छठी बार अंडर-19 विश्व कप नहीं जीतने दिया। यह पहला अवसर है जबकि भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की। उसकी तरफ से हरजस सिंह (64 गेंद पर 55 रन, तीन चौके, तीन छक्के), हैरी डिक्सन (56 गेंद पर 42 रन), कप्तान ह्यू वीबगेन (66 गेंद पर 48 रन) और ओलिवर पीक (43 गेंदों पर नाबाद 46) ने उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से तेज गेंदबाज राज लिंबानी ने और 38 रन देकर तीन विकेट जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने नौ ओवर में 63 रन देकर दो विकेट लिए। पिच सेअसमान उछाल मिल रही थी और ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला सही साबित हुआ। भारतीय बल्लेबाज परिस्थितियों से सामंजस्य नहीं बिठा पाए। भारत के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (47) और निचले क्रम के बल्लेबाज मुरूगन अभिषेक (42) भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज माहिल बियर्डमैन ने सात ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट जबकि कैलम विडलर ने 35 रन दे कर दो विकेट लिए। ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन ने 43 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा योगदान दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज अर्शीन कुलकर्णी (03) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने कैलम विडलर की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दिया। उनका स्थान देने के लिए उतरे मुशीर खान (33 गेंद पर 22 रन) भी क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल पाए। माहिल बीयर्डमैन की गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेकर विकटों में समा गई। आदर्श ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया : हैरी का अभिषेक बो तिवारी 42, कोन्सटास बो लिम्बानी 00,वीबगेन का मुशीर खान बो तिवारी 48 , सिंह पगबाधा बो पांडे 55,हिक्स पगबाधा बो लिम्बानी 20,पीक नाबाद 46, मैकमिलन का एवं बो मुशीर खान 02,एंडरसन पगबाधा बो लिम्बानी 13, स्ट्रेकर नाबाद 08, **अतिरिक्त** : (लेग बाई-11, नोबॉल-1, वाइड-7) 19, **कुल योग** : 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन , विकेट पतन :1-16, 2-94, 3-99, 4-165, 5-181, 6-187, 7-221 , **गेंदबाजी** : लिम्बानी 10-0-38-3,तिवारी 9-0-63-2,पांडे 10-0-41-1,खान 9-0-46-1, अभिषेक 10-0-37-0,मोलिया 2-0-17-0

भारत :आदर्श का हिक्स बो बीयर्डमैन 47, कुलकर्णी का हिक्स बो विडलर 03,खान बो बीयर्डमैन 22, सहारन का वीबगेन बो बीयर्डमैन 08,धास का हिक्स बो मैकमिलन 09,मोलिया का विडलर बो एंडरसन 09,अविनाश का एवं बो मैकमिलन 00,अभिषेक का वीबगेन बो विडलर 42, लिंबानी बो मैकमिलन 00, तिवारी नाबाद 14, पांडे का हिक्स बो स्ट्रेकर 02 , **अतिरिक्त** : (लेग बाई-7, नोबॉल-1, वाइड-10) 18 , **कुल योग** : (43.5 ओवर मे ऑल आउट) 174 , **विकेट पतन** :1-3, 2-40, 3-55, 4-68, 5-90, 6-91, 7-115, 8-122, 9-168, **गेंदबाजी** : कैलम विडलर 10-2 -35-2, चार्ली एंडरसन 9-0-42-1, टॉम स्ट्रेकर 7.5-1-32-1, महली बीयर्डमैन 7-2-15-3, रैफ मैकमिलन 10-0-43-3

मैक्सवेल का शतक, आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला जीती

एडीलेड। आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 120 रन) के रिकॉर्ड बराबरी वाले शतक से आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे ट्वेंटी20 मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2–0 से अजेय बढ़त हासिल की। मैक्सवेल ने 55 गेंद की पारी के दौरान आठ छक्के और 12 चौके जमाए। उन्होंने टिम डेविड (14 गेंद में 31 रन) के साथ 92 रन की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को चार विकेट पर 241 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। यह मैक्सवेल का पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक है जिससे उन्होंने भारतीय स्टार रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले सात ओवर में पांच विकेट गंवा दिए। कप्तान रोवमैन पावेल (36 गेंद में 63 रन) और आंद्रे रसेल (16 गेंद में 37 रन) ने उम्मीद जगाई। लेकिन लक्ष्य इतना पड़ा था कि टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी। मार्कस स्टोइनिस ने 36 रन देकर तीन और पदार्पण कर रहे स्पेंसर जॉनसन ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को होबार्ट में पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 11 रन से हराया था। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आस्ट्रेलिया का स्कोर भी हालांकि 6.4 ओवर के बाद तीन विकेट पर 64 रन था। पर मैक्सवेल ने स्टोइनिस (15 गेंद में 16 रन) के साथ 82 रन की भागीदारी निभाने के बाद टिम डेविस के साथ 92 रन जोड़े।

मैक्सवेल ने रोहित के रिकॉर्ड की बराबरी की

एडीलेड (आस्ट्रेलिया)। आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ 55 गेंद मे नाबाद 120 रन की पारी खेलकर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के इस प्रारूप में सबसे ज्यादा पांच सैकड़ों के रिकॉर्ड की बराबरी की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैक्सवेल ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 50 गेंद में 12 चौके और आठ छक्के से शतक पूरा किया। मैक्सवेल ने पारी के ब्रेक के दौरान कहा, यह मनोरंजक रहा। इससे मुझे मौका मिला। यह शानदार विकेट था। इसका फायदा उठाना और क्रीज पर समय बिताना शानदार रहा। मै मुश्किलो से पार पाने के लिए हमेशा अपने हाथ की फुर्ती पर निर्भर रहता हूं। और आज यह मेरे लिए वास्तव में कारगर रहा। मैक्सवेल ने पांच शतक जड़ने में भी काफी फुर्तीले रहे, वह इस उपलब्धि तक 93 पारियों में पहुंचे जबकि रोहित ने 143 पारी में ऐसा किया था।

टॉमी पॉल और मार्कोस गिरोन के बीच होगा डलास ओपन फाइनल

डलास। अमेरिका के दूसरे वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने बेन शेल्टन को हराकर डलास ओपन के फाइनल मे प्रवेश किया जिसमे उनका सामना गैर वरीय हमवतन खिलाड़ी मार्कोस गिरोन से होगा। पॉल ने सेमीफाइनल मे तीसरे वरीय हमवतन बेन शेल्टन को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी जबकि गिरोन ने फिर एक वरीय खिलाड़ी को हराया। तीस वर्षीय गिरोन ने चौथे वरीय फ्रांस के एड्रियन मानारिनो को 6-1, 6-3 से पराजित किया और उनकी कोशिश रविवार को पहला एटीपी टूर खिताब जीतने की होगी। वह दो साल पहले डलास में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

काजोल के दो गोल, सेतु एफसी ने ईस्ट बंगाल को 2-0 से हराया

वास्को (गोवा)। काजोल डिसूजा के दो गोल की मदद से सेतु एफसी ने रविवार को यहां तिलक मैदान पर ईस्ट बंगाल को 2-0 से हराकर इंडियन वुमैन्स लीग (आईडब्ल्यूएल) 2023-24 में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। मदुरई की टीम सेतु एफसी के अब आठ मैच में 10 अंक हो गए है। वह तालिका मे पांचवे स्थान पर है। काजोल ने सातवे मिनट में पेनल्टी किक पर पहला गोल दागा जबकि दूसरा गोल 82वें मिनट में किया।

शीराज और गनेमत स्कीट में शीर्ष भारतीय रहे

नई दिल्ली। शीराज शेख और गनेमत सेखों रविवार को मोरक्को के रबात में शॉटगन के लिए आईएसएसएफ विश्व कप में क्रमशः पुरुष और महिला स्कीट वर्ग में शीर्ष भारतीय रहे। शीराज ने दो दिन में 24-24 के पांच राउंड से 125 निशानों में 120 अंक जुटाए। वह 11वें स्थान पर रहे जबकि छठा और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान 121 अंक पर था। अभय सिंह सेखो (116) और मुनेक बातुला (109) निचले स्थानों पर रहे। महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में गनेमत 114 अंक से 12वें स्थान पर रही जबकि अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान 117 अंक पर था। अरीबा खान 107 अंक से 26वें स्थान पर रही। सोमवार को मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा होगी।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार दूसरी बार जीता एसए20 खिताब

केपटाउन। मार्को यानसेन के पांच विकेट के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर लगातार दूसरी बार साउथ अफ्रीका 20 खिताब अपने नाम कर लिया।लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स विजई रहे थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाए। जवाब में डरबन टीम कल देर रात हुए इस मैच में 17 ओवर में 115 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच विकेट लिए।उन्होंने लीग में सर्वाधिक 20 विकेट अपने नाम किए। खचाखच भरे न्यूलैंड्स स्टेडियम पर पहले सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अमित और सचिन ने स्वर्ण पदक जीते, निकहत को रजत

सोफिया (बुल्गारिया)। विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अमित पंघाल और सचिन सिवाच ने 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी प्रतियोगिता में रविवार को यहां स्वर्ण पदक जीते जबकि निकहत जरीन और तीन अन्य भारतीयों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता पंघाल (51 किग्रा) ने पुरुषों के फ्लाईवेट फाइनल में कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की।

भुई के शतक से आंध्र की यूपी पर बढ़त

बडोनी का शतक, दिल्ली ने हिमाचल के सामने 327 रन का लक्ष्य रखा

भाषा। विजयनगरम

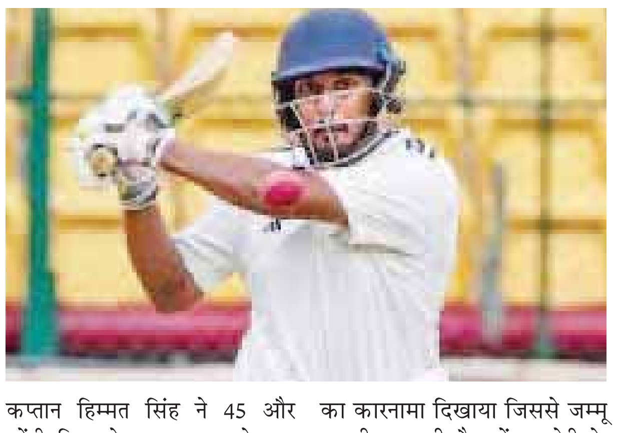

विजयनगरम में रिकी भुई के 100 रन की मदद से आंध्र ने अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 271 रन बनाकर उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपनी कुल बढ़त 338 रन की कर दी है। उत्तर प्रदेश की टीम आंध्र के 261 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 198 रन ही बना पाई थी। वहीं आयुष बडोनी के शानदार शतक की मदद से दिल्ली ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 381 रन के स्कोर पर समाप्त घोषित करके रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में रविवार को यहां हिमाचल प्रदेश के सामने 327 रन का लक्ष्य रखा। बडोनी ने 115 गेंद पर 111 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल है। अनुज रावत (32 गेंद पर 54 रन) और यश ढुल (81 गेंद पर 82 रन) ने दिल्ली को आक्रामक शुरूआत दिलाई। इसके अलावा कप्तान हिम्मत सिंह ने 45 और जोंटी सिद्धू ने 46 रन का योगदान दिया। हिमाचल प्रदेश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर एक विकेट पर 31 रन बनाए थे। उसने प्रशांत चोपड़ा (05) का विकेट दूसरे ओवर में ही गंवा दिया था। हिमाचल को जीत दर्ज करने के लिए मैच के चौथे और आखिरी दिन 296 रन बनाने होंगे। स्टंप उखड़ने के समय शुभम अरोड़ा 15 और अंकित कालसी सात रन पर खेल रहे थे। उधर थुथीपेट में बाएं हाथ के स्पिनर वंशज शर्मा ने अपने पदार्पण मैच में ही दस विकेट लेने का कारनामा दिखाया जिससे जम्मू कश्मीर ग्रुप डी मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 19 रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा। पुडुचेरी ने सुबह अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 35 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसकी पूरी टीम 35.3 ओवर में 67 रन पर आउट हो गई। वंशज ने पुडुचेरी के बाकी बचे तीनों विकेट हासिल किए। वंशज ने पहली पारी में 74 रन देकर पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 16 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। जम्मू कश्मीर की तरफ से बाएं हाथ के एक अन्य स्पिनर आबिद मुश्ताक ने भी मैच में 10 विकेट हासिल किए। पहली पारी में 64 रन देकर पांच विकेट लेने वाले मुश्ताक ने दूसरी पारी में 28 रन देकर पांच विकेट लिए। कश्मीर ने इस तरह से अपना अजेय अभियान जारी रखा। उसके अब 18 अंक हो गए हैं और वह बड़ौदा और मध्य प्रदेश के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। पुडुचेरी के 15 अंक हैं और उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। कटक में उत्तराखंड ने ओडिशा के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। उत्तराखंड ने अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 203 रन पर समाप्त घोषित करके ओडिशा के सामने 377 रन का लक्ष्य रखा। ओडिशा ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 17 रन बनाए हैं। वह अभी लक्ष्य से 360 रन पीछे है। उधर इंदौर में बड़ौदा ने मध्य प्रदेश के खिलाफ फालोऑन करते हुए अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 201 रन बनाए हैं। मध्य प्रदेश के 454 रन के जवाब में बड़ौदा की टीम अपनी पहली पारी में 132 रन पर आउट हो गई थी।

भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट से बाहर इंग्लैंड के स्पिनर लीच

लंदन। इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैच से बाहर हो गए। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह घोषणा की। लीच के स्थान पर किसी और खिलाड़ी को अभी शामिल नहीं किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि टॉम हार्टले, रेहान अहमद और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी ही बचे हुए दौरे में जारी रहेगी। जो रूट इंग्लैंड के चौथे स्पिन विकल्प हैं। लीच को हैदराबाद में इंग्लैंड के पहले टेस्ट दौरान बाएं पैर के घुटने में चोट लगी थी जिससे वह विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। ईसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, वह अगले 24 घंटे में अबुधाबी से घर के लिए रवाना होगा, जहां इंग्लैंड की टीम 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले रुकी हुई है। इसके अनुसार, लीच अपने रिहैबिलिटेशन के लिए इंग्लैंड और समरसेट की चिकित्सा टीम के साथ काम करेंगे। 32 वर्षीय लीच के नाम 36 टेस्ट में 126 विकेट हैं और वह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

अजित के पांच विकेट के बावजूद कर्नाटक का पलड़ा भारी

चेन्नई। बाएं हाथ के स्पिनर अजित राम के पांच विकेट की बदौलत तमिलनाडु ने रविवार को यहां कर्नाटक को दूसरी पारी में 139 रन पर आउट कर दिया लेकिन इसके बावजूद मेहमान टीम ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी के इस मैच में अपना पलड़ा भारी रखा। राम ने 61 रन देकर पांच और साइ किशोर मे 27 रन देकर दो विकेट हासिल किए जिससे कर्नाटक की टीम 56.4 ओवर में आउट हो गई। इस तरह से उसने तमिलनाडु के सामने 355 रन का लक्ष्य रखा। कर्नाटक के 366 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में केवल 151 रन बनाने वाले तमिलनाडु में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 36 रन बनाए है और वह लक्ष्य से अभी 319 रन पीछे है। उधर मोहाली में मेजबान पंजाब पर हार का खतरा मंडरा रहा है। उसने गुजरात के खिलाफ 411 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 40 रन बनाए है। चंडीगढ़ में खेले जा रहे ग्रुप सी के मैच में त्रिपुरा ने मणिसंकर मुरासिंघ (94), गणेश सतीश (88), कप्तान रिद्धिमान साहा (66) और बिमरनजीत देबनाथ (64) के अर्धशतकों की मदद से चंडीगढ़ के 356 रन की जवाब में अपनी पहली पारी में 438 रन बनाए।

जैक्सन, वसावडा की मदद से सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

जयपुर। पहली पारी के शतकवीर शेल्डन जैक्सन की अर्पित वसावडा के साथ 100 रन की अटूट साझेदारी से गत चैम्पियन सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप ए मैच में राजस्थान के खिलाफ 245 रन की बढ़त हासिल की। राजस्थान की टीम सौराष्ट्र के पहली पारी में 328 रन के जवाब में 257 रन पर सिमट गई। स्टंप तक सौराष्ट्र ने चार विकेट गंवाकर 174 रन बना लिए। जैक्सन 48 और वसावडा 53 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। एक समय टीम ने 74 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन दोनो के बीच नाबाद साझेदारी से कोई और झटके नही लगने दिए। राजस्थान ने सुबह छह विकेट पर 159 रन से आगे खेलते हुए रात के स्कोर में 98 रन जोड़े। इससे वह पहली पारी के आधार पर 71 रन से पिछड़ रही थी। स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने 18वी बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने 99 रन देकर पांच विकेट झटके। इसके बाद घरेलू टीम के लिए बाएं हाथ के स्पिनर कुकना अजय सिंह ने पहली पारी के शतकवीर भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (25) और सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई (09) के विकेट लेकर शुरूआती सफलता दिलाई। लेकिन जैक्सन ने 71 गेंद में नाबाद 48 रन बनाए और दूसरे छोर पर वसावडा भी नाबाद अर्धशतक जड़कर उनका पूरा साथ निभा रहे थे। पुणे मे विदर्भ ने रविवार को पहली पारी में 552 का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर दूसरी पारी में स्टंप तक महाराष्ट्र का स्कोर तीन विकेट पर 187 रन कर दिया। महाराष्ट्र ने पहली पारी मे महज 208 रन बनाए थे।

सक्सेना ने झटके 9 विकेट, बंगाल पर हार का खतरा

थुम्बा (केरल)। घरेलू क्रिकेट के दिग्गज जलज सक्सेना ने रविवार को यहां अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 68 रन देकर नौ विकेट लिए, जिससे केरल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में रविवार को यहां बंगाल पर कड़ा शिकंजा कस दिया। बंगाल ने सुबह अपनी पहली 8 विकेट पर 172 रन से आगे बढ़ाई लेकिन केवल आठ रन जोड़कर अपने बाकी बचे दोनो विकेट गंवा दिए। सक्सेना ने यह दोनो विकेट हासिल किए। पहली पारी मे मजबूत बढ़त हासिल करने के बावजूद केरल के कप्तान संजू सैमसन ने बंगाल को फॉलोऑन नही दिया और अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 265 रन की स्कोर पर समाप्त घोषित करके मेहमान टीम के सामने 449 रन का लक्ष्य रखा। बंगाल ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 77 रन बनाए थे। अभिमन्यु ईश्वरन 33 रन बनाकर खेल रहे है। बंगाल अपने पिछले मैच मे मुंबई से हार गया था। उधर रायपुर मे कप्तान अमनदीप खरे की 143 रन की शानदार पारी के बावजूद छत्तीसगढ़ की टीम मुंबई के खिलाफ एक रन के अंतर के कारण पहली पारी में बढ़त हासिल नही कर पाई। मुंबई ने अपनी पहली पारी मे 351 रन बनाए थे जिसके जवाब मे छत्तीसगढ़ की टीम ने 350 रन बनाए।

तेजस्विन को सत्र की शुरूआती प्रतियोगिता में स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट तेजस्विन शंकर ने बेल्जियम के हेस्ट-ऑप-डेन-बर्ग में इंटरनेशनल हाई जम्प गाला एल्मोस 2024 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 2.23 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल अक्टूबर के बाद पहली प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे 25 वर्षीय शंकर शनिवार को विश्व एथलेटिक्स इंडोर टूर चैलेंजर टूर्नामेंट मे यूनान के एंटोनियोस मर्लोस (2.20 मीटर) से आगे रहे। शंकर के नाम पुरुषों की ऊंची कूद और डेकाथलॉन दोनों का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। लेकिन वह अपने 2.29 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर नही कर पाए। शंकर डेकाथलॉन पर भी ध्यान दे रहे है। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप मे इस स्पर्धा का कांस्य पदक और एशियाई खेलो में रजत पदक जीता था। उनकी निगाहे पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने पर लगी है लेकिन इसके लिए उन्हें 2.33 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल करना होगा। प्रतियोगिता मे हिस्सा ले रहे अन्य भारतीयो मे जेसे संदेश 2.09 मीटर की कूद से संयुक्त 10वें स्थान पर रहे। शंकर अब 20 फरवरी को चेक गणराज्य में होने वाली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे।

गुकेश तीन राउंड हारे, प्लेऑफ़ में छठे स्थान पर रहे

वांगल्स (जर्मनी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को वीसेनहाउस फ्रीस्टाइल शतरंज चैलेंज के रैपिड प्लेऑफ मे आखिरी तीन राउंड हारने के कारण छठे स्थान से संतोष करना पड़ा। उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने रैपिड स्पर्धा में अपना दबदबा बनाया तथा 5.5 अंको के साथ जर्मनी के विसेंट कीमर से आधा अंक आगे रहे। गुकेश के लिए दिन अच्छा नही रहा और उन्हें शुरू मे ही फैबियानो कारुआना से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब्दुसत्तारोव के खिलाफ उन्होने कुछ चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें हार मिली। कीमर ने भारतीय खिलाड़ी को केवल 22 चाल मे पराजित किया। रैपिड स्पर्धा का आयोजन नॉकआउट चरण के लिए जोड़ियां तय करने के लिए किया गया था। गुकेश क्वार्टर फाइनल में कारुआना से भिड़ेंगे। नॉकआउट चरण के मुकाबले क्लासिकल प्रारूप मे खेले जाएंगे।

मेस्सी के नहीं खेलने पर अर्जेंटीना का चीन दौरा रद्द

हांगकांग। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के हांगकांग मे प्रदर्शनी क्लब मैच मे नही खेलने के कारण स्थानीय फुटबॉल अधिकारियो ने चीन दौरे पर अगले महीने होने वाले अर्जेंटीना के दोनो मैत्री मैच को रद्द कर दिए। बीजिंग फुटबॉल संघ ने शनिवार को कहा कि वह मार्च मे बीजिंग मे आइवरी कोस्ट के खिलाफ अर्जेंटीना का मैत्री मैच आयोजित नही करेगा। संघ ने स्थानीय मीडिया से कहा, बीजिंग की इस समय वो मैच आयोजित कराने की योजना नही है जिसमे लियोनल मेस्सी को हिस्सा लेना था। वही एक दिन पहले चीन के खेल अधिकारियो ने नाईजीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना का प्रदर्शनी मैच रद्द कर दिया था। मेस्सी की कप्तानी में विश्व कप चैम्पियन अर्जेंटीना को 18 से 26 मार्च तक के अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान चीन का दौरा करना था। इस दौरे पर अर्जेंटीना को बीजिंग मे आइवरी कोस्ट और हांगझोउ मे नाईजीरिया के खिलाफ मैच खेलने थे। लेकिन मेस्सी ने अपने इंटर मियामी क्लब के साथ दौरे पर हांगकांग मे प्रशंसको को नाराज कर दिया था। वह पिछले रविवार को ग्रोइन चोट के कारण यहां आयोजित क्लब के मैत्री मैच में नही खेले और बेंच पर बैठे रहे थे। वही बुधवार को वह तोक्यो मे विसेल कोबे के खिलाफ मैच मे 30 मिनट तक मैदान पर उतरे थे जिससे खेल प्रेमी उनके चोट की बात पर विश्वास नही कर रहे और वे काफी नाराज हो गए। शुक्रवार को अर्जेंटीना और नाईजीरिया के बीच मैत्री मैच रद्द कर दिया गया था।

बुमराह की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए अश्विन ने कहा- बूमबॉल अद्भुत थी

चेन्नई। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साथी जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उनकी बूमबॉल ने कमाल कर दिया और इस तेज गेंदबाज का तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना बहुत बड़ी उपलब्धि है। बुमराह के गेंद से शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में 106 रन की जीत से श्रृंखला।-। से बराबर करने में सफल रही। इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड की पहली पारी में रिवर्स स्विंग के बेहतरीन प्रदर्शन किया और 45 रन देकर छह विकेट झटके। इसके बाद दूसरी पारी में तीन विकेट से मैच में 91 रन देकर कुल नौ विकेट प्राप्त

किए। इस प्रदर्शन की बदौलत बुमराह टेस्ट रैंकिंग सूची में शीर्ष पर पहुंच गए और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी बने। बुमराह ने इससे पहले वनडे और टी20 में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, सबसे शानदार प्रदर्शन बूमबॉल था। जसप्रीत बुमराह ने असाधारण गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, वह 14 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और साथ ही नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बन गए। सभी प्रारूपों में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज। मैं उनका बड़ा प्रशंसक हूं और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। अश्विन ने कहा कि दूसरे टेस्ट के चौथे दिन खिलाड़ियों में जो उत्साह और ऊर्जा थी, उससे भारत को मनमुताबिक नतीजा हासिल करने में मदद मिली हम चौथे दिन बरकरार पर थे। लेकिन टीम के खिलाड़ियों में शानदार उत्साह, ऊर्जा और प्रदर्शन से श्रृंखला।-। से बराबर करने में मदद मिली।

अफीफ की हैट्रिक, कतर ने लगातार एशियाई कप खिताब जीता

लुसैल (कतर)। कतर ने अकरम अफीफ की पेनल्टी पर की गई हैट्रिक की बदौलत शनिवार को यहां जोर्डन को 3-1 से हराकर लगातार एशियाई कप खिताब अपनी झोली में डाला। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और आठ गोल से शीर्ष स्कोरर अफीफ ने शनिवार को यहां लुसैल स्टेडियम में तीनों स्पॉट किक को गोल में तब्दील करने में जरा भी गलती नहीं की। पिछले साल इसी स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल खेला गया था जिसमें लियोनल मेस्सी और किलियान एमबापे ने इसे रोमांचक बना दिया था। लेकिन शनिवार को अफीफ आकर्षण का केंद्र रहे और वह एशियाई कप फाइनल में हैट्रिक लगाने वाले पहले फुटबॉलर बने। जापान ने 2000 और 2004 में लगातार एशियाई कप खिताब जीता था। इसके बाद से कतर लगातार खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया। स्टेडियम में 86,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अफीफ ने 22वें मिनट में पहली पेनल्टी को गोल में बदला, जिसके बाद यजान अल नेमत ने 67वें मिनट में गोल कर जोर्डन को बराबरी पर ला दिया। अफीफ ने फिर 73वें मिनट में स्पॉट किक से और स्टॉपेज टाइम (95वें मिनट) मिनट में स्पॉट किक से गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा, मैं इन पेनल्टी को गोल में बदल सका क्योंकि मेरे साथियों को मुझ पर पूरा विश्वास था। यह तकनीक के बारे में नहीं बल्कि उस अहसास के बारे में है कि लोग यानी मेरी टीम मेरे पीछे समर्थन के लिए खड़ी है। जोर्डन की टीम अपना पहला एशियाई कप फाइनल खेल रही थी।

उत्तर प्रदेश के बालक व बालिकाओं ने 38वीं राष्ट्रीय सब जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में जीते रजत पदक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बालक व बालिका टीम ने 38वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालक व बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप में उम्दा प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीत लिए लिए। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में संपन्न चैंपियनशिप में रविवार को फाइनल में उत्तर प्रदेश की दोनों टीमों को कड़े मुकाबले के बाद हार के चलते उपविजेता ट्रॉफी मिली। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि बालक वर्ग के फाइनल में राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को 27.22 गोल से हराया। बालिका वर्ग के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की आर्यावर्त हैंडबॉल अकादमी ने अतिरिक्त समय तक चले रोमांचक मुकाबले में उत्तर प्रदेश को 23-21 से मात दी। रविवार को बालिका फाइनल में उत्तर प्रदेश ने आर्यावर्त हैंडबॉल अकादमी के खिलाफकड़ी चुनौती पेश करते हुए पहले हॉफमें 9.6 की बढ़त बनाई। इसके बाद आर्यावर्त की लड़कियों ने रणनीति बदली लेकिन यूपी के उम्दा डिफेंस के चलते निर्धारित समय में दोनों टीमें 17.17 से बराबरी पर रही। फिर एक्सट्रा टाइम के मध्यांतर में यूपी 19.20 से पिछड़ गयी। मध्यांतर के बाद आर्यावर्त हैंडबॉल अकादमी ने तीन गोल दागे।

सुमित नागल को चेन्नई ओपन का खिताब, शीर्ष 100 में पहुंचना तय

भाषा। चेन्नई

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने रविवार को चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के लुका नार्दी को हराकर अपना पांचवां चैलेंजर स्तर का एकल खिताब जीता जिससे उनका विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंचना तय है। नागल ने इटली के अपने प्रतिद्वंद्वी को आसानी से 6-1 6-4 से हराया। इससे सोमवार को जारी होने वाली विश्व रैंकिंग में उनके 98वें स्थान पर पहुंचने की संभावना है। वह 2019 के बाद पहला अवसर होगा जबकि कोई भारतीय एकल खिलाड़ी शीर्ष 100 में जगह बनाएगा। तब प्रजनेश गुणेश्वरन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। नागल ने इस सत्र की शानदार शुरुआत की है। उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया।

करण और मुकुंद हारे

बेंगलुरु। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों के लिए बेंगलुरु ओपन मे दिन मुश्किल भरा रहा जिसमे पांच घरेलू खिलाड़ी पुरुष एकल क्वालीफाइंग स्पर्धा से बाहर हो गए। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले 20 वर्षीय करण सिंह को दो घंटे 46 मिनट तक चले पहले दौर मे दूसरे वरीय डान एडिड से 6-7(3), 7-5, 6-7(9) से हार मिली जबकि शशिकुमार मुकुंद चौथे वरीय इटली के एस विन्सेंट रुग्गेरी से 4-6, 3-6 से पराजित हो गए।

नागल और रामकुमार बेंगलुरु ओपन के पहले दौर में फ्रांस के प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ेंगे

बेंगलुरु। भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल सोमवार से यहां शुरु होने वाले बेंगलुरु ओपन के पुरुष एकल मुख्य ड्रा में ज्योफ्रे ब्लांकानॉक्स से भिड़ेंगे जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले रामकुमार रामनाथन का सामना मैक्सिम जानवियर से होगा। विश्व रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज नागल फ्रांस के ब्लांकानॉक्स को तीन बार हरा चुके है जिसमे आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर में उन्हे पराजित करना भी शामिल है। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी रामकुमार का फ्रांस के जानवियर के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड।-। की बराबरी का है और अगर वह पहले दौर की बाधा पार कर लेते है तो उनके इटली के शीर्ष वरीय लुका नार्डी से भिड़ने की उम्मीद है जिन्हे पहले दौर मे क्वालीफायर से भिड़ना है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।